फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 341 प्रभात जयपुर, मंगलवार 14 जुलाई, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

America's 150th Birthday Celebration Was... Philadelphia politicians hoped to replicate the success of the 1876 Centennial Exposition. Instead, the 1926 world's fair lost millions of dollars

Women Are Doing It...

Suella Braverman Defends Britain's Colonial Legacy!

तीन सप्ताह की छुट्टी के बाद, राहुल गांधी अपने देश लौटे

भाजपा में काफी जिज्ञासा व उत्कण्ठा है कि राहुल कांग्रेस व देश के सम्मुख प्रस्तुत गहन समस्याओं के बावजूद इतनी बेफ़िक्री से विदेश कैसे निकल जाते हैं

- राहुल गांधी ने हाल ही में इन छुट्टियों में फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल मैच देखे और स्कैण्डिनेवियन कंट्रीज में आनंदपूर्वक भ्रमण करके लौटे हैं। भाजपा का कटाक्ष है, क्या उनके आगमन के इंतज़ार में समस्याएं व मुद्दे "कोल्ड स्टोरेज" में शांति से ठंडी हवा खाते रहेंगे?
- कांग्रेस का खेमा जवाबी ताना मार रहा है, प्र.मंत्री ने देशवासियों को मितव्ययता और विदेश यात्रा पर न जाने की सलाह दी, पर वे स्वयं इस परामर्श का खुला उल्लंघन करते हुए, एक के बाद एक विदेश यात्राओं का सिलसिला जारी रखे हुए हैं।
- राजनीतिक हल्कों की चर्चाओं के अनुसार, राहुल 17 जुलाई को देहरादून जाएंगे तथा उसी के बाद, कांग्रेस पूरी तरह से हरकत में आएगी।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगभग तीन सप्ताह के राजनीतिक अवकाश के बाद दिल्ली लौट आए हैं। अवकाश के दौरान उन्होंने राजनीति की व्यस्तताओं से दूर रहकर फीफा विश्व कप का एक मैच देखा, स्कैंडिनेवियाई देशों की यात्रा की और कुछ समय विश्राम किया।

लेकिन, भारतीय जनता पार्टी को यह सब पच नहीं रहा है। उसने राहुल गांधी के इस विदेश दौरे को लेकर उन पर निशाना साधा है। भाजपा सवाल उठा रही है कि कांग्रेस और विपक्ष के सामने मौजूद अनेक चुनौतियों के बावजूद, राहुल गांधी इतने लंबे समय तक विदेश में समय कैसे बिता सकते हैं।

कांग्रेसी सूत्रों का कहना है कि क्या भाजपा को इस बात की चिन्ता नहीं होनी चाहिए कि जब देश के भीतर अनेक गंभीर समस्याओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार विदेश यात्राओं में इतना समय क्यों व्यतीत करते हैं।

ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री मोदी ने बड़े जोर-शोर से देशवासियों से अपील की थी कि वे विदेश यात्राओं से बचें, कम से कम खर्च करें और भविष्य के लिए बचत करें।

राहुल गांधी के सामने इस समय पार्टी के भीतर विभिन्न चुनौतियों के साथ-साथ, विपक्षी गठबंधन को मजबूत करने की जिम्मेदारी भी है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में विपक्षी एकजुटता को लेकर महत्वपूर्ण रणनीति तैयार की जानी है।

इसके अलावा, कांग्रेस नेतृत्व को राजधानी दिल्ली सहित, कई राज्यों में उत्पन्न राजनीतिक और संगठनात्मक परिस्थितियों से भी निपटना है।

सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी 17 जुलाई को देहरादून का दौरा करेंगे। इसके बाद उनके अन्य राजनीतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी।

सड़क दुर्घटना में कानोड गाँव के 5 युवकों की मौत

बालोतरा, 13 जुलाई (निसं)। जिले के पचपदरा थाना क्षेत्र में देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-125 पर भांडियावास गांव के पास हुए भीषण सड़क हादसे में गिड़ा क्षेत्र के कानोड़ गांव के पांच युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, कानोड़ गांव के आठ दोस्त स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार होकर पडासला स्थित भोमियाजी के दर्शन करने गए थे। दर्शन करने के बाद

- आठ दोस्त भोमियां जी के दर्शन कर स्कॉर्पियो से वापस लौटते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गए।

सभी देर रात अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान भांडियावास गांव के पास उनकी स्कॉर्पियो पहले तो एक अज्ञात वाहन से टकराई और फिर अनियंत्रित होकर आगे चल रहे डंपर में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड गए। हादसे में रेवांताराम (26) पुत्र गेनाराम जाट, स्वरूपाराम (27) पुत्र मेहराराम जाट, भरत (25) पुत्र बन्नाराम जाट, किशन (27) पुत्र शेराराम जाट तथा भावेश पुत्र कलाराम जाट की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोशल मीडिया ने नितिन गडकरी व उनके परिवार को भी नहीं बख्शा

बार-बार सवाल उठ रहा है कि क्या गडकरी ने एथेनॉल मिलाने की नीति अपने पारिवारिक बिज़नैस को बढ़ाने के लिए शुरु की है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, जो एथेनॉल बनाने वाली बड़ी कंपनी "सियान एग्रो इंडस्ट्रीज़ एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड" में अपने बेटे निखिल गडकरी की बड़ी हिस्सेदारी को लेकर जांच के दायरे में हैं, ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने की ई-20 नीति का जोरदार बचाव किया है।

हाल के दिनों में उपभोक्ताओं की शिकायतें बढ़ी हैं। इनमें एथेनॉल के कारण वाहन के पुर्जों में जंग लगने की आशंका, एथेनॉल की कैलोरी वैल्यू कम होने के कारण माइलेज घटने और पुराने वाहनों में आने वाली दिक्कतें शामिल हैं। विवाद तब और बढ़ गया, जब ऐसी खबरें सामने आईं कि ई-20 को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- लेकिन गडकरी ने इन आरोपों का जोरदार खंडन किया और कहा, उनके परिवार का चीनी व एथेनॉल उद्योग से पुराना नाता है, और इस नीति से उन्हें व्यक्तिगत लाभ नहीं हुआ है।
- गडकरी ने कहा, पैट्रोलियम लॉबी व उनके राजनैतिक विरोधी उनके खिलाफ साजिश रच रहे हैं। पैट्रोल में एथेनॉल मिलाना राष्ट्रीय हित में है। इससे कच्चे तेल का आयात कम होगा, प्रदूषण कम होगा और गन्ना किसानों को लाभ होगा। अमेरिका, ब्राज़ील व थाइलैंड में यह नीति सफल हो चुकी है।
- विरोधी लॉबी का कहना है कि पैट्रोल-डीज़ल में एथेनॉल मिलाने की नीति चालू करने के बाद से गडकरी के पुत्र निखिल गडकरी की कंपनी सीआईएएन एग्रो की आय में भारी वृद्धि हुई है। विरोधी पक्ष का आरोप है कि पैट्रोल-डीज़ल में एथेनॉल मिलाने से गाड़ियों के इंजन खराब हो रहे हैं और माइलेज घट रहा है।

.....जब शराब के ठेकेदारों का कार्टल टूटा

टूटने पर लगा, ये इतना आसान था तो पहले क्यों नहीं टूटा

- उत्तर प्रदेश सरकार ने 2018 में शराब का लाइसैंस लेने की प्रक्रिया को डिजिटल कर दिया और छोटे व्यवसायियों के लिए भी लाइसैंस लेने के द्वार खोल दिए।
- 2018 से पहले तक यूपी में शराब बेचने की सभी दुकानें पॉन्टी चड्ढा जैसे बड़े ठेकेदारों की मिल्कियत थीं, पर लाइसैंस प्रक्रिया को डिजिटल बनाने के बाद इस प्रक्रिया में इंसानी दखलदांजी खत्म हो गई और इसमें कम्प्यूटर ही सब तय करता है।
- इससे ना केवल बड़े ठेकेदारों का कार्टल टूटा, बल्कि सरकारी राजस्व में भी भारी वृद्धि हुई, इससे पहले उपभोक्ता ज्यादा पैसे देता था, पर, सरकार को मामूली राजस्व ही मिलता था।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। उत्तर प्रदेश के रामपुर में रहने वाले किसान रक्षपाल यादव ने दो साल पहले अपनी आय बढ़ाने और कमाई के नए स्रोत खोजने शुरू किए। इसी दौरान उन्हें शराब की दुकान के लाइसेंस के लिए एक ई-लॉटरी एप्लीकेशन के बारे में पता चला।

जब उन्होंने इसकी विस्तृत जानकारी देखी, तो उन्हें यह जानकर हैरानी हुई कि वे आवेदन करने के योग्य हैं। उन्होंने आवेदन किया और किस्मत से उन्हें अपनी शराब की दुकान का लाइसेंस मिल गया। एक दशक पहले यह संभव नहीं था।

2009 से 2018 तक उत्तर प्रदेश में ऐसी आबकारी नीति लागू थी, जिसने छोटे कारोबारियों के लिए दरवाजे बंद कर रखे थे। पूरे राज्य में देशी शराब का थोक कारोबार शराब कारोबारी पॉन्टी चड्ढा के वेव समूह के हाथों में था।

रक्षपाल याद करते हुए कहते हैं, "पॉन्टी चड्ढा की दुकानें हर जगह थीं और हम जैसे छोटे लोगों को शराब के कारोबार में आने नहीं दिया जाता था।"

नई व्यवस्था के बारे में वे कहते हैं, "अब लाइसेंस लेने के लिए किसी अफसर या नेता के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ती। इसमें किसी व्यक्ति का कोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार ने नवम्बर तक पंचायत-निकाय चुनाव नहीं करा पाने के कारण बताये

जयपुर, 13 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव कराने की समय सीमा निर्धारित करने के सम्बंध में राज्य सरकार की ओर से हाईकोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश किया है। प्रार्थना पत्र में नवंबर

- हाई कोर्ट में संयम लोढ़ा की अवमानना याचिका पर सुनवाई आज।

तक चुनाव नहीं करा पाने के कारण बताए गए हैं। वहीं दूसरी ओर, मामले में संयम लोढ़ा की ओर से दायर अवमानना याचिका पर मंगलवार को हाईकोर्ट की खंडपीठ सुनवाई करेगी।

राज्य सरकार की ओर से समय बढ़ाने के लिए दायर प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि प्रदेश में करीब पचास फीसदी आबादी ओबीसी वर्ग की है। ऐसे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब लड़ाई अमेरिका, ईरान के बीच, इज़रायल तो पिक्चर में भी नहीं

क्योंकि जंग होर्मुज़ स्ट्रेट के मसले पर है, जिसे अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय मार्ग मानता है, पर, ईरान इस पर अपने नियंत्रण का दावा कर रहा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जुलाई। संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर खुला युद्ध छिड़ गया है। दोनों पक्ष एक-दूसरे के सैन्य एवं रणनीतिक ठिकानों पर लगातार हमले कर रहे हैं। युद्धरत पक्षों के बीच शांति समझौते और युद्धविराम को लेकर कतर में चल रही वार्ता फिलहाल ठप हो गई है।

पिछले चौबीस घंटों में अमेरिका ने ईरान के अंदरूनी क्षेत्रों में सैन्य हमले किए हैं। वहीं, ईरान का दावा है कि उसने बहरीन, कुवैत और कतर में अमेरिकी सैन्य परिसंपत्तियों को निशाना बनाकर भारी नुकसान पहुंचाया है। ईरान का कहना है कि इन देशों में तैनात कई पैट्रियट वायु रक्षा प्रणालियों को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है। इसके अलावा, तेल भंडारण केन्द्रों और अन्य बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचाया गया है।

पिछले पंद्रह दिनों की घटनाओं पर नज़र डालें तो स्पष्ट होता है कि दोनों पक्षों के बीच एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों पर हमलों में चरणबद्ध तरीके से लगातार वृद्धि हुई है। वर्तमान स्थिति में दोनों देश पूरी ताकत से हमले कर रहे हैं और अमेरिका केवल सैन्य ही नहीं, बल्कि नागरिक ठिकानों पर भी घातक हमले तेज करता दिखाई दे रहा है।

होर्मुज़ स्ट्रेट में अन्य देशों के जहाज़ों पर ईरान के हालिया हमलों के कारण अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों में कार्यरत कई भारतीय नाविकों की मौत हो गई है। भारत के विदेश मंत्रालय ने इन हमलों और भारतीय नाविकों की मृत्यु की कड़ी निंदा करते हुए बयान जारी किया है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि अब यह संघर्ष मुख्य रूप से अमेरिका और ईरान के बीच सीमित हो गया है, जिसमें इज़रायल की प्रत्यक्ष भूमिका दिखाई नहीं दे रही है। टकराव का केन्द्र अब होर्मुज़ स्ट्रेट बन गया है। अमेरिका इसे एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग मानता है, जबकि ईरान इसे अपने राष्ट्रीय नियंत्रण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इसी के चलते, ईरान ने होर्मुज़ स्ट्रेट से गुज़र रहे दो जहाज़ों पर हमला कर दिया। यही नहीं अन्य देशों के जहाज़ों पर ईरान के हमले में कई भारतीय नाविक मारे गए। जिसकी भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ी आलोचना की थी।
- अमेरिका ने अब ईरान के सैन्य संस्थापनों के साथ-साथ नागरिक ठिकानों पर भी हमला शुरु कर दिया है। इसके जवाब मे ईरान ने कतर, बहरीन आदि देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों व तेल के कुओं को निशाना बनाया है।

सीमा के समीप बने ढांचों की जाँच होगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 13 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से 50 किलोमीटर क्षेत्र के भीतर बनाई गई इमारतों को हटाने से संबंधित राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के नोटिस के खिलाफ कई रिट याचिकायें दायर की। इस मामले पर सुनवाई करते हुये न्यायधीश समीर जैन ने आदेश पारित करते हुए कहा कि यह भारत की सीमा और सुरक्षा से संबंधित है और ऐसे

- हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि भारत-पाक सीमा के करीब बने ढांचों को हटाने से संबंधित जाँच हेतु कमेटी बनाई जाए।

मामलों में न्याय से बढ़कर व्यावहारिक तथा और हालात जांचकर कदम उठाने चाहिये। अदालत ने जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और बॉर्डर सिक्यूरिटी फोर्स (बीएसएफ) के प्रतिनिधियों की कमेटियां गठित करने के आदेश दिये हैं। जो सीमावर्ती जिलो में ऐसी संवेदनशील ईमारतों को चिन्हित करे हटाने का कार्य कर सकती है।

उन्होंने कहा कि इस कमेटी के सदस्य देश की सुरक्षा को देखते हुए,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'न्यायधीशों ने अपना फैसला तो सुना दिया है पर उसको लागू करने के लिए अदालत को अधिकारी कहां से मिलेंगे!'

अमरीकी राष्ट्रपति एण्ड्रू जैक्सन ने यह तथाकथित टिप्पणी तब की थी जब अमरीकी सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 1832 में नेटिव अमेरिकन्स के पक्ष में फैसला देते हुए कहा था कि वह अपनी मूल जमीन के मालिक हैं और उन्हें अपनी जमीन से निकाला नहीं जा सकता

- ऐसा ही एक किस्सा राजस्थान हाई कोर्ट के समक्ष उजागर होता हुआ दिख रहा है। यह मामला सांगानेर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट और हल्दीघाटी रोड को जोड़ रही सौ फीट रोड़ से संबंधित है।
- अदालत 2012 के बाद से कई बार आदेश में कह चुकी है कि मूल नक्शे के अनुसार ही सौ फीट रोड बनाई जाए और अतिक्रमणकारियों को हटाया जाए। यही जनहित का कार्य है।
- इन्हीं आदेशों के चलते अदालत ने जेडीए, हाउसिंग बोर्ड और नगर निगम को 2015 में 15 महीनों की मोहलत दी थी अतिक्रमणकारियों को हटाने और निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए। परन्तु, जेडीए द्वारा अतिक्रमण तो नहीं हटाया गया उल्टे अवैध कॉलोनियों को रेगुलराइज़ करने की कार्यवाही अवश्य 2017 तक पूरी कर ली गई।
- हालत यह है कि वर्ष 2025 में भी जेडीए पहले तो निर्माण कार्य पूरा करने के लिए समय मांगता रहा फिर सड़क का अलाइनमेंट बदलने के लिए निर्णय भी ले लिया। अदालत ने इस निर्णय की निंदा की और जेडीए को फटकार लगाई लेकिन फिर तकनीकी कारणों के कारण अदालत को आदेश वापस लेना पड़ा। अब नई अदालत में सुनवाई के बाद जेडीए के सड़क अदालत को रिअलाइनमेंट के फैसले को अनुमति भी दे दी गई।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 13 जुलाई। जब एक मामले पर फैसला सुनाने में कई वर्ष निकल जाए तो ऐसे विलम्बित आदेश से न्याय होता है या फिर सिर्फ कानूनी पेचीदगियां ही बढ़ती है। ऐसा ही एक जनहित से जुड़ा मामला सामने आया, जिसमें अंतिम फैसला सुनाने में अदालत को एक दशक से भी ज्यादा लगा और फिर दिये गये फैसले को कानूनी पेचीदगियों के चलते वापस लेना पड़ा और अंततोगत्वा बिल्कुल ही विपरीत फैसला हुआ।

इससे सवाल उठता है कि अदालत के समक्ष लंबी और गहन सुनवाई के बाद भी न्याय नहीं हो पाता, क्योंकि न्याय करने की प्रक्रिया में ही बहुत देरी होती है और इस देरी से न्याय का कोई अर्थ नहीं रहता।

दरअसल वर्ष 2012 में हाई कोर्ट की एक खंडपीठ के समक्ष एक जनहित याचिका पेश हुई थी। यह जनहित याचिका जयपुर सांगानेर और उसके आसपास की कॉलोनियों के निवासियों द्वारा दायर की गई थी। जनहित याचिका में बड़े ही सीधे- सादे शब्दों में एक मुद्दा उठाया गया था कि सांगानेर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को हल्दीघाटी रोड से जोड़ने के लिए जयपुर के मास्टर प्लान में सौ फीट चौड़ी रोड दर्शायी गई है परन्तु इस सौ फीट चौड़ी रोड का निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया है, क्योंकि सड़क के किनारे और कई कई जगह पूरी सड़क पर ही अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर रखा है। अतः याचिकाकर्ताओं ने अदालत से गुहार की थी कि वो प्रशासन को अतिक्रमण हटाने और सौ फीट रोड़ का निर्माण पूरा करने का आदेश दे। याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया था कि चूंकि सड़क का निर्माण नहीं हुआ है और उसपर अतिक्रमणकारियों का कब्जा है तो न तो उन्हें सांगानेर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का और न ही हल्दीघाटी रोड के लिए रास्ता मिलता है। उन्हें जयपुर टोंक हाईवे का इस्तेमाल करना पड़ता है।

मामले की अलग- अलग हुई सुनवाई के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि उक्त सौ फीट रोड़ का निर्माण मुख्य तौर पर हाउसिंग बोर्ड द्वारा अवाप्त की गई जमीन पर होना था और शेष बचा हुआ 30-40 प्रतिशत हिस्सा जे.डी.ए. द्वारा अवाप्त की गई जमीन पर होना था। हैरानी की बात यह है कि वर्ष 2013 में ही हाउसिंग बोर्ड द्वारा अदालत में माना गया कि सड़क निर्माण के लिए निर्धारित जमीन पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा है और वह पुलिस विभाग को तीन बार पत्र लिख चुका है कि वह अतिक्रमणकारियों को हटाने में बोर्ड की मदद करे। अदालत में इसी समय के आसपास जेडीए कमिश्नर द्वारा भी एक शपथ पत्र पेश किया गया, जिसमें उन्होंने माना कि अजय मार्ग एक्सटेंशन रोड करीबन 1.8 कि.मी. लंबी है और इसके समीप केवल डॉक्टर्स कॉलोनी और शिवपुरी कॉलोनी ही नियमित कॉलोनी हैं, अन्य पांच कॉलोनियाँ अनियमित और गैरकानूनी हैं। उन्होंने कहा कि नक्शे में उक्त सड़क की चौड़ाई सौ फीट दर्शायी गई है परन्तु वास्तविकता में कुछ जगहों पर यह केवल 3.7 मीटर से लेकर 7.5मीटर तक ही रह गई है।

इन सब तथ्यों को जानने के बाद अदालत ने वर्ष 2015 में ही जेडीए को आदेश दिये थे कि वह अतिक्रमणकारियों द्वारा बनाई गई इमारतों को चिन्हित करे और साथ ही हाउसिंग बोर्ड को भी आदेश दिए गए थे कि वह अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करे, परन्तु ज़मीनी स्थिति बदलने और सड़क का अलाइनमेंट बदलने के कारण अदालत में तोड़ -फोड़ की कार्यवाही रोकने के लिए कई याचिकाएं दायर की गई।

मामले की पेचीदगियों को देखते हुए अदालत ने 2015 में महाधिवक्ता से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी थी। अदालत ने यह भी आदेश दिए थे कि जेडीए, हाउसिंग बोर्ड, नगर निगम और शहरी विकास विभाग मीटिंग कर इस समस्या को सुलझाएं और एक एक्शन प्लान तैयार करें। अदालत ने जेडीए को अलग से यह आदेश भी दिए थे कि वह सड़क के अलाइनमेंट बदलने के मुद्दे पर कार्य करे और 15 महीने में सड़क निर्माण का कार्य पूरा करे। दूसरी ओर उन कॉलोनियों के निवासियों द्वारा अदालत में याचिका पेश कर सड़क के अलाइनमेंट को बदलने की गुहार की गई थी, क्योंकि घरों व दुकानों के निर्माण कर लिये गये थे और उनमें से कइयों के पास पंचायत के पट्टे थे।

हैरानी की बात है कि वर्ष 2017

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दुरात्मा के लिए देश भक्ति अंतिम शरण है। - जॉन्सन

आंकड़ों की सच्चाई से सरकार क्यों घबराई?

आज हम सरकार का मूल्यांकन केवल आरोपों-प्रत्यारोपों के आधार पर करने के बजाय, ठोस आंकडों के आधार पर करने का प्रयास करेंगे, जिनमें से कई स्वयं सरकार के अपने ही आंकडे हैं। हमें यह समझना होगा कि हम कितना ही स्वयं का गुणगान कर लें, आत्म मुग्ध हो जाएं, बड़े-बड़े विज्ञापन छपवा लें, होर्डिंग लगवा लें, किंतु सच्चाई तो उन आंकडों से ही प्रकट होती है जो धरातल से एकत्रित किए जाते हैं। इस लेख में हम ऐसे ही कुछ आंकड़ों की बात करेंगे जो हमें सच्चाई से रूबरू कराते हैं।

गत कई वर्षों से प्रधानमंत्री मोदी एवं सत्ताधारी दल के नेता लगातार यह दावा करते रहे हैं कि भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में बहुत सुधार हुआ है और भारत बहुत तेजी से प्रगति कर रहा है। अन्य देश भारत को बहुत आदर के साथ देखने लगे हैं।

किसी भी देश की अंतरराष्ट्रीय ताकत कितनी है या उसके बारे में अंतरराष्ट्रीय जगत का क्या दृष्टिकोण है, यह परिलक्षित होता है उस देश के पासपोर्ट की ताकत से। इस ताकत को नापा जाता है "ग्लोबल पासपोर्ट इंडेक्स" से। इस सूचकांक में भारतीय पासपोर्ट की वर्तमान रैंकिंग विश्व में 125वें स्थान पर है जबकि यह 2014 में 76वें तथा 2021 में 90वें स्थान पर थी। स्पष्ट है, भारतीय पासपोर्ट 2014 से लगातार कमजोर होता जा रहा है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारतीयों को लगभग सभी देशों में जाने के लिए वीज़ा की आवश्यकता होती है। उल्लेखनीय है कि घाना, नामीबिया और ट्यूनीशिया जैसे देशों की पासपोर्ट रैंकिंग भी भारत से बेहतर है। सरकार को इस सच्चाई को स्वीकार करना चाहिए कि भारत की रैंकिंग खराब हो रही है और यहां के नागरिकों के लिए बाहर जाना अधिक कठिन हो रहा है। इससे यहां के लोगों के अवसर भी कम हुए हैं।

भारतीयों के न्यूजीलैंड जाने के वीज़ा प्रार्थना पत्रों में से लगभग 25 प्रतिशत अस्वीकार कर दिए जाते हैं। इसी प्रकार ऑस्ट्रेलिया के वीज़ा प्रार्थना पत्र में से 15 प्रतिशत खारिज हो जाते हैं। शायद यही कारण है कि कई भारतीय दंपति अमेरिका में जाकर बच्चों को जन्म देते हैं ताकि वे अमरीकी पासपोर्ट के साथ बडे हों और उनके लिए भविष्य में विभिन्न देशों की यात्रा करना अधिक सुलभ और सुगम हो सके। पासपोर्ट रैंकिंग में विश्व में 125 नंबर पर गिरकर,भारत विश्व गुरु बनने के रास्ते पर अग्रसर है, इस पर विश्वास करना थोडा कठिन है। सरकार को इस सच्चाई को स्वीकार करते हुए इस दिशा में उपयुक्त कदम उठाने की आवश्यकता है। किसी भी देश की समृद्धि का पैमाना केवल उसकी जीडीपी नहीं होता है क्योंकि जीडीपी तो जनसंख्या पर निर्भर करती है। भारत के लोगों की प्रति व्यक्ति आय लगभग 22000 रुपए प्रति माह है। यह भारत के सभी राज्यों में बहुत असमान है। जहां दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय 50000 महीने है, वहीं बिहार में यह 7700 प्रतिमाह है। "अपर मिडल इनकम ग्रुप" में भारत के केवल पांच राज्य आते हैं जिनकी वार्षिक प्रति व्यक्ति आय 450000 रुपए से अधिक है। ये राज्य हैं- दिल्ली, तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक और गुजरात। यदि सबसे कम प्रति व्यक्ति आय वाले राज्यों जैसे बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड आदि से तुलना करें तो स्पष्ट होता है कि भारत के राज्यों में ही कितनी असमानता है? जिन राज्यों में शिक्षा और स्वास्थ्य पर अधिक व्यय किया गया और जहां पर आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ किया गया, वहां पर निवेश भी हुआ और रोजगार के अवसर भी बढ़े। कुछ राज्यों की प्रति व्यक्ति आय इतनी कम है कि इन प्रदेशों के लिए देश की प्रगति का कोई अर्थ नहीं है।

जिन राज्यों ने अपनी जनसंख्या पर प्रभावी नियंत्रण किया, उनकी समृद्धि भी बढ़ी। दिल्ली में "टोटल फर्टिलिटी रेट" केवल 1.9 है जबकि यही बिहार में 2.9 और उत्तर प्रदेश में 2.6 है। उल्लेखनीय है कि टी एफ आर 2.1 होने पर जनसंख्या स्थिर हो जाती है। जनसंख्या तेजी से बढ़ाने वाले राज्यों का प्रतिनिधित्व संसद में परिसीमन के पश्चात अधिक हो सकता है, क्योंकि यह संख्या जनसंख्या पर आधारित होती है। यदि यही क्रम चलता रहा, तो शीघ्र ही किसी भी राजनीतिक दल के लिए केवल उत्तर भारत के राज्यों के समर्थन के आधार पर ही बहुमत प्राप्त करके देश की सरकार बनाना संभव हो जाएगा। यह एक प्रकार से उन राज्यों को सजा देने जैसा होगा जिन्होंने तेजी से प्रगति की तथा शिक्षा और स्वास्थ्य पर अच्छा काम किया। क्या सरकार इस सच्चाई को स्वीकार कर सकती है कि देश में असमानता पहले से कहीं अधिक बढ़ी है? न केवल यह, देश की संपत्ति का केंद्रीकरण कुछ ही में परिवारों में सीमित होकर रह गया है। देश के 1 प्रतिशत लोगों के पास कुल राष्ट्रीय संपत्ति का 40 प्रतिशत है जबकि निचले 50 प्रतिशत के पास कुल 3 प्रतिशत है। यह प्रतिशत पहले से और घटता जा रहा है। अमीर और अधिक अमीर होते जा रहे हैं तथा गरीब और गरीब होते जा रहे हैं। यह बात कभी भी सरकार के द्वारा स्वीकार नहीं की जाती। केवल यह बताया जाता है कि कितनी जगह मेट्रो बन गई, चमचमाते स्टेडियम औय बुलेट ट्रेन बना दी गई।

यदि हम 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होना चाहते हैं और वास्तव में विश्व गुरु कहलाने के अधिकारी बनना चाहते हैं तो वर्तमान सच्चाई को स्वीकार करना बहुत आवश्यक है।

वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स में भारत की स्थिति 116 नंबर पर है। प्रेस की स्वतंत्रता के सूचकांक पर 151 नंबर पर है तथा "करप्शन परसेप्शन इंडेक्स" में भारत की स्थिति 96 नंबर पर है। इन स्थितियों के रहते हुए यह संभव नहीं है कि हम विकसित भारत या विश्व गुरु का तमगा लेकर घूमते रहें।

यदि हम 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होना चाहते हैं और वास्तव में विश्व गुरु कहलाने के अधिकारी बनना चाहते हैं तो वर्तमान सच्चाई को स्वीकार करना बहुत आवश्यक है। वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स में भारत की स्थिति 116 नंबर पर है। प्रेस की स्वतंत्रता के सूचकांक पर 151 नंबर पर है तथा "करप्शन परसेप्शन इंडेक्स" में भारत की स्थिति 96 नंबर पर है। इन स्थितियों के रहते हुए यह संभव नहीं है कि हम विकसित भारत या विश्व गुरु का तमगा लेकर घूमते रहें।

सरकार द्वारा आंकडों के सच का सामना करने से डरने की प्रवृत्ति तो इसी से स्पष्ट होती है कि सन 2011 के बाद कोई जनगणना देश में नहीं कराई गई है। उल्लेखनीय है कि 1881 में देश में पहली बार जनगणना अंग्रेजों के समय में हुई थी और तब से लगातार प्रति 10 वर्ष में ऐसा होता रहा है। यह पहली बार है जब 15 साल तक अभी तक कोई जनगणना नहीं हो पाई है। अब जो जनगणना प्रारंभ की गई है वह 1 मार्च 2027 के आधार पर होगी। इसका अर्थ यह है कि गत जनगणना के बाद से जिन बच्चों ने जन्म लिया है वे बड़े होकर, स्कूल की पढ़ाई पूरी करके कॉलेज में पहुंच गए हैं और उनके बारे में कोई जानकारी सरकार को उपलब्ध नहीं है। अभी तो यह भी नहीं पता कि देश की जनसंख्या वास्तव में कितनी है, 130,140 या 150 करोड़? सब कुछ केवल अनुमान पर आधारित है। किसी प्रकार की आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। किसी भी देश के लिए जनगणना ही योजनाएं बनाने का आधार होती है। यह देश के लोगों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति का विवरण स्पष्ट करती है। सरकार क्यों लगातार जनगणना करने से अब तक बचती रही है? यह सरकार आंकड़ों की सच्चाई का सामना नहीं करना चाहती वरना जब कोविड में चुनाव कराए जा सकते हैं तो जनगणना क्यों नहीं?

आंकड़ों के पीछे के सच को स्वीकार करना ही सुधार का रास्ता हो सकता है। यह वैसा ही है जैसे दरी के नीचे की गंदगी को नहीं देखने से सफाई नहीं हो जाती। सरकार द्वारा आंकड़ों को स्वीकार करने से बचने की प्रवृत्ति देश के हित में नहीं है, न यह देश की योजना बनाने के लिए सही है। सरकार के पास जब तक वास्तविक आंकडे ही नहीं होंगे तब तक यह कैसे तय होगा कि कहां कितने विद्यालय, अस्पताल या परिवहन के साधन चाहियें और कितने लोगों को नौकरी चाहिए? बेरोजगारी बहुत तेजी से बढ़ रही है और वर्तमान शिक्षा व्यवस्था लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने में सफल नहीं हो पा रही है।

यह भी कहा जा रहा है कि सरकार जनगणना के आंकडों को भी तोड़मरोड़ कर इक्ट्ठा करना चाह रही है। प्रगणकों को यह कहा जा रहा है कि वे परिवार के पास शौचालय होना मान लें, यदि शौचालय बना हुआ है, चाहे वह काम में नहीं आ रहा हो। इसी प्रकार कोई परिवार यदि पड़ोस के किसी शौचालय अथवा किसी सार्वजनिक शौचालय का उपयोग कर रहा है, तब भी यह माना जाएगा कि परिवार के पास शौचालय है। इस प्रकार से गलत आंकड़े इकट्ठे करके जो योजना बनेगी, उस पर हमेशा प्रश्न चिन्ह ही लगा रहेगा।

आंकड़ों को बारीकी से जब तक नहीं देखा जाएगा, तब तक असली स्थिति सामने नहीं आएगी। सरकार ने पहले यह कहा था कि 100 प्रतिशत गांव विद्युतीकृत हो चुके हैं, तो वास्तविकता यह थी कि उस समय भी देश में 3.30 करोड़ परिवार ऐसे थे जिनके पास विद्युत कनेक्शन नहीं था। जब तक घर के अंदर बिजली का कनेक्शन नहीं हो तब तक गांव के विद्युतीकृत होने का कोई अर्थ नहीं है। इसी प्रकार जब तक स्वयं के परिवार में उपयोग में आने योग्य शौचालय नहीं हो तब तक परिवार को शौचालय वाले परिवार की श्रेणी में रखना सही नहीं होगा।

शिक्षा और स्वास्थ्य के आंकड़ों की भी लगभग यही स्थिति है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग सभी बालक-बालिकाएं विद्यालय में नामांकित हैं। नामांकित होने से कोई बच्चा शिक्षित नहीं हो जाता, यह बात सरकार के अधिकारियों को पता है लेकिन आंकड़ों के पीछे की सच्चाई को मानना नहीं चाहते। आज भी 4.74 करोड़ बच्चे शिक्षा के आलोक से वंचित हो रहे हैं। इसी प्रकार लाखों व्यक्ति स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित होने के कारण कुपोषित भी हो रहे हैं तथा मौत का शिकार भी हो रहे हैं।

कुछ वर्षों पहले नेशनल सैंपल सर्वे ऑर्गेनाइजेशन के मुखिया को केवल इसलिए हटा दिया गया था कि उन्होंने सरकार के लिए असुविधाजनक आंकडे सार्वजनिक कर दिए थे। क्या आंकड़ों को रोकने से या उसके पीछे की सच्चाई को स्वीकार नहीं करने से वास्तविकता बदल जाएगी? आवश्यकता इस बात की है कि सच्चाई से घबराने और उससे दूर भागने के बजाय उनका सामना किया जाए और तदनुसार योजना बनाई जाए ताकि जो कमी है, उसको दूर करने के लिए ठोस प्रयास किए जा सकें। जब उन कमियों को स्वीकार ही नहीं किया जाएगा तो फिर उनको दूर करने के लिए प्रयास करने की बात तो दूर की है।यदि इसी प्रकार से सरकार सच को स्वीकार करने से बचती रही और आंकडे सार्वजनिक करने से भी बचती रही तो वह सही दिशा में योजनाएं बनाने का काम नहीं कर सकती।

बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षणों को सरकार, भारत के विरुद्ध साजिश बता कर उन आंकड़ों को नकारने का प्रयास करती है। होना तो यह चाहिए कि यदि सरकार को ये आंकड़े अच्छे नहीं लग रहे हैं तो अपने आंकडे एकत्र करें और उन्हें सार्वजनिक करें ताकि लोग पता कर सकें कि सरकार के आंकड़े कितने सही हैं? सरकार ऐसा करना नहीं चाहती, यही तो समस्या है।

आशा की जानी चाहिए कि जनगणना में लगे प्रगणकों को ईमानदारी से वास्तविक स्थिति पता करने के लिए कहा जाएगा न कि बनावटी आंकड़े एकत्र करने के लिए।

ऐसा होने के बाद ही सरकार देशवासियों के लिए सही प्रकार की योजनाएं बनाने में सक्षम हो पाएगी। तब, शायद असमानता को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा और भारत की प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय जगत में बढ़ाने की दिशा में सही कदम उठाए जा सकेंगे। कुल मिलाकर, आवश्यकता इसी बात की है कि सरकार सच्चाई का सामना करने का साहस करे। यही उसके और देशवासियों के हित में है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

कह कबीर कैसे निभे...

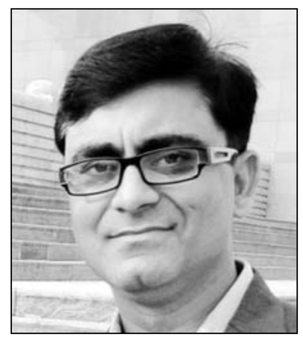

अनुराग शुक्ला

बंगाल में टीएमसी की हार ने कांग्रेस का हौसला बढ़ा दिया है। कांग्रेस इंडिया ब्लॉक के भीतर अपनी स्थिति को फिर से परिभाषित करने का प्रयास कर रही है।

"कह कबीर कैसे निभे बेर-केर के संग
वे डोलत मन आपने, उनके फाटत अंग"।

वैसे तो कबीरदास जी ने कई सौ साल पहले एक ऐसी बात लिखी थी जो शत प्रतिशत सही है पर राजनीति में सोलह आने सच्ची बात भी हमेशा पूरी तरह सच नहीं हो सकती है। उत्तर प्रदेश की सियासत में कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस एक दूसरे के साथ भी आने को तैयार हैं पर सियासी तौर पर एक-दूसरे को तौल भी रहे हैं। गठबंधन की तरफ जाते भी दिख रहे हैं और रास्ते में दोनों पार्टियों के बयानों के स्पीड ब्रेकर भी कई सारे हैं।

हाल में ये ही बात तब और बढ़ी जब उत्तर प्रदेश के नए नए प्रभारी बने राजेंद्र पाल गौतम ने लखनऊ आते ही सियासी बयान का गोला दाग दिया। उन्होंने हिस्सेदारी बराबरी की होने की बात की। इसके जवाब में समाजवादी पार्टी ने उनके बयान को राजनीतिक पहचान बनाने कोशिश कहकर अनसुना कर दिया। वैसे राजेंद्र पाल गौतम सिर्फ बातें नहीं कर रहे हैं, उनकी सियासत के कई पहलू हैं। राजेंद्र गौतम वो नेता हैं जो बिना किसी पूर्व सूचना के सांसद तनुज पुनिया के साथ मायावती के घर उनसे मिलने पहुंचे थे। हालांकि मायावती ने उन्हें मिलने नहीं दिया था, जिसके बाद कांग्रेस ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया था। उस दौरान भी चर्चा उड़ी थी कि राजेंद्र और तनुज गठबंधन का प्रस्ताव लेकर मायावती के पास पहुंचे थे। अब राजेंद्र गौतम को ही यूपी का प्रभारी नियुक्त कर दिया गया है।

पहले कारण बताओ नोटिस और कुछ ही दिन में यूपी जैसे सबसे महत्वपूर्ण राज्य का प्रभारी बनना संकेत दे रहा है कि गौतम का ये बयान सिर्फ सुर्खियों में रहने की कवायद भर नहीं हे। वैसे ये पहली बार नहीं है कि कांग्रेस ने बराबरी का हक मांगा है। इससे पहले कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद सभी सीटों पर तैयारी और बराबरी की बात कर चुके हैं। उन्होंने तल्ख अंदाज में कहा था हम समाजवादी पार्टी से भीख नहीं मांगते हैं कि वे हमें कितनी सीट देंगे, बराबरी पर बात होगी। समाजवादी पार्टी कौन है हमें सीट देने वाली, हम कोई भीख नहीं मांग रहे हैं। विधानसभा चुनाव के लिए कांठोस की तैयारी पूरी है। पश्चिम बंगाल में ममता के साथ जो हुआ उसकी सीख सबको लेनी चाहिए।

दअसल बंगाल में टीएमसी की हार ने कांग्रेस का हौसला बढ़ा दिया है। कांग्रेस इंडिया ब्लॉक के भीतर अपनी स्थिति को फिर से परिभाषित करने का प्रयास कर रही है। सीटों के समान बंटवारे की सार्वजनिक घोषणा करके वह संकेत दे रही है कि वह अब उत्तर प्रदेश में सिर्फ एक जूनियर पार्टनर के तौर पर अपनी पहचान बदलना चाहती है पार्टी लोकसभा चुनावों के बाद संगठन को मजबूत बना रही है और बराबरी का दर्जा मांग रही है वैसे भी यूपी कांग्रेस का गढ़ रहा है।

ये बात और है कि आज उसके पास सियासी जमीन नहीं है। ऐसे में माना जा रहा है कि वो 170 सीटों तक की मांग कर सकती है जबकि सपा 60-80 सीटें देने का मन बना रही है। सपा के पास पीडीए का समीकरण और संगठन की ताकत है तो कांग्रेस ग्रांड ओल्ड पार्ट का लेबल लेकर चल रही है। मायावती के घर जाने की कोशिश कर कांग्रेस ने संदेश दे दिया है कि यूपी में सिर्फ सपा के भरोसे नहीं है।

सपा को पता है कि कांग्रेस के नेता चाहे जो बोल लें आखिरी फैसला हाईकमान लेगा। इसलिए अखिलेश ने चुप्पी साध ली है। उन्हें पता है कि बातचीत की टेबल पर आंकड़े उनके पक्ष में हैं। कांग्रेस यूपी में 37 साल से सत्ता में नहीं है। हर चुनाव में उसकी हालत पतली ही होती गयी है। यूपी में 1989 में कांग्रेस जब सत्ता से बाहर हुई तो 425 सीटों में से सिर्फ 94 सीटें ही जीत पाई। फिर 1991 में 419 में से सिर्फ 46, 1993 में 422 में से सिर्फ 28, 1996 में 424 में से सिर्फ 33, 2002 में 403 में से सिर्फ 25, 2007 में 403 में से सिर्फ 22, 2012 में 403 में सिर्फ 28, 2017 में 403 में सिर्फ सात और 2022 में 403 में से सिर्फ दो सीटें ही जीत सकी है। वो भी ऐसी जो नेताओं ने व्यक्तिगत तौर पर जीती थीं। ऐसे में अखिलेश चुप हैं बेवजह के बयान नहीं देना चाहते। सीट की जगह जिताऊ प्रत्याशी की बात करते हैं।

यूपी में कांग्रेस के अच्छे दिनों में उसको दलित, पिछड़ा और ब्राह्मणों का सपोर्ट था पर ये कहानी पुरानी है। नई कहानी है कि पिछड़ा और दलित वोटों मे अखिलेश भी विस्तार चाहते हैं तभी तो पीडीए की राजनीति कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस को भी अपने परंपरागत दलित वोटर तक पहुंचना है। कांग्रेस का विस्तार सपा के वोटों के मूल्य पर होगा। पर इस समय सपा को चिंता वोट की नहीं 10 साल से सत्ता में बैठी भाजपा की है। इससे भी बढ़कर यूपी में 2024 की सफलता को अगर सपा दोहराती है तो इंडी गठबंधन में अखिलेश का रुतबा बढ़ेगा, कद बढ़ेगा। ये बात कांग्रेस को भी पता है। राहुल गांधी आम तौर पर अपने से बड़ा किसी और का सियासी कद बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। यही वजह है कि बराबरी के बंटवारे की बात हो रही है।

सपा गठबंधन तोड़ना नहीं चाहती, ऐसे में ये भी हो सकता है कि सपा 80 सीटें कांग्रेस को दे और 20-30 सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशी अपने सिंबल पर उतार दे। अखिलेश को ये फार्मूला बहुत भाता है। सपा संयमित है क्योंकि उसकी लड़ाई अभी भाजपा से है, कांग्रेस व्याकुल है क्योंकि उसको यूपी की सियासी जमीन चाहिए। अभी ये तो तय माना जा रहा है कि दोनों पार्टियां मिलकर ही चुनाव मे ताल ठोकेंगी पर दोनों को पता है कि-

मिले हैं हाथ तो अब साथ चलना लाज़मी है,
मगर यहाँ कोई भी समझौता मुफ़्त का नहीं होता।

–अनुराग शुक्ला,
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

भक्ति संगीत के शिखर पुरुष भजन गायक "रामचंद्र गोयल"

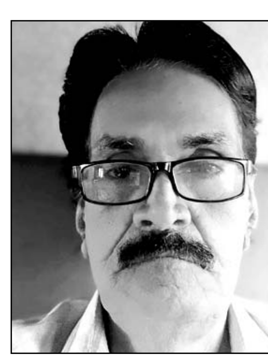

मिश्रीलाल पंवार

भक्ति संगीत की दुनिया में उच्च कोटि के गायक के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले जोधपुर के भजन गायक रामचंद्र गोयल आज किसी परिचय के मोहताज नहीं है। देश के महान भजन गायकों में उनकी एक अलग ही पहचान है। बचपन में वे अपनी माता जी को पूजा पाठ के दौरान भजन गाते देखते तो बाल मन सोचता, काश वे भी इतना अच्छा गा पाते। शायद माता जी की इसी विरासत के चलते उन्होंने आगे चलकर इतना ऊंचा मुकाम हासिल किया। उन्होंने सबसे पहले स्कूल में भजन गायन शुरू किया। बाद में कड़ी मेहनत तथा साधना से उन्होंने देश के उच्च कोटि के भजन गायको में अपना स्थान बना लिया।

जोधपुर के पावटा, पोलो में रहने वाले श्री रामचन्द्र गोयल का जन्म जोधपुर से करीब चालीस किलोमीटर दूर मथानियाँ गाँव में 02 नवम्बर 1936 को पीपा क्षित्रय समाज के एक साधारण परिवार में हुआ। पिताजी सिलाई का काम करते थे। छह भाई-बहनो में वे सबसे छोटे थे। बाल्यावस्था की छोटी उम्र में ही माँ के द्वारा आराधना स्वरूप सुबह-शाम गाये जाने वाले भजनों को सुनते तो भाव विभोर हो जाते। मन करता, काश वे भी इतना सुरीला भजन गा पाते। मां के कारण बचपन से ही भजन के प्रति गहरा लगाव हो गया। धीरे-धीरे गांव की स्कूल में भजन गाने शुरू किए। लोगों से सराहना मिली तो भजन के प्रति लगाव बढ़ता ही गया। अपनी प्रारम्भिक शिक्षा गाँव में पूरी करने के बाद जोधपुर में आ गए। सम्पूर्ण शिक्षा पूरी कर गृहस्थी चलाने के लिए बिजली विभाग में बाबू की नौकरी कर ली। इसके साथ ही सुबह-शाम भक्ति संगीत की साधना में लगे रहे। भारतीय संगीत के पंडित हुकमदास जी व वी.एन.क्षीरसागर जी से संगीत की शिक्षा प्राप्त कर संगीत विशारद की डिग्री ली। तड़के चार बजे उठ कर संगीत की साधना में जुट जाते।

धीरे-धीरे भक्ति संगीत के क्षेत्र में इन्होंने अपनी अलग ही पहचान बना ली। जब वे मंच से भजनों की सरिता बहाते तो सुनने वाले झूम उठते। उनकी आवाज में ऐसा जादू था कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो जाते। अपनी माताजी के बाद उल्हासनगर (बंबई) की पूज्य माताजी हरवंश नांगिया के सान्निध्य एवं प्रेरणा से आपके मन में संगीत एवं भजनों के प्रति गहरी रुचि जागृत हुई, जिसने आगे चलकर आपके जीवन को पूर्णतः भक्ति संगीत की साधना के मार्ग पर अग्रसर किया।

राजीव गांधी के निधन के बाद उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर दिल्ली में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में इनका भक्ति संगीत का कार्यक्रम रखा गया। इस भक्ति संगीत कार्यक्रम में कई केन्द्रीय मंत्री तथा प्रदेशों के मुख्यमंत्री के साथ देश की सभी प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं। उस दिन उन्होंने जोधपुर का जो मान बढाया, उसकी धमक आज भी दिल्ली की फिजाओं में गूंजती है। आपने आकाशवाणी जयपुर में लगभग 18 वर्ष तथा आकाशवाणी जोधपुर में लगभग 26 वर्षों तक भजनों की प्रस्तुतियाँ दीं। वर्ष 1982 में दूरदर्शन के उपग्रह (सैटेलाइट) प्रसारण में आपकी प्रस्तुति हुई। इसके अतिरिक्त दूरदर्शन जयपुर, सीपीसी नई दिल्ली तथा जैन चैनल पर भी आपके भजनों का प्रसारण हुआ। वर्ष 1997 में सीपीसी नई दिल्ली से भी दो बार आपकी प्रस्तुति प्रसारित हुई। देश की जानी-मानी कैसेट्स कंपनियों ने इनके भजनों के कैसेट्स बनाए।

रामचंद्र गोयल ने देश के सभी महानगरों में अपनी भक्ति संगीत साधना का लोहा मनवाया। मीरा बाई की जन्मस्थली मेड़ता में भाद्रपद पवित्रा एकादशी को हर वर्ष आयोजित होने वाले मीरां महोत्सव में वर्षों से भजनों की प्रस्तुति देते रहे है। आप दिल्ली दूरदर्शन पर अपनी गायन प्रतिभा से विशिष्ट स्थान बनाने में कामयाब रहे हैं। इनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर जैन टी.वी. चैनल ने लगातार साल भर तक आपके भजनों से ही प्रभात कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। आपने सन् 1965 से लेकर 2009 तक लगातार जयपुर व जोधपुर आकाशवाणी के माध्यम से राजस्थानी, हिन्दी में भक्ति संगीत कार्यक्रमों में अपनी आवाज का जादू बिखेरा। आप द्वारा गाई 'हैलीयां' ने इनको खूब प्रसिद्धि दिलाई। लोकदेवता बाबा रामदेव, संत तुलसी दास, सूरदास, मींरा बाई, कबीरदास जी, भक्त रैदास जी, संत पीपा आदि जैसे महान संतों की भक्ति रचनाओं को अपने गायन में शामिल किया।

मेहरानगढ़ ट्रस्ट द्वारा प्रसारित जोधपुर के पूर्व महाराजा मानसिंह के भजनों की तीन कैसेटों में भी आपने स्वर दिया। मंदिर, शिवालय, रात्रि जागरण, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन पर वर्षों तक भजनों की प्रस्तुतियां दी। पिछले 50 वर्षों से भी ज्यादा समय से रामायण पाठ, भजन और विभिन्न पदों के गायन से पूरे राजस्थान में अतिलोकप्रियता हासिल की।

गोयल ने सम्पूर्ण राजस्थान ही नहीं, कलकत्ता, दिल्ली, मुम्बई, इन्दौर, अहमदाबाद आदि बड़े शहरों में भजन गायन की स्वर लहरियां बिखेर कर लाखों को मंत्रमुग्ध किया। आपको कई वर्षों तक स्वामी रामसुखदास जी महाराज के सानिध्य में भजन गाने का अवसर मिला। उन्होंने संस्कृत हिन्दी, पंजाबी तथा राजस्थानी में गायकी को एक समान स्थान दिया। वे मीरा के भजन, **"सांवरिया अरज मींरा री सुण रे"** तथा **"मैं जाण्यौ नाही, हरि सूं मिलण कैसे होय..।"** की स्वरलहरियां बिखेरते तो सुनने वालों की आंखों से आंसुओं की धारा बह निकलती। परम पूज्य स्वामी रामसुखदास जी महाराज की प्रेरणा एवं कृपा से रामचन्द्र गोयल ने अपने निवास पर ही संपूर्ण "श्रीरामचरितमानस"का सस्वर पाठ रिकॉर्ड किया। इस महान कार्य को पूर्ण होने में लगभग तीन वर्ष का समय लगा तथा संपूर्ण रिकॉर्डिंग घर पर ही सम्पन्न हुई। वर्ष 1981 में स्वामी रामसुखदास महाराज के सान्निध्य में कोलकाता, बीकानेर एवं मुंबई में संपूर्ण "श्रीरामचरितमानस" के पारायण का वाचन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

हालांकि वे गृहस्थ जीवन में रहे,मगर लोग उन्हें एक संत के रूप में ही देखते हैं। आज भी गणमान्य लोग उनके दर्शन की अभिलाषा से उनके घर जाते हैं तो चरण छूकर आशीर्वाद लेना नहीं भूलते। स्वामी रामसुखदास जी के सानिध्य में रहकर अपने भजनों व रामचरित मानस को स्वर दिया। स्वामी जी के अलावा देश के नामी-गिरामी संतो व भजन गायकों से गहरा सम्पर्क रहा जिनमें ईश्वरानंद जी, सत्यमित्रानंद जी, अभयराम जी महाराज प्रमुख है।

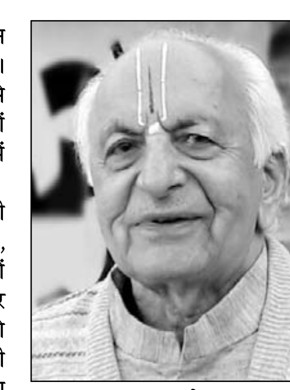

रामचंद्र गोयल

राष्ट्रदूत संवाददाता से बातचीत करते रामचन्द्र गोयल कहते हैं उन पर सर्वाधिक प्रभाव संतों के जीवन से पड़ा है। प्रोत्साहन के बारे में पूछने पर कहते है कि भगवान का प्रोत्साहन ही मुख्य रूप से रहा। रामचंद्र गोयल अपनी समस्त उपलब्धियों का श्रेय अपने आराध्य भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण जी, हनुमान जी तथा अपनी माँ एवं स्वामी रामसुखदास जी महाराज की असीम कृपा को देते हैं। उनका मानना है कि इन्हीं की कृपा से उनका मानव जीवन सफल हुआ। नब्बे वर्ष की उम्र में भी पढ़ने की आदत नहीं छोड़ी है। आज भी वे स्वाध्याय करते हैं। गोयल खुद भजन लिखते भी हैं। अब तक करीब सौ भजन लिख चुके हैं।

-मिश्रीलाल पंवार,
लेखक जोधपुर के वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ग्रामीण सेवा शिविर में लोगों की मिल रही राहत

बूंदी, (निसं)। आमजन को राहत पहुंचाने की दिशा में शुरू किए गए ग्रामीण सेवा शिविरों से ग्रामीणों को निरंतर राहत मिल रही है। ग्राम पंचायत घाट का बराना में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में दो किसानों की कृषि भूमि के बंटवारे का वर्षों पुराना मामला मौके पर ही हल कर दिया गया। ग्राम बलदेवपुरा निवासी किसान ओमप्रकाश और मानसिंह अपनी 1.73 हेक्टेयर कृषि भूमि के खाता विभाजन को लेकर काफी समय से परेशान थे। राजस्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाने और भूमि के स्पष्ट बंटवारे के लिए उन्हें दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे थे। ग्राम पंचायत घाट का बराना में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में दोनों किसान अपनी समस्या लेकर पहुंचे। मौके पर मौजूद तहसीलदार और नायब तहसीलदार ने मामले की गंभीरता को समझा और कार्रवाई करते हुए सभी प्रक्रिया पूरी की और भूमि के खाता विभाजन को स्वीकृत कर दिया। भूमि का बंटवारा होते देख किसान ओमप्रकाश और मानसिंह ने राहत की सांस ली। उन्होंने शिविर में मिले समाधान के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

वहीं जिले के हिण्डोली उपखंड क्षेत्र की रोशंदा पंचायत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 सीता देवी के लिए राहत लेकर आया। रोशन्दा निवासी सीता देवी अपनी विधवा पेंशन के लिए परेशान थीं और पेंशन के लिए शिविर में पहुंची। शिविर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के प्रतिनिधि ने उनकी समस्या सुनी। शिविर में बिना किसी देरी के, राज एसएसपी एप के का उपयोग कर, मात्र 1 मिनट के भीतर सीता देवी की पेंशन को मंजूरी मिल गई। पेंशन की स्वीकृति मिलने पर सीता देवी की आँखों में खुशी के आंसू थे। शिविर में मिली राहत के लिए उन्होंने राज्य सरकार का आभार जताया।

राशिफल मंगलवार 14 जुलाई, 2026

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, मंगलवार, विक्रम संवत 2083, पुनर्वसु नक्षत्र रात्रि 12:10 तक, व्याघात योग दिन 11:57 तक, नाग करण दिन 3:14 तक, चन्द्रमा आज सायं 6:49 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-वृष, बुध-मिथुन, गुरू-कर्क, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज कुमार योग दिन 3:14 से रात्रि 12:10 तक है। आज आषाढ़ी अमावस्या, देवपितृकार्य अमावस्या और सोमवती अमावस्या है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:09 से 10:51 तक, लाभ-अमृत 10:51 से 2:14 तक, शुभ 3:56 से 5:38 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:46, सूर्यास्त 7:19

मेष

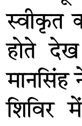

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से संपन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

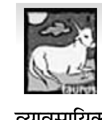

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि हो सकती है। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा।

सिंह

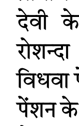

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित उचित सफलता मिल सकती है।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला

धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

धनु

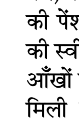

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आज परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

पेपर लीक के खिलाफ 'गूंज मैराथन' में युवा सड़कों पर उतरे

पांच किमी मैराथन में हजारों युवाओं ने हिस्सा लिया

जयपुर। देशव्यापी पेपर लीक की गंभीर समस्या के खिलाफ सोमवार को जयपुर में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई द्वारा छात्रों की गूंज मैराथन का विशाल आयोजन किया गया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की अगुवाई में आयोजित इस मैराथन में हजारों की संख्या में छात्र और युवा सड़कों पर उतरे।

युवाओं के मुद्दों, विशेषकर पेपर लीक के खिलाफ लगातार प्रखर आवाज उठाने वाले जूली ने इस दौरान केंद्र और राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों पर तीखा प्रहार किया। यह दौड़ राजस्थान यूनिवर्सिटी के मुख्य द्वार से शुरू होकर ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल पर संपन्न हुई। इस मैराथन में हुजूम उमड़ पड़ा जो इस बात की तस्दीक करता है कि आज युवा नीट समेत देश में भाजपा राज में हो रहे पेपरलीक से बेहद आक्रोशित है।

मैराथन के समापन पर उपस्थित जनसमूह और युवाओं को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जोश भरते हुए कहा कि इतिहास गवाह है, जब-जब युवाओं ने कुछ तय किया है, तब-तब देश और प्रदेश में बड़ा परिवर्तन आया है। उन्होंने नारा देते हुए कहा, "जब-जब युवा बोला है, राजसिंहासन डोला है।"

जूली ने पेपर लीक के कारण अवसाद में आकर जान गंवाने वाले मासूम छात्रों का मुद्दा उठाते हुए सत्तापक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि आज सरकार ने अति कर रखी है; देश में 22-22 बच्चे सुसाइड कर चुके हैं, लेकिन भाजपा का एक भी नेता इन पीड़ित परिवारों के आंसू पोंछने तक नहीं गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पूरे देश के युवा धर्मेंद्र प्रधान से नैतिकता के आधार पर इस्तीफे की मांग कर रहे थे, पर इस्तीफा तो तब दिया जाए जब नैतिकता बची हो। इन लोगों की आंखों का पानी पूरी तरह सूख चुका है। टीकाराम जूली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर वादाखिलाफ़ी का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के समय राजस्थान आकर पेपर लीक से मुक्ति के बड़े-बड़े भाषण देने वाले प्रधानमंत्री आज देश के युवाओं की बदहाली पर पूरी तरह मौन हैं। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि मोदी जी के सत्ता में आने के बाद पिछले 12 वर्षों में देश के अलग-अलग हिस्सों में लगभग 90 पेपर लीक हो चुके हैं, जिसने करोड़ों युवाओं का भविष्य अंधकार में डाल दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अब तो ये लोग चंदा चोरी पर उतर आए हैं और भगवान राम के नाम को भी नहीं बख्श रहे हैं। जूली ने युवाओं का आाव्हन करते हुए कहा कि आप ही वो लोग हैं जिन्होंने इन्हें सत्ता की कुर्सियों पर बैठाया था और अब यही जांबाज छात्र और युवा इन्हें सत्ता से उतारने का काम करेंगे। आने वाले समय में इनका सूपड़ा साफ होना तय है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि देश के युवाओं और छात्रों ने अब यह भली-भांति समझ लिया है कि आज उनके हक और अधिकारों की लड़ाई अगर कोई पूरी प्रामाणिकता से लड़ रहा है, तो वो सिर्फ राहुल गांधी हैं। राहुल गांधी पूरे देश के अंदर छात्रों से कंधे से कंधा मिलाकर उनकी मजबूत आवाज बन रहे हैं।

इस विशाल मैराथन और विरोध प्रदर्शन में एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़, कांग्रेस विधायक मनीष यादव, विधायक शिखा बराला, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष सारिका चौधरी, कोटपूतली-बहरोड़ इंद्राज गुर्जर, सांगानेर विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रहे पुष्पेंद्र भारद्वाज, हरसहाय यादव, देशराज मीणा, सुमित भगासरा, रामसिंह सामोता एवं रोहित जूली सहित कांग्रेस और एनएसयूआई के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, छात्र नेता और भारी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

जयपुर में छात्र संगठन एनएसयूआई द्वारा छात्रों की गूंज मैराथन का विशाल आयोजन किया।

- छात्रों की गूंज अभियान के तहत युवाओं ने उठाई पारदर्शी भर्ती परीक्षाओं की मांग
- नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली व एनएसयूआई अध्यक्ष विनोद जाखड़ मौजूद रहे
- दौड़ राजस्थान यूनिवर्सिटी के मुख्य द्वार से शुरू होकर अल्बर्ट हॉल पर संपन्न हुई

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह से की शिष्टाचार भेंट

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सोमवार को 9 बार की विधायक, राजस्थान की पहली महिला विधानसभा अध्यक्ष रही सुमित्रा सिंह से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पुराने संस्मरणों को भी याद किया। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह ने भी 2003 से 2008 तक के कार्यकाल में हुए संस्मरणों पर संवाद किया। राठौड़ ने कहा कि सुमित्रा सिंह ने अपने सार्वजनिक जीवन में प्रदेश और समाज की सेवा के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया है। सदन में सुमित्रा सिंह अपने कड़क अनुशासन और संसदीय नियमों की गहरी जानकारी के लिए जानी जाती रही। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ अपूर्वा सिंह, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, प्रदेश प्रवक्ता स्टेफी चौहान ने भी सुमित्रा सिंह के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्रार्थना की।

मुख्य सचिव ने अक्षय ऊर्जा आधारित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

जयपुर। राज्य सरकार के ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर एवं अग्रणी राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में तृतीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विद्युत वितरण निगमों डिस्कॉम्स की वित्तीय स्थिति को और सुदृढ़ बनाने, ऊर्जा अवसंरचना के विस्तार तथा अक्षय ऊर्जा आधारित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में ऊर्जा क्षेत्र के विकास के साथ डिस्कॉम्स की वित्तीय मजबूती सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने वित्तीय अनुशासन, आधुनिक तकनीकों के उपयोग तथा अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन की आवश्यकता बताई।

बैठक में बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के पायलट प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं अन्य सौर ऊर्जा परियोजनाओं से उत्पादित अतिरिक्त बिजली के प्रभावी भंडारण के लिए यह तकनीक अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से पीक आवर्स में महंगी बिजली खरीदने की आवश्यकता कम होगी तथा डिस्कॉम्स को प्रतिवर्ष उल्लेखनीय वित्तीय बचत होगी। इसका लाभ आम उपभोक्ताओं तक पहुंचेगा। बैठक में बताया गया कि जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर डिस्कॉम के विभिन्न सर्किलों में इन परियोजनाओं के लिए स्थान चिह्नित किए जा चुके हैं।

मुख्य सचिव ने डिस्कॉम्स के ऋण पुनर्गठन की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि आरईसी एवं पीएफसी से लिए गए उच्च ब्याज दर वाले ऋणों की री-प्राइसिंग से डिस्कॉम्स को प्रतिवर्ष उल्लेखनीय ब्याज बचत प्राप्त हो रही है। उन्होंने शेष उच्च ब्याज दर वाले ऋणों की भी शीघ्र री-प्राइसिंग सुनिश्चित करने के लिए संबंधित वित्तीय संस्थाओं के साथ प्रभावी समन्वय एवं वार्ता करने के निर्देश दिए। वी. श्रीनिवास ने ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर फेज- के अंतर्गत हनुमानगढ़ एवं उदयपुर में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए परियोजनाओं को तय समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से राज्य में अक्षय ऊर्जा के सुगम ट्रांसमिशन को बढ़ावा मिलेगा तथा राजस्थान का ट्रांसमिशन नेटवर्क और अधिक आधुनिक एवं सुदृढ़ बनेगा। मुख्य सचिव ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अधिकाधिक लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी सूचना, शिक्षा एवं संचार आईईसी कार्ययोजना तैयार कर व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

- मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में ऊर्जा क्षेत्र के विकास के साथ डिस्कॉम्स की वित्तीय मजबूती सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं मे है

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत सोमवार को पहली ट्रेन दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन जयपुर से रवाना हुई। रामेश्वरम-मदुरै के लिए जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से इस ट्रेन को देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

विधान सभा के वर्तमान और पूर्व विधायकों का समागम कार्यक्रम कल

जयपुर, 13 जुलाई। राजस्थान विधानसभा के गठन के 75वें वर्ष को उत्साह के साथ गौरवपूर्ण तरीके से बुधवार को मनाया जाएगा। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि विधान सभा में यह अनूठा कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि अमृत उत्सव का यह पहला कार्यक्रम है।

इस कार्यक्रम में विधान सभा के वर्तमान और पूर्व विधायक शामिल होंगे। राजस्थान से निर्वाचित लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों को भी समारोह में आमंत्रित किया गया है। इसकी तैयारी विधान सभा में जोर-शोर से चल रही है। देवनानी ने कहा कि आज तक शायद किसी विधान सभा में ऐसा कार्यक्रम नहीं हुआ होगा। यह कार्यक्रम अद्भुत और ऐतिहासिक होगा। स्पीकर देवनानी ने कहा कि समारोह में उप राष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

ज्वैलर पर जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) और खोराबीसल थाना पुलिस ने नांगल लाड़ी गांव में ज्वैलर पर जानलेवा हमला कर करीब 10 किलो सोने-चांदी के जेवरात लूटने वाली अंतरजिला गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 25-25 हजार रुपए के दो इनामी बदमाशों समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लूटे गए जेवरातों को गलाकर बनाई गई करीब 7 किलोग्राम चांदी की सिल्ली तथा वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार बरामद की गई है। वहीं वारदात में शामिल एक आरोपी अब भी फरार है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

- लूटे गए जेवर गलाकर बनाई सात किलो चांदी की सिल्ली बरामद
- चौमू से किराये की स्विफ्ट कार लेकर दिया था वारदात को अंजाम

पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

डीसीपी (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि 3 जुलाई 2026 की रात खोराबीसल थाना क्षेत्र के नांगल लाड़ी गांव स्थित श्याम ज्वैलर्स के संचालक शंकरलाल शर्मा (45) पर उस समय हमला हुआ था, जब वह दुकान बंद कर मोटरसाइकिल से मुण्डोता रोड स्थित अपने घर लौट रहे थे। रास्ते में पीछे से आई सफेद स्विफ्ट कार ने उनकी बाइक को ओवरटेक कर रोक लिया। कार से उतरे चार बदमाशों ने लाठी और सरियों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बचाव के दौरान शंकरलाल के दोनों हाथ टूट गए, जबकि सिर, नाक और आंखों पर भी गंभीर चोटें आईं।

इसके बाद बदमाश उनके गले में लटका करीब 10 किलो सोने-चांदी के जेवरात और 15 हजार रुपए नकदी से भरा बैग लूटकर मुण्डोता की ओर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह तथा डीएसटी प्रभारी गणेश सैनी के नेतृत्व में चार विशेष टीमों का गठन किया गया। वारदात के समय घना अंधेरा और तेज बारिश होने से पुलिस के पास कोई प्रत्यक्ष सुराग नहीं था।

'साहित्य को सही दिशा देने की ज़रूरत'

जयपुर। राही सहयोग संस्था के निदेशक प्रबोध गोविल ने प्रेस विज्ञिप्त जारी करते हुए बताया कि राही सहयोग संस्थान और राजस्थान प्रौढ़ शिक्षा सामिति के संयुक्त तत्वावधान में सुप्रसिद्ध कवि, गीतकार, ग़ज़लकार और गंगा- जमनी तहज़ीब के संवाहक इकराम राजस्थानी के कृतित्व और व्यक्तित्व पर विशद चर्चा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में इकराम राजस्थानी के व्यक्तित्व व कृतित्व से सबंधित चर्चा में भाग लेते हुए सर्वप्रथम ग़ज़लकारा निरुपमा चतुर्वेदी ने उनके कविता सम्बन्धित रचनाकर्म और व्यक्तित्व की खूबियों पर प्रकाश डाला।

इकराम जी के सुपुत्र वरिष्ठ शिक्षाविद् और गीतकार फ़ीरोज़ खान ने अपने पिता के साहित्य के साथ-साथ उनके सामाजिक और पारिवारिक दायित्वों के अनुपालन में संजीदगी और कर्तव्य निष्ठा से परिचित करवाया। प्रसिद्ध उपन्यास कारण प्रेमलता सोनी ने राजस्थानी जी के राजस्थानी भाषा प्रेम और उनकी मायण भाषा में लिखी रचनाओं व लोकगीतों के बारे में बात की।प्रेमलता सोनी ने साहित्यकार राजेश कमाल के आलेख का वाचन भी किया।

टीबी मुक्त राजस्थान के लिए पंचायतवार प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने टीबी मुक्त राजस्थान के लिए पंचायतवार प्रभावी मॉनिटरिंग किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा के अनुरूप समाज के हर वर्ग को साथ लेकर, इस बीमारी के प्रति फैले डर और भेदभाव को दूर किया जाए। उन्होंने आंकड़ों में नहीं व्यवहार में प्रत्येक मरीज पर ध्यान देने पर जोर दिया तथा कहा कि टीबी को पूरी तरह से खत्म किया जाए। इसके लिए उन्होंने हर गांव में घर-घर जाने और टीबी मरीजों को वास्तविक रूप में चिन्हित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गांवों में टीबी मुक्त करने के प्रयासों हेतु ग्राम सेवकों को जवाबदेह बनाया जाए।

- राज्यपाल ने ली टीबी उन्मूलन प्रगति की समीक्षा बैठक
- पंचायतवार मॉनिटरिंग और प्रत्येक मरीज पर ध्यान देने के दिए निर्देश

राज्यपाल ने टीबी उन्मूलन हेतु जनभागीदारी को और सुदृढ़ करने के लिए समीक्षा बैठक की।

बागडे सोमवार को लोकभवन में टीबी उन्मूलन हेतु जनभागीदारी को और सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कागज में नहीं वस्तुस्थिति में टीबी रोगियों को रोग मुक्त करने के प्रयास होने चाहिए। उन्होंने टीबी रोगियों के समग्र इलाज और बाद में पोषण पर भी विशेष ध्यान देने का आव्हान किया।

उन्होंने प्रचलित कहावत "खरगोश के शिकार के लिए बाघ के शिकार की तैयारी" का उल्लेख करते हुए कहा कि टीबी मुक्त करने के लिए मन से प्रयास हों। उन्होंने जिला कलेक्टर स्तर पर टीबी मरीजों का पता लगाने और उनके प्रभावी निदान के लिए जागरूकता के अधिकाधिक कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मरीज गोद लेकर कार्य किए जाने के आंकड़ों की वास्तविकता का भी पता लगाया जाए। राज्यपाल ने इससे पहले टीबी रोगी परिवार को निक्षय मित्र कीट का वितरण किया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि सभी विभागों की सहभागिता से राजस्थान को टीबी मुक्त करने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

अजमेर जेएलएन में किसान की मौत, परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने उनकी जांच रिपोर्ट किसी अन्य महिला मरीज की रिपोर्ट से बदल दी, जिसके आधार पर कई घंटों तक गलत उपचार किया गया

- **वहीं आरोप है कि मरीज की गंभीर स्थिति बनने के बाद समय पर ऑक्सीजन, ट्रॉली और गहन चिकित्सा इकाई की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे मरीज की जान चली गई**
- **परिजनों ने कोतवाली थाने में शिकायत देकर पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की**

अजमेर, (निसं)। अजमेर संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) चिकित्सालय में इलाज के दौरान गंभीर लापरवाही का आरोप सामने आया है। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा निवासी 66 वर्षीय किसान भंवरलाल की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने उनकी जांच रिपोर्ट किसी अन्य महिला मरीज की रिपोर्ट से बदल दी, जिसके आधार पर कई घंटों तक गलत उपचार किया गया। इसके साथ ही मरीज की गंभीर स्थिति बनने के बाद समय पर ऑक्सीजन, ट्रॉली और गहन चिकित्सा इकाई की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे मरीज की जान चली गई। मामले को लेकर परिजनों ने कोतवाली थाने में शिकायत देकर पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मृतक के मित्र धनराज ने बताया कि भंवरलाल को पेट संबंधी बीमारी के चलते 9 जुलाई को महात्मा गांधी चिकित्सालय, भीलवाड़ा से अजमेर के जेएलएन अस्पताल रेफर किया गया था। दोपहर करीब तीन बजे उन्हें आपातकालीन इकाई में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें सामान्य वार्ड में भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया। परिजनों के अनुसार भर्ती होने के बाद पहली रात मरीज की तबीयत में सुधार दिखाई दिया। वे सामान्य बातचीत कर रहे थे और उन्होंने दलिया तथा नारियल पानी भी लिया था। चिकित्सकों ने भी स्थिति सामान्य बताते हुए उन्हें सामान्य वार्ड में ही रखा। मृतक के पुत्र पप्पू लाल का आरोप है कि अगले दिन नया उपचार शुरू होने के बाद उनके पिता की हालत अचानक बिगड़ने लगी। शाम तक वे परिजनों को पहचान नहीं पा रहे थे, असामान्य व्यवहार करने लगे और रात में दर्द से परेशान होकर बार-बार उठने तथा भागने का प्रयास कर रहे थे। परिजनों ने कई बार ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ को स्थिति से अवगत कराया, लेकिन उनकी शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया।

परिजनों का कहना है कि बाद में उन्हें जानकारी मिली कि मरीज की जांच रिपोर्ट किसी अन्य महिला मरीज की रिपोर्ट से बदल गई थी और उसी आधार पर उपचार जारी रहा। उनका आरोप है कि इसी वजह से मरीज की हालत लगातार बिगड़ती चली गई। परिजनों के अनुसार 12 जुलाई की रात मरीज की स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई। उन्होंने तत्काल आईसीयू में भर्ती करने और बलगम साफ कराने की मांग की, लेकिन समय पर कोई व्यवस्था नहीं की गई। मजबूर होकर परिजनों को स्वयं ट्रॉली तलाशनी पड़ी, जिसमें लगभग 20 मिनट का समय लग गया।

इतना ही नहीं, जब मरीज को ऑक्सीजन देने का प्रयास किया गया तो लाया गया सिलेंडर खाली निकला। दूसरा सिलेंडर मंगाने और मरीज को आपातकालीन वार्ड से आईसीयू तक पहुंचाने में भी काफी देर हो गई। परिजनों का आरोप है कि यदि समय रहते आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा दी जाती तो संभवत: मरीज की जान बचाई जा सकती थी। परिजनों के मुताबिक उपचार में हुई देरी के कारण मरीज ने आईसीयू पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। आईसीयू में ईसीजी जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक के पुत्र पप्पू लाल ने कोतवाली थाने में शिकायत देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि एक सामान्य पेट की बीमारी के इलाज के लिए अस्पताल आए किसान की मौत कथित चिकित्सकीय लापरवाही के कारण हुई है। उन्होंने दोषी चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में अन्य मरीज भी ऐसी घटनाओं का शिकार हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं अस्पताल प्रशासन की ओर से इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

गरीब क्रेन चालक के नाम पर 100 करोड़ का फर्जी कारोबार

- **आधार कार्ड व पैन कार्ड का दुरूपयोग कर दिल्ली में दो जीएसटी फर्मे खोल वित्तिय कारोबार का आरोप**
- **न्यायालय के आदेश पर एफआईआर दर्ज, संगठित गिरोह पर संदेह जताया**

ब्यावर, (निसं)। एक गरीब क्रेन चालक के नाम पर कथित रूप से दिल्ली में दो फर्जी जीएसटी फर्मे खोलकर लगभग 100 करोड़ रूपये का वित्तिय कारोबार कर लिये जाने का मामला सामने आया है। मामले में न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद थाना ब्यावर सदर पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिवादी रहमान पुत्र सुल्तान, निवासी मुमताज नगर, सेदरिया ब्यावर ने बताया कि वह मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। आयकर संबंधी कार्य के लिए अपने चार्टर्ड अकाउंटेट के पास जाने पर उसे पता चला कि उसकी जानकारी या अनुमति के बिना उसके आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं अन्य पहचान संबंधी दस्तावेजों का कथित दुरूपयोग कर दिल्ली के प्रीतमपुरा स्थित एक ही पते पर ''प्लाजमा टेक'' तथा ''यूनिक सेल्स'' नाम से दो जीएसटी फर्मे संचालित की जा रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि इन दोनों फर्मों के माध्यम से लगभग 99,97,77,388 रुपये का वित्तीय लेन देन दर्शाया गया है, जबकि परिवादी का इन फर्मों, करोबार या बैंकिंग गतिविधियों से कोई संबंध नहीं है। परिवादी का कहना है कि अपनी जिन्दगी में आज तक कभी दिल्ली गया ही नहीं। यह केवल धोखाधड़ी नहीं, राष्ट्रीय स्तर का आर्थिक अपराध हो सकता है। परिवादी के अधिवक्ता एडवोकेट नीलेश बुरड़ ने कहा कि यह मामला केवल एक व्यक्ति के साथ हुई धोखाधड़ी नहीं है, बल्कि पहचान दस्तावेजों के दुरूपयोग, सायबर अपराध, जीएसटी प्रणाली और वित्तीय नेटवर्क के संभावित दुरूपयोग का अत्यंत गंभीर मामला है। पुलिस द्वारा प्रारंभिक स्तर पर कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं किए जाने पर परिवादी ने अपने एडवोकेट नीलेश बुरड़ के मार्फत न्यायालय की शरण ली। न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के बाद आखिरकार पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। जिससे मामले कीजांच का रास्ता खुला। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

नाबालिग बेटे के सामने महिला से दुष्कर्म

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम में एक महिला के साथ यौन शोषण किए जाने का केस दर्ज हुआ है। आरोप है कि युवक ने महिला के बेटे के सामने उससे दुष्कर्म किया। उसने वीडियो और फोटो भी बना लिये। अब वीडियो और फोटो वायरल करने की धमकी देकर पैसे की डिमाण्ड करने लगा है। आरोपी इवेंट का काम करता है। फिलहाल पुलिस ने दुष्कर्म एवं पॉक्सो में केस दर्ज किया है। जांच की जा रही है।

जिला पश्चिम के एक थाने में महिला ने रिपोर्ट दी। इसका आरोप है कि वह एक इवेंट में काम करने वाले युवक के संपर्क में है। गत साल दिसम्बर से वह उसका यौन शोषण कर रहा है। उसके फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देता और पैसों की डिमाण्ड भी करता है। पीड़िता का आरोप है कि इवेंट में काम करने वाले इस युवक ने उसके नाबालिग बेटे के सामने उससे दुष्कर्म किया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जोधपुर में हिस्ट्रीशीटर के साथ मिलकर किसान परिवार पर हमला किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में बासनी बेदा की ढाणी मानपुरा में एक किसान परिवार पर हिस्ट्रशीटर सहित कुछ लोगों ने हथियारों से लैसे होकर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में वृद्ध बुरी तरह घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए एमडीएमडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर भागते से समय अपनी बाइक और हथियार मौके पर ही छोड़कर निकल गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर अब जांच आरंभ की है। आरोपियों ने भागते समय जान की धमकी भी दी।

एयरपोर्ट थाना पुलिस ने बताया कि बासनी बेदा की ढाणी मानपुरा निवासी गोपाल प्रजापत की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि उसके पिता बिरमाराम पुत्र फूसाराम रविवार की शाम को अपने खेत में बाड़ कर रहे थे। तब करीब शाम 6 बजे वहां पर मानपुरा निवासी खिंवराज पुत्र किशनाराम, गणपत पुत्र घासीराम, गुलाब पुत्र बालूराम तीनों आए और पिता से गाली-गलौच कर मारपीट करनी शुरू कर दी। आरोप है कि उन लोगों ने धारदार हथियार कुल्हाड़ी, कूट और लाठी से हमला किया, जिससे उसके पिता के हाथ में फ्रैक्चर हो गया। सिर में भी गम्भीर चोट आयी। परिवार की महिलाओं ने जब बीच-बचाव करना चाहा तो उनसे भी मारपीट की गई। आरोपी हथियार और मोटरसाइकिल वहीं पर छोड़कर भाग गए। मारपीट और हमले में घायल उसके पिता को बाद में एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी भागते समय पुलिस कार्रवाई नहीं करने की धमकी देकर गए। रिपोर्ट में बताया कि आरोपियों में गणपत नाम का शख्स हिस्ट्रीशीटर है जिसके खिलाफ पहले से ही कई प्रकरण दर्ज हैं। फिलहाल एयरपोर्ट थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घायल का अस्पताल में उपचार जारी है।

हथियार बरामद

झुंझुनूं, (निसं)। शहर में हाल ही में हुई डकैती की वारदात की जांच के दौरान कोतवाली थाना पुलिस ने एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर अवैध देशी कट्टा बरामद किया है। बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत नया मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार शहर में गत दिनों हुई डकैती के मामले में गिरफ्तार आरिफ पुत्र सरताज कुरैशी से पूछताछ के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी मिली। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस टीम ने नेशनल हाईवे स्थित सिटी कॉलोनी के पास अंसारी कॉलोनी जाने वाले मार्ग पर एक खाली प्लॉट में छिपाकर रखा गया अवैध देशी कट्टा बरामद कर जब्त कर लिया।

हाईवे पर कार अनियंत्रित होकर पलटी, दो जनों की मौत, दो घायल

- **चारों दोस्त खाना खाने के लिये निकले थे और वापस कोटा लौटते समय हादसा हो गया**

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में रविवार देर रात्रि को कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर एक कार अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। हादसे में कार में सवार दो जनों की मौत हो गई एवं दो जने घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार चार मित्र कार से कोटा आते समय कोटा-उदयपुर हाईवे हैगिंग ब्रिज के समीप अचानक से भैंसों का झुंड आने से तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई, हादसा इतना भीषण था कि कार डिवाईडर पर चढ़ गई और काफी दूर तक दौड़ती चली गई। हादसे में चारों मित्र क्षतिग्रस्त कार के भीतर फंस गये। मामले में सामने आया कि चारों दोस्त खाना खाने के लिये निकले थे और वापस कोटा लौटते समय हादसा हो गया। राहगीरों ने जब कार को क्षतिग्रस्त हालत में और चार जनों को कार में देखा तो इसकी सूचना पुलिस व एम्बुलेंस को दी, सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। नान्ता थाने के सब इंस्पेक्टर घमंडी लाल ने बताया कि पुलिस को हादसे की सूचना मिली जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। सब इंस्पेक्टर ने बताया कि चारों मित्र घर से खाना खाने के लिये कार से कोटा-उदयपुर हाईवे पर निकले थे। रविवार देर रात्रि को वापस कोटा आते समय हैगिंग ब्रिज से पहले तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाईडर पर चढ़ गई और पलटी खा गई। एसआई ने बताया कि हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चारों युवक उसमें फंस गए, चारों को उपचार के लिये एम्बुलेंस के जरिये अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद दो जनों को मृत घोषित कर दिया।

एसआई ने बताया कि हादसे में विज्ञान नगर निवासी अमन (27), दादाबाड़ी निवासी कुंतेश वर्मा (32) की मौत हो गई एवं कार में सवार बसंत बिहार निवासी जगदीश जुमरानी (36) व बोरखेड़ा निवासी दीपेश (36) घायल हो गये, जिन्हें उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसआई ने बताया कि दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

श्रीडूंगरगढ़ में बेटे ने बुजुर्ग मां की लाठी से पीटकर हत्या की

- **पत्नी को जगाकर बोला मां मर गई, भाई को देखते ही घर से भागा**
- **पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली और बेटे को डिटेन किया**

बीकानेर, (निसं)। बेटे ने बुजुर्ग मां की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। रात को अपनी पत्नी को जगाकर कहा कि मां मर चुकी है। पत्नी ने चिल्लाकर अन्य परिजनों को उठाया। सभी लोग घर के बाहर सो रही 70 साल की बुजुर्ग मां के पास दौड़कर पहुंचे। भाई को देखते ही आरोपी घर से फरार हो गया।

मामला श्रीडूंगरगढ़ थाना इलाके के बाना गांव का रविवार सुबह 4 बजे का है। पुलिस ने आरोपी बेटे रामनिवास को डिटेन कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली और बेटे को डिटेन किया है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली और बेटे को डिटेन किया है। श्रीडूंगरगढ़ थानाधिकारी कश्यप सिंह राघव ने बताया कि बाना गांव में गीता देवी (70) की हत्या के आरोप में बेटे रामनिवास को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। रामनिवास के भाई ओमप्रकाश ने पुलिस को बताया कि देर रात 2 बजे रामनिवास घर में ही इधर-उधर टहल रहा था। उस समय उसकी पत्नी भी जाग रही थी। इसके बाद 4 बजे उसने अपनी पत्नी को उठाया और उससे कहा कि मां मर चुकी है। ये सुनकर उसकी पत्नी चिल्लाई और परिजन भी उठ गए। ओमप्रकाश ने बताया कि घर के सभी लोग जागे और बाहर सो रही मां की ओर दौड़े। रामनिवास मां के पलंग को सरका रहा था। सामने मुझे देखकर वह भाग गया। उसने नींद से उठाकर मां की हत्या की है। पुलिस ने बताया कि युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ है। हालांकि उसे हिरासत में लेकर मामले की पूछताछ की जा रही है।

महिला की पीहर में संदिग्ध हालत में मौत

परिजनों का आरोप है कि ससुराल वाले प्रताड़ित करते थे

- **जांच में पता चला है कि महिला की आटा-साटा में शादी हुई थी**
- **महिला एक साल से अपने पीहर में ही थी, कुछ दिन पहले कोर्ट का नोटिस मिला था**

जोधपुर, (कासं)। शहर के झालामंड स्थित बापूनगर में एक महिला की पीहर में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिवार ने उसके ससुराल वालों के खिलाफ प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है। नौ जुलाई को मानसिक तनाव में आने के बाद महिला की तबीयत बिगड़ना बताया गया है। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया गया। महिला की आटा-साटा में शादी हो रखी थी।

कुड़ी भगतासनी थानाधिकारी सोमकरण ने बताया कि झालामंड स्थित बापूनगर में अपने पीहर में रहने वाली 22 साल की ज्योति वैष्णव को 9 जुलाई को उसके घर में तबीयत बिगड़ने पर परिवार ने एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया था। उसकी बाद में मौत हो गई। अब तक की जांच में पता लगा कि ज्योति की शादी खेमें का कुआं क्षेत्र में आटा-साटा से हो रखी थी। वह पिछले एक साल से अपने पीहर में ही थी। कुछ दिन पहले कोर्ट का नोटिस मिला था। परिवार का कहना है कि नोटिस मिलने के बाद वह डिप्रेशन में आ गई, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। साथ ही परिवार का आरोप है कि उसके ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करते थे। उसकी मां सीतादेवी ने मर्ग में रिपोर्ट दी है। जांच प्रशासनिक अधिकारी की तरफ से की जा रही है। ज्योति के एक बच्ची है। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया गया है। अग्रिम अनुसंधान जारी है।

मसूदा में बीसलपुर पेयजल पाइप लाइन कार्य रोकने का आरोप

ग्रामीणों ने विधायक को ज्ञापन सौंप निष्पक्ष जांच व सर्वे अनुसार कार्य पूरा कराने की मांग की

- **मसूदा के ग्राम नारायणपुरा, बेगलियावास के ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पाइपलाइन बिछाने का कार्य बिना किसी स्पष्ट कारण के बीच में ही रोक दिया है**

मसूदा, (निसं)। जल जीवन मिशन के तहत संचालित बीसलपुर पेयजल योजना में कथित भेदभाव का मामला सामने आया है। मसूदा नगर पालिका क्षेत्र के ग्राम नारायणपुरा, ग्राम पंचायत बेगलियावास के ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पेयजल पाइपलाइन बिछाने का कार्य बिना किसी स्पष्ट कारण के बीच में ही रोक दिया गया, जबकि विभागीय सर्वे के अनुसार पाइपलाइन उनके मकानों तक पहुंचाई जानी थी। इस संबंध में ग्रामीणों ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच कराने तथा सर्वे के अनुरूप पाइपलाइन बिछाने की मांग की है।

ग्रामीण मानसिंह पुत्र कान सिंह रावत तथा भंवर सिंह चौधरी ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत बीसलपुर पेयजल योजना का कार्य गांव में चल रहा है। विभागीय सर्वे के आधार पर पाइपलाइन उनके मकानों तक प्रस्तावित थी, लेकिन कार्य करने वाली टीम ने गोपाल सिंह पुत्र जेत सिंह रावत के मकान तक पाइप लाइन बिछाने के बाद आगे का कार्य रोक दिया। इससे कई परिवार योजना के लाभ से वंचित रह गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब उन्होंने मौके पर कार्य कर रहे पर्यवेक्षक से पाइपलाइन आगे नहीं बढ़ाने का कारण पूछा तो उन्हें यह कहकर टाल दिया गया कि आगे कार्य करने के कोई निर्देश नहीं हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि यह कार्य विभागीय सर्वे और स्वीकृत योजना के विपरीत किया जा रहा है, जिससे उनके साथ भेदभाव हो रहा है।

ग्रामीणों ने विधायक से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और विभागीय सर्वे के अनुसार जिन घरों तक पाइपलाइन प्रस्तावित है, वहां तक शीघ्र पाइपलाइन बिछाकर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उनका कहना है कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, ऐसे में किसी भी परिवार को योजना के लाभ से वंचित नहीं रखा जाना चाहिए।

ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि जनप्रतिनिधि और संबंधित विभाग इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान सुनिश्चित करेंगे, ताकि सभी पात्र परिवारों को बीसलपुर पेयजल योजना का समान रूप से लाभ मिल सके।

लापता युवती का शव खेत के कुएं में मिला

रामगंजमंडी, (निसं)। कोटा जिले के मोड़क थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह तेलियाखेड़ी स्थित खेत के एक कुएं में अहीर समाज की लापता युवती आरती (26) पुत्री दुर्गालाल का शव मिला। सूचना मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक घनश्याम मीणा सहित मोड़क थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए मोड़क अस्पताल पहुंचाया। युवती के परिजनों ने 11 जुलाई को उसके लापता होने पर मोड़क थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसके बाद से पुलिस और परिजन उसकी तलाश में जुटे हुए थे। सोमवार सुबह खेत के कुएं में शव मिलने से क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस ने थाना मोड़क में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

विराटनगर के जैन नसिया में छह अष्टधातु की मूर्तियां और चांदी के छत्र चोरी

पावटा, (निसं)। विराटनगर कस्बे के किला-कोटवाली रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन नसिया में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर मंदिर का ताला तोड़कर 6 अष्टधातु की मूर्तियां, 10 चांदी के छत्र और अन्य धार्मिक सामान चोरी कर फरार हो गए।

- **घटना के बाद जैन समाज में रोष, पुलिस प्रशासन से जल्द खुलासा करने की मांग की**
- **सूचना पर विराटनगर पुलिस, एमओबी और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए**

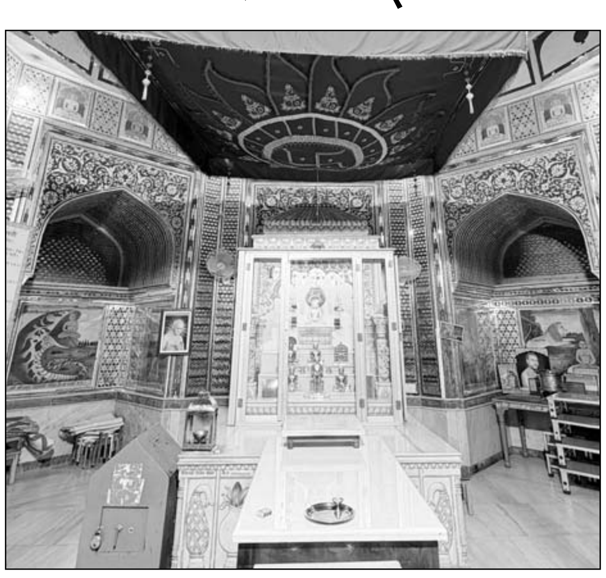

विराटनगर का पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, जहां चोरी हुई।

घटना के बाद जैन समाज में भारी रोष व्याप्त है और समाज ने पुलिस प्रशासन से जल्द खुलासा करने की मांग की है।

जैन नसिया समिति के अध्यक्ष संतोष जैन ने बताया कि रविवार, 12 जुलाई की रात करीब 11 बजे मंदिर का मुख्य गेट बंद कर सभी लोग अपने घर चले गए थे। सोमवार सुबह करीब 4 बजे मंदिर खोला गया तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो मंदिर में रखे धार्मिक सामान और दानपात्र के आसपास सामान बिखरा पड़ा था तथा कई कीमती धार्मिक वस्तुएं गायब थीं।

सूचना मिलते ही जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। चोरी की सूचना पर विराटनगर पुलिस, एमओबी और एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्धों की तलाश में जुट गई है। जैन समाज ने इस घटना को धार्मिक आस्था पर चोट बताते हुए पुलिस प्रशासन से शीघ्र जांच, आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी हुए धार्मिक सामान की बरामदगी की मांग की है। वहीं विराटनगर थाना प्रभारी बाबूलाल का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही चोरी का खुलासा किया जाएगा।

ग्रामीण सेवा शिविर में घुमंतु परिवार को 50 साल बाद पुश्तैनी मकान का पट्टा मिला

बूंदी, (निसं)। इंसान की सबसे बड़ी जरूरत उसका अपना आशियाना होता है, लेकिन जब उस आशियाने का मालिकाना हक (पट्टा) पाने के लिए आधी सदी यानी 50 साल गुजर जाए तो उम्मीदें दम तोड़ने लगती हैं। हिंडोली उपखंड क्षेत्र के हरणा गांव के घुमंतु/अर्द्ध घुमंतु परिवार के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। लेकिन, राज्य सरकार द्वारा रोंशदा ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर ने इनकी दशकों पुरानी मुराद पूरी कर दी। जब परिवार को उनके पुश्तैनी मकान का पट्टा सौंपा गया, तो उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा।

- **पट्टा न होने की वजह से राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था**
- **लंबे समय तक इंतजार करने के बाद इन परिवार ने पट्टा मिलने की उम्मीद ही छोड़ दी थी**

हरणा निवासी पप्पू नाथ, सुरेश नाथ, अमरनाथ और दिनेश नाथ ने बताया कि वे पिछले 50 वर्षों से अपने पुश्तैनी मकान के पट्टे का इंतजार कर रहे थे। पट्टा न होने की वजह से वे सरकारी कागजों में अपने ही घर के मालिक नहीं थे और इसी कारण उन्हें राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। लंबे समय तक इंतजार करने के बाद इन परिवार ने पट्टा मिलने की उम्मीद ही छोड़ दी थी।

इसी दौरान रोंशदा ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन हुआ। उन्होंने एक आखिरी उम्मीद के साथ ग्रामीण सेवा शिविर में पहुंचकर पट्टे के लिए आवेदन किया। इस बार उन्हें मायूसी हाथ नहीं लगी। शिविर में मौजूद पंचायत प्रशासन ने मामले पर तुरंत संज्ञान लिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए हाथों-हाथ पट्टा तैयार कर इन्हें वितरित कर दिया। दशकों पुराना सपना जब हकीकत बनकर उनके हाथों में आया, तो लाभार्थियों के चेहरे खिल उठे। पट्टा पाकर पप्पूनाथ व अन्य सदस्यों ने खुशी जताते हुए कहा कि जिस काम के लिए उन्होंने आस छोड़ दी थी, वह शिविर में आसानी से पूरा हो गया। राज्य सरकार के इस शिविर ने उनकी उम्मीदों को फिर से जिंदा कर दिया है। इस राहत के लिए सभी लाभार्थियों ने राज्य सरकार का आभार जताया।

ग्रामीण सेवा शिविर पट्टा तैयार कर परिवार को वितरित किया।

हाईटेक अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के चार आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, दिल्ली, गुजरात और उत्तराखंड से चुराते थे स्कॉर्पियो

■ सीकर में बदलते थे इंजन-चेसिस नंबर, नेपाल तक जुड़े तार

जयपुर। जयपुर पूर्व जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) और रामनगरिया थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक हाईटेक अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 10-10 हजार रुपए के दो इनामी बदमाशों सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने जयपुर, दिल्ली, गुजरात और उत्तराखंड से दो दर्जन से अधिक स्कॉर्पियो चोरी करना स्वीकार किया है। गिरोह चोरी की गाड़ियों के इंजन और चेसिस नंबर बदलकर उन्हें बाजार में बेचता था, जबकि कुछ वाहन नेपाल तक सप्लाई किए जाते थे।

डीसीपी (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि रामनगरिया थाना पुलिस और डीएसटी पूर्व ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के मुख्य सरगना राहुल मीणा उर्फ कुंदन उर्फ राजा (26) निवासी समलेटी, महवा (दौसा), उसके सगे भाई हरेती मीणा उर्फ मोनू उर्फ दुर्रा (20), चोरी की गाड़ियां खरीदने वाले महिपाल चौधरी (35) निवासी कैलाश नगर, सीकर तथा हिमांशु देहिवाल

रामनगरिया थाना पुलिस और डीएसटी पूर्व ने 10-10 हजार रुपए के दो इनामी बदमाशों सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

(20) निवासी कोछोर, जीणमाता (सीकर) को गिरफ्तार किया है। राहुल मीणा पर जयपुर पूर्व और दौसा पुलिस ने 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। वह मध्यप्रदेश के मुरैना और दौसा के मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र के मामलों में भी फरार चल रहा था।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से रामनगरिया और करधनी थाना क्षेत्र से चोरी की गई दो स्कॉर्पियो, वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार , चार एसीएम मशीनें, चार वीसीएम मशीनें, तीन जोड़ी फर्जी नंबर प्लेट तथा पेचकस, पाना, प्लास सहित वाहन चोरी में प्रयुक्त अन्य उपकरण बरामद किए हैं। आरोपी इन आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की मदद से वाहनों के सुरक्षा सिस्टम को बायपास कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे पहले विभिन्न शहरों में खड़ी स्कॉर्पियो की रेकी करते थे। चोरी के बाद वाहनों को सीकर ले जाकर गैराज संचालकों को दो से तीन लाख रुपए में बेच देते थे। वहां दुर्घटनाग्रस्त या पुरानी गाड़ियों के इंजन और चेसिस नंबर चोरी की गाड़ियों में फिट कर उनकी पहचान बदल दी जाती थी और बाद में उन्हें ऊंचे दामों पर बेच दिया जाता था।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह ने जयपुर के अलावा दिल्ली, गुजरात और उत्तराखंड से भी दो दर्जन से अधिक स्कॉर्पियो चोरी की हैं। गुजरात से चोरी किए गए वाहनों को चित्तौड़गढ़ में खपाया जाता था, जबकि दिल्ली और उत्तराखंड से चोरी की गई गाड़ियों को साथी रिंकू लालपुर के माध्यम से नेपाल तक सप्लाई किया जाता था।

वहीं मुख्य आरोपी राहुल मीणा के खिलाफ राजस्थान और मध्यप्रदेश के विभिन्न थानों में हत्या, वाहन चोरी, आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

जानलेवा हमले का आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के विशेष अभियान के तहत खोह नागोरियान थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए जानलेवा हमले के आरोपी, पॉक्सो एवं आईटी एक्ट के वांछित आरोपी तथा एक कुख्यात हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है।

डीसीपी पूर्व रंजीता शर्मा के अनुसार 17 जून को इंदिरा गांधी नगर क्षेत्र में रोहित आलोरिया और उसके भाई दिनेश मौर्य पर लोहे के पाइप से हमला कर गंभीर रूप से घायल करने के मामले में वांछित लालाराम बैरवा (35) निवासी पालड़ी मीणा को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त लोहे का पाइप भी बरामद कर लिया गया है।

एक अन्य कार्रवाई में पॉक्सो एक्ट और आईटी एक्ट के मामले में वांछित ईन्नू उर्फ माहिर (28) निवासी फकीरों का मोहल्ला, खोह नागोरियान को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट एवं आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज है। उसे न्यायालय में पेश किया गया।पुलिस ने इलाके के सक्रिय हिस्ट्रीशीटर शाकिर खान (31) निवासी पाटियों की ढाणी को भी बीएनएसएस की धारा 170 के तहत गिरफ्तार किया है।

सार-समाचार

विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय में नए प्रेसिडेन्ट व कुलसचिव की नियुक्ति

जयपुर। महाराज विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के चेयरपर्सन के.एल. मीना, आई.ए.एस. (रिटा.) के द्वारा विश्वविद्यालय के प्रेसिडेन्ट (वाइस चांसलर) के पद पर नियुक्ति के लिये गठित सर्च कमेटी की अनुशंसा पर 29वीं बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की मिटिंग में विचार कर प्रो. (डॉ.) महेन्द्र तिवाड़ी को महाराज विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रेसिडेन्ट (वाइस चांसलर) के पद पर नियमित स्थायी रूप से नियुक्त करते हुए उन्हें पदभार ग्रहण करवाया। चेयरपर्सन के.एल. मीना द्वारा विश्वविद्यालय के नियमानुसार डॉ. राज कमल मिश्रा को कुलसचिव (रजिस्ट्रार) के पद पर नियुक्त किया गया।

ट्रैक पर मिला व्यक्ति का शव

जयपुर। बिंदायका थाना क्षेत्र में जयपुर-फुलेरा रेलवे ट्रैक के पास सोमवार को करीब 40 वर्षीय एक व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक आशंका है कि व्यक्ति रात के समय किसी ट्रेन की चपेट में आ गया।सूचना मिलने पर बिंदायका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका-मुआयना कर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को एम्बुलेंस की सहायता से सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस शिनाख्त के प्रयास कर रही है तथा मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

प्रभात गोस्वामी की पुस्तक 'खबरों के इर्द- गिर्द' का लोकार्पण

जयपुर। जनसम्पर्क मित्र समूह के मासिक स्नेह मिलन कार्यक्रम में सोमवार को नारायण सर्किल स्थित दिगम्बर जैन भट्टारक जी नसियाँ के प्रांगण में जन संपर्क विभाग के पूर्व संयुक्त निदेशक, विख्यात लेखक एवं व्यंग्यकार प्रभात गोस्वामी की हाल ही में प्रकाशित पुस्तक - खबरों के इर्द - गिर्द,जनसम्पर्क सेवा के तीन दशक, का लोकार्पण जनसंपर्क कर्मियों द्वारा किया गया। पुस्तक में जनसम्पर्क एवं सहकारी डेयरी में कार्य के साथ राज्य के दो मुख्यमंत्रियों के सानिध्य कार्य करने के अनुभव,खट्टे-मीठे संस्मरण समाहित किए गए हैं।इस अवसर पर पूर्व अतिरिक्त निदेशक,साहित्यकार गोपाल शर्मा ने कहा कि सरकारी सेवा में बहुत कम लोग होते हैं जो अपने नियमित कार्यों के साथ अपनी रचनात्मकता के साथ साहित्य और कलाओं से जुड़े रहते हैं। प्रभात गोस्वामी उन्हीं लोगों में शामिल हैं। वह जहां भी नियोजित रहे वहाँ उन्होंने आपने व्यक्तित्व को अपरिहार्य बना लिया । उनकी यह पुस्तक जनसम्पर्क के क्षेत्र में पठनीय बनेगी ।पूर्व संयुक्त निदेशक एवं सक्रिय रंगकर्मी ईश्वर दत्त माथुर ने कहा कि प्रभात ने आपने सेवाकाल के अनुभवों का दस्तावेजीकरण कर उल्लेखनीय कार्य किया है । हमारे सभी साथियों के साथ ही आने वाली पीढ़ी के लिए यह किताब महत्त्वपूर्ण होगी ।पुस्तक के लेखक प्रभात गोस्वामी ने सहकारी डेयरी,सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग में जिला कलेक्टर से मुख्य सचिव,मंत्रीगण से मुख्यमंत्रियों के सानिध्य कार्य के दौरान अपने कुछ संस्मरणों को साझा करते हुए पुस्तक की विस्तृत जानकारी दी।

जेएसजी अर्हम ने जीता नॉदर्न रीजन अंताक्षरी-2026 प्रतियोगिता का खिताब

जयपुर । जैन सोश्यल ग्रुप्स इंटरनेशनल फैडरेशन के नॉदर्न रीजन के तत्वावधान में व जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल की मेजबानी में सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल सभागार में आयोजित नॉदर्न रीजन अंताक्षरी-2026 प्रतियोगिता का खिताब जेएसजी अर्हम ने व रनर अप जेएसजी केपिटल की टीम रही। इस प्रतियोगिता में नारदन रीजन की 24 टीमों के प्रतिभागियों ने भाग लिया और विभिन्न राउंडों में अपनी प्रतिभा के जौहर दिखाए।प्रतियागिता के प्रारंभ में दीप प्रज्जवलन राजस्थान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व चेयरमैन डॉ. प्रकाश चंद जैन व उद्घाटन भगवान आदिनाथ जैन कल्याण समिति मंगल विहार के अध्यक्ष अमित-रितु गोधा व अध्यक्षता कर रहे जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फैडरेशन मुंबई के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन के. शाह, फैडरेशन के प्रेसीडेंट इलेक्ट मनीष कोठारी के साथ ही विशिष्ट अतिथि सोगानी ज्वेलर्स के प्रियम सोगानी, जेएसजीआईएफ के पूर्व प्रेसीडेंट राकेश जैन, अजीत लालवानी, कमल सचेती एवं ललित शाह आदि सम्माननीय अतिथियों ने किया। इस मौके पर मुख्य समन्वयक व जेएसजी कैपिटल के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष चंद जैन, अध्यक्ष राजकुमार काला एवं सचिव प्रमोद जैन समन्वयक पूर्व अध्यक्ष सुधीर गंगवाल, नरेश रावकां, नवीन जैन, अनिल रावका नॉदर्न रीजन चेयरमैन राजीव पाटनी एवं सचिव रविन्द्र बिलाला सहित अन्य पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान टीमों के अलावा दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों ने भी सही जबाव देकर आकर्षक पुरस्कार जीते। इस दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, आदर्श नगर से भाजपा प्रत्याशी रवि नैयर व भाजपा के पूर्व शहर अध्यक्ष संजय जैन, महेंद्र गिरधरवाल,सीएस जैन, डॉ. राजीव जैन सहित अन्य लोगों ने शिरकत की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मदनलाल सैनी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

■ 'उन्होंने कार्यकर्ता-आधारित राजनीति को सशक्त बनाने और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने में उल्लेखनीय योगदान दिया'

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वर्गीय मदनलाल सैनी की जयंती के अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश कार्यालय जयपुर में स्व.सैनी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राठौड़ ने उनके राष्ट्रसेवा, संगठन निर्माण और जनकल्याण के प्रति समर्पित जीवन का स्मरण करते हुए कहा कि स्व.मदनलाल सैनी का संपूर्ण जीवन भाजपा की विचारधारा, संगठन के विस्तार और समाज सेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने तथा जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि स्व.सैनी ने अपने सार्वजनिक जीवन में सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया। उन्होंने कार्यकर्ता-आधारित राजनीति को सशक्त बनाने और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके नेतृत्व, समर्पण और कर्मठता को सदैव सम्मानपूर्वक स्मरण किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, भाजपा प्रदेश मंत्री डॉ अपूर्वा सिंह, प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ महेंद्र कुमावत, प्रदेश प्रवक्ता स्टेफी चौहान सहित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके आदर्शों पर चलने तथा राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

तबादलों पर नाराजगी, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने तीन मंत्रियों को तलब किया

■ तबादलों को लेकर पार्टी के भीतर भी नाराजगी खुलकर सामने आई। सूत्रों के अनुसार विधायक जेठानन्द व्यास, बालमुकुंद आचार्य और देवीसिंह शेखावत सहित कई भाजपा विधायक प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ से मिले और उनके क्षेत्रों में अपेक्षित तबादले नहीं होने पर असंतोष जताया

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा 10 जुलाई की रात से तबादलों पर प्रतिबंध लागू किए जाने के बावजूद भाजपा में तबादलों को लेकर असंतोष थमता नजर नहीं आ रहा है। सोमवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में तबादला करवाने, निरस्त कराने और संशोधन की मांग को लेकर कर्मचारियों और उनके परिजनों की भारी भीड़ उमड़ी। प्रतिबंध लागू होने के तीन दिन बाद भी भाजपा कार्यालय में तबादलों से जुड़े आवेदन लिए जाते रहे और सिफारिशों का सिलसिला जारी रहा।

तबादलों को लेकर पार्टी के भीतर भी नाराजगी खुलकर सामने आई। सूत्रों के अनुसार विधायक जेठानन्द व्यास, बालमुकुंद आचार्य और देवीसिंह शेखावत सहित कई भाजपा विधायक प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ से मिले और उनके क्षेत्रों में अपेक्षित तबादले नहीं होने पर असंतोष जताया। इसके बाद प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, मंत्री हेमंत मीणा और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को भाजपा प्रदेश कार्यालय तलब कर तबादलों को लेकर नाराजगी जाहिर की। इस घटनाक्रम ने सरकार और संगठन के बीच समन्वय को लेकर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

भाजपा मुख्यालय में दिनभर तबादला चाहने वाले, तबादला निरस्त करवाने वाले और संशोधन की मांग करने वाले कर्मचारियों की लंबी कतारें लगी रहीं। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी सहित अन्य पदाधिकारी लोगों से आवेदन लेते और उनकी समस्याएं सुनते दिखाई दिए। कई कार्यकर्ताओं ने प्रदेशाध्यक्ष के समक्ष शिकायत की कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से मिलने पर उनकी सुनवाई नहीं होती और आवेदन तक स्वीकार नहीं किए जाते।

प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कर्मचारियों की लंबे समय से मांग थी, इसलिए सरकार ने तबादलों पर लगा प्रतिबंध हटाया और यथासंभव तबादले किए गए। हालांकि उन्होंने माना कि सभी की अपेक्षाओं को पूरा करना संभव नहीं है और अब भी बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंच रहे हैं। वहीं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने प्रदेशाध्यक्ष से मुलाकात को सामान्य बताते हुए कहा कि उनके विभाग में तबादले पूरे हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि विभागीय आवश्यकता के अनुसार अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति करनी पड़ती है तथा अधिक से अधिक परिवेदनाओं के निस्तारण का प्रयास किया गया। दूसरी ओर, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर भाजपा पर महिलाओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। उन्होंने महाराष्ट्र, बिहार और मध्य प्रदेश में केवाईसी के नाम पर महिलाओं के नाम योजनाओं से हटाए जाने का मुद्दा उठाते हुए भाजपा पर चुनाव के बाद लाभार्थियों से वादाखिलाफी का आरोप लगाया।

वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे कर्मचारियों की चेतावनी

जयपुर (निसं)। कोटा मंडल द्वारा जारी कर्मचारी विरोधी नेम नोटिंग पॉलिसी को तत्काल रद्द करने कि मांग को लेकर सोमवार को वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे एम्प्लाईज यूनियन ने डीआरएम के नाम अपर मण्डल रेल प्रबंधक योगेश कुमार मित्तल को ज्ञापन सौंपा। यूनियन के सहायक महामंत्री कॉ. नरेश मालव ने बताया कि मण्डल ने जो नेमनोटिग पोलीसी जारी की थी वह कर्मचारी विरोधी है एंव उसके कारण मण्डल के हजारो कर्मचारियों के हित प्रभावित हो रहे है एंव उनकी वरिष्ठता एंव हक भी प्रभावित हो रहे है। यूनियन फरवरी माह से लगातार प्रशासन को अवगत करा रही है लेकिन प्रशासन द्वारा अभी तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है जिससे कर्मचारियों में आक्रोश हैं। यूनियन के कोषाध्यक्ष कॉ. इरशाद के नेतृत्व मे यूनियन कार्यकर्ताओ ने अंतिम और निर्णायक ज्ञापन सौंपकर कहा कि अतिशीघ्र इस पर आदेश जारी होकर नेम नोटिंग पॉलिसी में परिवर्तन नहीं हुआ तो यूनियन आंदोलन करने पर मजबूर होगी। ज्ञापन देने वाले यूनियन प्रतिनिधी मण्डल मे सहा. मण्डल सचिव बीएन शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

जहरीला पदार्थ खाकर युवक ने सुसाईड किया

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम् इलाके में पत्नी को लेने पहुंचे युवक ने ससुराल आने से पहले जहरीले पदार्थ खा लिया व शराब पी ली, ससुराल में युवक की तबियत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार चेचट निवासी पप्पुलाल का अपनी पत्नी से अक्सर विवाद रहता था, पप्पूलाल पत्नी के साथ मारपीट भी करता था, पप्पूलाल पत्नी को लेने आरकेपुरम् थाना इलाके के बोराबास ससुराल पहुंचा जहां हंगामा करते हुए उसने जहरीले पदार्थ खाकर आने की बात कही, जिस पर ससुराल पक्ष के लोगों ने पप्पूलाल को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। आरकेपुरम् थाने के एएसआई लक्ष्मीनारायण ने बताया कि चेचट निवासी पप्पूलाल अपने ससुराल बोराबास में आने से पहले रास्ते में कोई अज्ञात जहरीले पदार्थ खाकर व शराब पीता हुआ पहुंचा।

पशु चिकित्सक व पशुधन निरीक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

■ ऊंट संरक्षण योजना की अनुदान राशि दिलाने के नाम पर मांगी रिश्वत

जयपुर । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को ऊंट संरक्षण योजना के तहत अनुदान राशि जारी कराने के नाम पर रिश्वत मांगने के मामले में जैसलमेर जिले के मोहनगढ़ स्थित राजकीय प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में ट्रैप कार्रवाई करते हुए एक पशु चिकित्सक और एक पशुधन निरीक्षक को गिरफ्तार किया। आरोपितों ने दो आवेदनों के सत्यापन, टैगिंग और ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी कर अनुदान राशि खातों में डलवाने की एवज में 4 हजार रुपए रिश्वत मांगी थी। इनमें से 1000 रुपए पहले ऑनलाइन ले चुके थे, जबकि शेष 3000 रुपए लेते समय एसीबी ने दोनों को दबोचा।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए एक पशु चिकित्सक और एक पशुधन निरीक्षक को गिरफ्तार किया।

एसीबी हेल्पलाइन पर मिली शिकायत में परिवादी ने बताया था कि उसने और उसके भाई ने राज्य सरकार के पशुपालन विभाग की ऊंट संरक्षण योजना के तहत आवेदन किया था। योजना के अनुसार गर्भवती ऊंटनी के संरक्षण के लिए प्रसव पूर्व तथा प्रसव के बाद ऊंटनी और उसके बच्चे (टोडिये) के लिए 10-10 हजार रुपए की दो किश्तों का अनुदान दिया जाना था।

क्लब के पास बिल्डिंग निर्माण पर हाईकोर्ट की यथास्थिति हटी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट के सामने गोल्फ क्लब के पास बन रही बिल्डिंग के निर्माण पर लगी यथास्थिति को हटा दिया है। अदालत ने निर्माण कार्य को याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रखा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व जस्टिस संदीप तनेजा ने यह आदेश योगेश यादव की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने गत 19 दिसंबर को मामले में यथास्थिति के आदेश दिए थे।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने कहा कि यह जनहित याचिका दो साल की देरी से दायर की गई है और जेडीए की ओर से किया जाने वाला निर्माण कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। इसके अलावा 11 अगस्त 2000 के समझौते के अनुसार क्लब हाउस का निर्माण जेडीए को करना था और इसे गोल्फ क्लब को चालू करना था। गोल्फ कोर्स क्लब के अवैध निर्माण के आरोप अब मायने नहीं रखते, क्योंकि पार्किंग बनाते समय उसे पहले ही हटा दिया जा चुका है। अब नया निर्माण कार्य अगस्त 2000 के समझौते के अनुसार ही हो रहा है और जेडीए अपनी जमीन पर ही यह कार्य कर रहा है। ऐसे में इसे अवैध नहीं कहा जा सकता। इसलिए अदालत निर्माण पर लगी यथास्थिति को हटाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने यथास्थिति को हटा दिया है।

जनहित याचिका में कहा गया कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 14 सितंबर, 2023 को यहां भूतल सहित एक मंजिला इमारत निर्माण का निर्णय लिया गया। निर्णय में माना गया कि पार्किंग के लिए मौजूदा निर्माण को तोडने के बदले यह निर्माण किया जाएगा। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि पूर्व का निर्माण ही अपने आप में अवैध था। इसके अलावा करीब नौ साल पहले राज्य सरकार ने गोल्फ क्लब को यहां निर्माण की अनुमति नहीं दी थी।

अब एआई संभालेगा जयपुर का ट्रैफिक

■ 253 चौराहों पर लगेगा स्मार्ट सिस्टम

■ रामबाग सर्किल पर 39 दिन के ट्रायल निकले 4.88 लाख वाहन सुगमता से

जयपुर। गुलाबी नगरी जयपुर की सड़कों को जाम और प्रदूषण से राहत दिलाने की दिशा में राजस्थान पुलिस बड़ा कदम उठाने जा रही है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा की पहल पर जयपुर का ट्रैफिक अब पारंपरिक फिक्स टाइमर के बजाय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित स्मार्ट सिस्टम से संचालित होगा। जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने डेटा कोर इन्फोटेक के सहयोग से शहर के सबसे व्यस्त रामबाग सर्किल पर 39 दिनों तक एआई आधारित इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) का सफल परीक्षण किया है। ट्रायल के उत्साहजनक परिणामों के बाद अब पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र के 423 चौराहों में से 253 प्रमुख चौराहों पर इस तकनीक को लागू करने की तैयारी है। पूरे प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग ट्रैफिक डीसीपी योगेश गोयल के नेतृत्व में की गई।

ट्रायल की सफलता के बाद इसे चरणबद्ध तरीके से पूरे शहर में विस्तार देने का निर्णय लिया गया है।

डेटा कोर इन्फोटेक के निदेशक बसंत गोस्वामी और ओजस शुक्ला ने बताया कि अभी अधिकांश चौराहों पर रेड और ग्रीन सिग्नल का समय पहले से निर्धारित होता है, चाहे किसी सड़क पर ट्रैफिक कम हो और दूसरी ओर लंबा जाम लगा हो। नया एआई आधारित आईटीएमएस इससे बिल्कुल अलग तरीके से काम करेगा।

चौराहों पर लगाए गए एआई कैमरे 24 घंटे वाहनों की संख्या, कतार की लंबाई और ट्रैफिक दबाव का वास्तविक समय में विश्लेषण करेंगे।

'सीमावर्ती जिलों में विकास से जुड़े कार्यों को दी जाए सर्वोच्च प्राथमिकता'

■ मुख्यमंत्री थार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम एवं डांग/मगरा/मेवात क्षेत्रीय विकास योजनाओं की राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन

जयपुर। कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने सोमवार को पंत कृषि भवन में आयोजित डांग,मगरा एवं मेवात क्षेत्रीय विकास योजना तथा मुख्यमंत्री थार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष2025-26में स्वीकृत प्रगतिरत विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए तथा विभिन्न कारणों से प्रारंभ नहीं हो सके कार्यों को शीघ्र शुरू कराया जाए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने डांग, मगरा एवं मेवात क्षेत्रीय विकास योजना की समीक्षा की।

कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीमावर्ती जिलों में पलायन रोकने,स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर विकसित करने,शिक्षण संस्थानों के सुदृढ़ीकरण तथा आधारभूत अधोसंरचना के विकास से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है तथा विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए।

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि योजनाओं के लिए उपलब्ध कराए गए बजट का उपयोग पूरी पारदर्शिता एवं वित्तीय अनुशासन के साथ किया जाए,ताकि न्यूनतम लागत में अधिकतम विकास कार्य कर अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित किया जा सके।

बैठक में बताया गया कि वर्ष2026-27में मुख्यमंत्री थार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के लिए150करोड़ रुपये तथा डांग,मगरा एवं मेवात क्षेत्रीय विकास योजनाओं के लिए100-100करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

इन योजनाओं की80प्रतिशत राशि संबंधित जिलों को आवंटित कर दी गई है। बैठक में डांग,मगरा एवं मेवात क्षेत्रीय विकास योजना तथा मुख्यमंत्री थार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अंतर्गत स्वीकृत विकास कार्यों की प्रगति,बजट प्रावधान,राशि आवंटन एवं आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई।

बर्थडे पार्टी में दोस्त का कत्ल

■ भरतपुर ओपन जेल के दो सजायाफ्ता कैदी भी थे पार्टी में

■ तीन आरोपित पुलिस हिरासत में, फरार बदमाशों की तलाश तेज

■ ओपन जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

जयपुर। राजधानी के मानसरोवर थाना क्षेत्र स्थित आतिश मार्केट के इक्का क्लब में रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि जन्मदिन की पार्टी खूनी संघर्ष में बदल गई। पार्टी के दौरान एक युवती को थप्पड़ मारने की बात पर हुए विवाद में बदमाशों ने अपने ही साथी अन्नू गुर्जर (25) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी घायल अन्नू को खुद जयपुरिया अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की गंभीरता इसलिए भी बढ़ गई क्योंकि जांच में सामने आया कि पार्टी में शामिल दो आरोपी भरतपुर ओपन जेल के सजायाफ्ता बंदी हैं, जो जयपुर कैसे पहुंचे, इसे लेकर जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस हत्या, आरोपियों के आपराधिक नेटवर्क और ओपन जेल की सुरक्षा व्यवस्था तीनों पहलुओं पर समानांतर जांच कर रही है।

डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि मृतक अन्नू गुर्जर धौलपुर जिले के बसेड़ी का निवासी था और जयपुर में रहकर पढ़ाई कर रहा था। वह अपने ममेरे भाई कुलदीप उर्फ कल्लू गुर्जर के जन्मदिन समारोह में शामिल होने इक्का क्लब आया था। रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि करीब 2 से 2:30 बजे पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर अन्नू ने वहां मौजूद एक युवती को थप्पड़ मार दिया। युवती मुख्य आरोपी अनुज गुर्जर की परिचित बताई जा रही है। थप्पड़ की घटना के बाद विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान क्लब की रसोई में इस्तेमाल होने वाले चाकू से अन्नू पर कई वार किए गए।

Mac and Cheese Day

There are few things in life that bring us back to childhood like the taste of macaroni and cheese, its rich flavourful combination of pasta and rich cheeses never fails to satisfy our palette. National Mac and Cheese Day celebrates this dish and everything it means to us. Celebrating National Mac and Cheese Day is best done by buying one of those beautiful blue boxes and indulging in its flavour. But don't stop there, mac and cheese is an incredibly versatile dish, and you can make an entirely new one by adding a container of tuna fish to the mix.

#REPARATIONS

Suella Braverman Defends Britain's Colonial Legacy!

Posting on X, Braverman wrote that "The British Empire did so much good for the world," while dismissing demands for reparations as having "no basis in law."

The debate over reparations for Britain's former colonies has once again come into focus after former UK Home Secretary Suella Braverman argued that Britain's former colonies should not receive reparations and instead suggested that the British Empire should be viewed as an investment that brought significant benefits to many parts of the world.

Posting on X, Braverman wrote that "The British Empire did so much good for the world," while dismissing demands for reparations as having "no basis in law." Her comments came amid renewed calls from several Caribbean nations, including Jamaica, which has intensified its campaign for reparative justice for slavery and colonialism.

Responding to Braverman's remarks, Jamaican officials and advocates argued that it is becoming increasingly difficult for British institutions to continue relying on what they describe as a long-standing tactic of ignoring demands for historical repair. They maintain that reparations are about acknowledging centuries of exploitation and addressing their lasting economic and social consequences.

Braverman, known for her hardline positions on immigration and national identity, has frequently generated controversy with provocative statements. She previously described homelessness as a "lifestyle choice" in certain circumstances and has argued that Indian nationals represent the largest group of visa overstayers in the UK. After leaving the Conservative Party, she joined Reform UK, further reinforcing her political identity as a strong critic of immigration and multiculturalism.

One phrase often used in discussions of Britain's colonial past is, "Of course, slavery was abhorrent, but..." History also complicates claims that Britain simply ended slavery out of moral conviction. When Parliament passed the Slavery Abolition Act, the British government compensated slave owners, not the enslaved people who had suffered generations of forced labour. Around £20 million was paid to slave owners in the 1830s, a sum equal to roughly 40 percent of the government's annual budget at the time. To finance these payments, Britain borrowed heavily, and the associated government debt was not fully repaid until 2015, meaning British taxpayers contributed to servicing that debt for generations.

Slavery was not a footnote to colonialism; it was one of its central economic engines. For more than 300 years, millions of Africans were trafficked across the Atlantic in one of history's largest forced migrations. Their labour generated enormous wealth that fuelled Britain's industrial and commercial expansion.

The debate extends beyond slavery to colonial rule in places such as India. Before British dominance, India was among the world's largest economies, accounting for a significant share of global output. During colonial rule, that share declined dramatically. Economist Utsa Patnaik has estimated that Britain extracted wealth worth approximately $45 trillion (in today's values) from India between 1765 and 1938.

The British Empire at its height ruled nearly a quarter of the world's landmass and population. Colonies supplied land, labour, raw materials and captive markets that helped power Britain's economic growth. Many historians argue that this represented one of the largest transfers of wealth in history.

The effects of colonialism did not disappear when former colonies gained independence. Across Africa, Asia and the Caribbean, colonial rule left behind economic inequalities, social divisions and institutions that continue to shape development today. Supporters of reparations argue that the issue is not simply about financial compensation. Rather, they see reparations as encompassing formal apologies, educational reforms, debt relief, investment in affected communities and recognition of historical injustices.

Fair-poster.

America's 150th Birthday Celebration Was Deemed the Nation's 'Greatest Flop'

PART:1

"The show is still in a state of undress, not ready at all to answer the doorbell," a California newspaper reported. Speaking with Philadelphia's Bulletin, an Iowa man likened the fair to a birthday dinner held by an acquaintance back home. "He got so darned excited about how many he was going to have, invitations, his speech of welcome and the program of entertainment," the tourist recalled, "he plumb forgot to order any grub. … But the fellow had a sense of humour. 'Come around next birthday and we'll have something to eat,' said he. Maybe, I will."

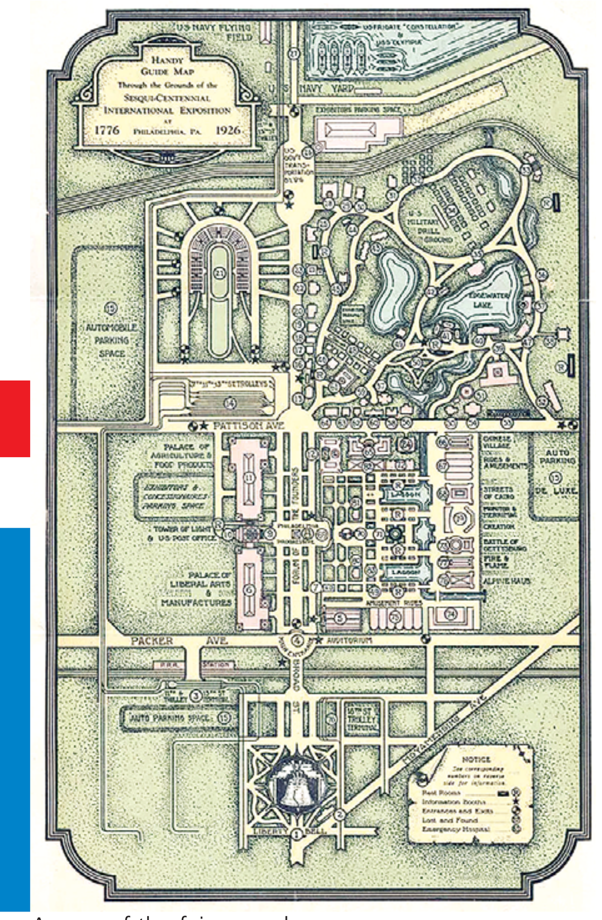

A map of the fairgrounds.

● Bulbul Joshi

#AMERICAN CENTENNIAL EXPOSITION

A century ago, the first visitors to Philadelphia's Sesquicentennial International Exposition, held to mark the 150th anniversary of the United States' founding, waded through mud and wandered along unpaved sidewalks to reach the heart of the fairgrounds, only to find carpenters still at work on half-finished exhibition halls and gaping holes marking the spots where attractions had yet to be built.

Dining and shopping options were limited, and some of the few exhibits on view stretched the very definition of "entertainment." One was a model Post Office where "you could go send yourself a letter and watch it get canceled," says historian Thomas H. Keels, author of *Sesqui! Greed, Graft and the Forgotten World's Fair of 1926.* "That was it."

The 200,000-plus Shriners in town for their fraternal organization's national convention realized that their parades and rallies were the main events planned for these early days of the fair. Many went home disappointed, telling family and friends that the exposition wasn't worth visiting.

"The show is still in a state of undress, not ready at all to answer the doorbell," a California newspaper reported. Speaking with Philadelphia's Bulletin, an Iowa man likened the fair to a birthday dinner held by an acquaintance back home. "He got so darned excited about how many he was going to have, invitations, his speech of welcome and the program of entertainment," the tourist recalled, "he plumb forgot to order any grub. … But the fellow had a sense of humour. 'Come around next birthday and we'll have something to eat,' said he. Maybe, I will."

Held in Philadelphia between May 31 and December 31, 1926, the fair, referred to as the Sesqui, celebrated the 150th anniversary of the United States' founding. Little remembered today, the event was a financial failure that variety deemed "America's greatest flop." Exact figures are hard to come by, but Keels suggests that the fair lost the equivalent of more than $410 million in today's dollars, effectively bankrupting the city of Philadelphia.

The exposition was America's main celebration of the sesquicentennial. Congress authorized the fair and provided limited funding for it, in addition to issuing commemorative coins and encouraging local celebrations, but the scale of federal participation paled in comparison with that of the 1976 bicentennial and this year's 250th anniversary of the signing of the Declaration of Independence.

Attendance at the Sesquicentennial Exposition also failed to match the numbers of Philadelphia's 1876 centennial celebration, which attracted roughly 20 percent of the country's population in an era when planes, cars and luxury liners had yet to make long-distance travel more accessible. Organizers predicted that 30 million people would visit the 1926 fair; ultimately, fewer than five million paid to attend.

What doomed the sesquicentennial? Poor planning and lukewarm reviews by the fair's early visitors contributed to the disastrous outcome. So, too, did the streak of bad weather that plagued Philadelphia during the exposition's run, with rain falling on more than half of the days the fair was open to the public.

Philadelphia Mayor W. Freeland Kendrick.

An aerial view of the Sesquicentennial International Exposition, Public domain via Wikimedia Commons.

Representative William S. Vare.

Although some observers considered the lackluster public response a sign that the golden age of world's fairs had come to an end, Chicago's 1933-34 Century of Progress Exposition proved this prediction wrong, drawing more visitors than any of its predecessors. Overall, Keels attributes the 1926 fair's failure to its "association with what was being viewed as an increasingly corrupt political machine," headed by Pennsylvania Republican William Scott Vare.

After the fair incurred "nationwide ridicule," Keels said, Vare and other local politicians were eager to move on from the endeavour, selling off leftover structures piecemeal "for pennies on the hundreds of dollars." This push to forget the sesquicentennial has reverberated into the present: Just one building constructed for the 1926 fair stands in Philadelphia today.

"When I started to write my book," Keels says, "I was looking for sources, and I would ask people, who were very knowledgeable historians, and the immediate response was, 'Oh yeah, the centennial, Memorial Hall in Fairmount Park.' And it's like, 'No, the other one.'" They'd ask, 'What other one?'

Construction underway in the summer of 1925. Courtesy of the Free Library of Philadelphia.

The inspiration behind the sesquicentennial

In May 1876, John Wanamaker, founder of the Wanamaker's department store chain, welcomed shoppers to his new Grand Depot. Housed in an abandoned railroad depot that had been redesigned in the Moorish Revival style, the store opened just days before the start of the Centennial Exposition. Visitors to the fair flocked to it, impressed by the wide array of goods on display. The experience left a strong impression on Wanamaker, who'd also helped raise funds for the exposition.

The International Electric Time Systems exhibit at the fair.

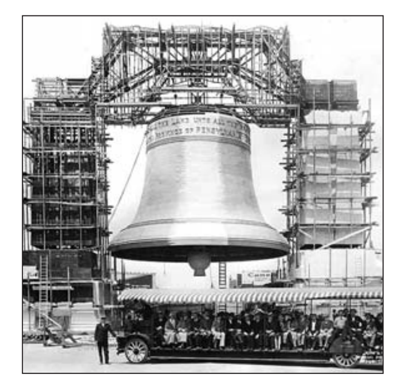

This massive replica of the Liberty Bell was still covered in scaffolding when the fair opened on May 31, 1926. Courtesy of the Free Library of Philadelphia.

Forty years later, in 1916, Wanamaker, by then the last surviving member of the 1876 fair's finance committee, urged his fellow Philadelphians to capitalize on the upcoming sesquicentennial by staging another world-class exposition. Bemoaning political corruption and the city's lack of economic growth, the aging entrepreneur pointed out that preparations for the centennial had started "ten years before the time to get government support and necessary legislation." He asked, "Why not celebrate the century and a half in 1926 and begin to get ready now?" Wanamaker's call to action resonated with the head of the city's Chamber of Commerce, who lent his support to the cause. But plans for a sesquicentennial celebration were soon overshadowed by America's entry into World War I, in April 1917. The campaign picked back up only after the war's end, with Wanamaker, in his 80s by this point, once again at the forefront.

"Until his death in 1922, he was really the guiding force behind the fair," Keels says. Afterward, the historian explains, the effort faltered for several years before it was picked up Vare and Philadelphia Mayor W. Freeland Kendrick "as a great way to advance their careers and line their pockets."

Political corruption and the sesquicentennial

At the turn of the 20th century, Vare and his two brothers amassed a fortune as construction contractors, earning the nickname the "Dukes of South Philadelphia." By 1922, Vare, then serving in the U.S. House of Representatives, had emerged as the city's "undisputed boss," Keels writes for the Encyclopedia of Greater Philadelphia. "During the 1920s, he commanded more political power than any other single Philadelphian before or since."

Vare funneled city contracts to his own company and committed election fraud to keep himself and his cronies in power, reinforcing a Progressive Era journalist's assertion that Philadelphia was "simply the most corrupt and the most contented" municipal government in the country.

In January 1923, the Sesquicentennial Exhibition Association (SCEA), a governing body tasked with organizing the fair, announced plans for a "world festival of peace and progress" that would commemorate the 150th anniversary while reflecting on the achievements of the past 50 years. The committee claimed that the exposition would transform Philadelphia's Fairmount Parkway into a "triumphal way of the Republic" inspired by the harmonious architecture of ancient Rome, at a cost of roughly $15 million (nearly $300 million today).

State and local officials were unwilling to provide such funds for what was a generally unpopular cause. Philadelphians feared tax increases prompted by the fair and objected to the allocation of city funds to commercial interests rather than housing and infrastructure. The effort stalled until early 1924, when the Vare-backed Kendrick took office as Philadelphia's mayor. Kendrick also assumed control of the newly reorganized SCEA, leading the charge to move the fairgrounds from Fairmount Park to a largely undeveloped area in the Vare stronghold of South Philadelphia.

Before construction of the centerpiece Sesquicentennial Stadium could begin, "some mammoth engineering problems had to be resolved, and the marshy land on which the exposition buildings would sit drained and filled," historian Arthur P. Dudden writes in *Philadelphia: A 300-Year History.* This $10-million project "made the fair insolvent even before it began," Keels says, prompting accusations of political corruption. As the New York Times reported, "Charges have been freely made that the whole enterprise is no more than a gigantic real estate scheme to boost realty values in South Philadelphia."

By January 1926, organizers had made little progress with constructing the fair. The stadium sat unfinished, and none of the exhibition halls had been completed. Appalled by the state of the fairgrounds, federal officials suggested delaying the exposition until 1927, pledging additional government funds if such a plan was implemented. But Kendrick flatly refused, insisting that the exposition take place in the actual year of the sesquicentennial.

Keels finds this rigidity perplexing. He points out that the 1893-94 Chicago World's Fair was originally scheduled for 1892, the 400th anniversary of Christopher Columbus' departure from Spain in search of the New World, and that the 1904 St. Louis World's Fair was initially slated to open in 1903, the 100th anniversary of the Louisiana Purchase. "Both were delayed by a year," Keels says. "Both were huge successes."

The Sesqui author argues that Vare was the driving force behind Kendrick's desire to stick to the original timeline. Vare was running for a seat in the U.S. Senate in 1926, and Keels believes that he wanted the fair ready in time for the election. By creating jobs for his constituents, Vare hoped to gain an upper hand in his campaign. "It was really benighted self-interest at the expense of an entire national celebration," Keels says.

Opening the 1926 Sesquicentennial International Exposition

The Sesquicentennial Exposition opened on May 31, 1926, a day earlier than initially planned, to better accommodate Kendrick's fellow Shriners, many of whom had arrived in town early for their national convention.

"All seemed confusion" during the fair's opening week, an official 1929 account of the exposition admitted. The fairgrounds were still abuzz with construction work. In early April, the Bulletin had recounted the frenzy of activity then unfolding in South Philadelphia: "White overalled men dash about like the characters in a rapid-motion movie film," a reporter wrote. "Hammers beat a tattoo like machine gun fire. Saws buzz. Foremen swear. Men shout. Steam shovels hiss and groan under capacity loads." Nearly two months later, this scene remained largely unchanged.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

Memorial Hall, the only surviving major building from the 1876 Centennial Exposition.

#LEADERSHIP

Women Are Doing It...

Nita Ambani, Chairperson of Reliance Foundation and this year's No. 1 ranked Most Powerful Woman, called for a broader definition of leadership

Fortune India hosted the its flagship, Most Powerful Women (MPW) 2026 celebration at the Four Seasons Hotel, Mumbai, on Friday, bringing together India's foremost women leaders from business, finance, technology, healthcare, public policy and entrepreneurship.

The event marked the unveiling of the *Fortune India Most Powerful Women 2026* list, recognising 100 women whose leadership is shaping the country's economic and business landscape.

The evening featured a series of high-impact conversations on the future of leadership, artificial intelligence, financial empowerment, entrepreneurship, inclusion and nation-building.

Among the key moments, Nita Ambani, Chairperson of Reliance Foundation and this year's No. 1 ranked Most Powerful Woman, called for a broader definition of leadership rooted in compassion, inclusion and opportunity, emphasising that investing in girls is fundamental to India's future. Business leaders across sessions highlighted that while AI, geopolitical shifts and rapid technological change are transforming industries, enduring leadership will continue to depend on curiosity, resilience, customer focus and human judgment.

Conversations on financial inclusion underscored that the next phase of women's empowerment lies not just in access to financial services, but in active wealth creation and financial decision-making.

The programme also featured insightful discussions on building inclusive workplaces, creating enduring consumer brands, and the role of nutrition and healthcare in achieving the vision of Viksit Bharat.

With the Most Powerful Women platform continuing to evolve as one of India's most influential forums for leadership, the 2026 edition reaffirmed Fortune India's commitment to recognising women who are driving meaningful impact across business and society.

THE WALL

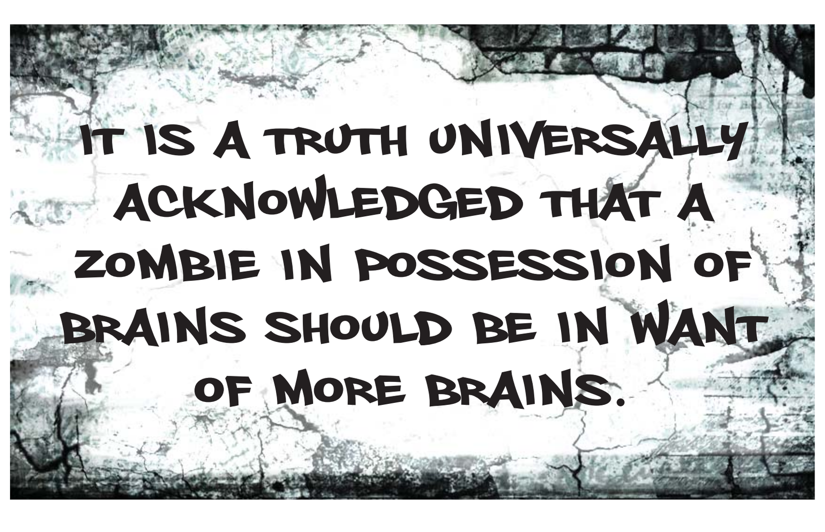

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

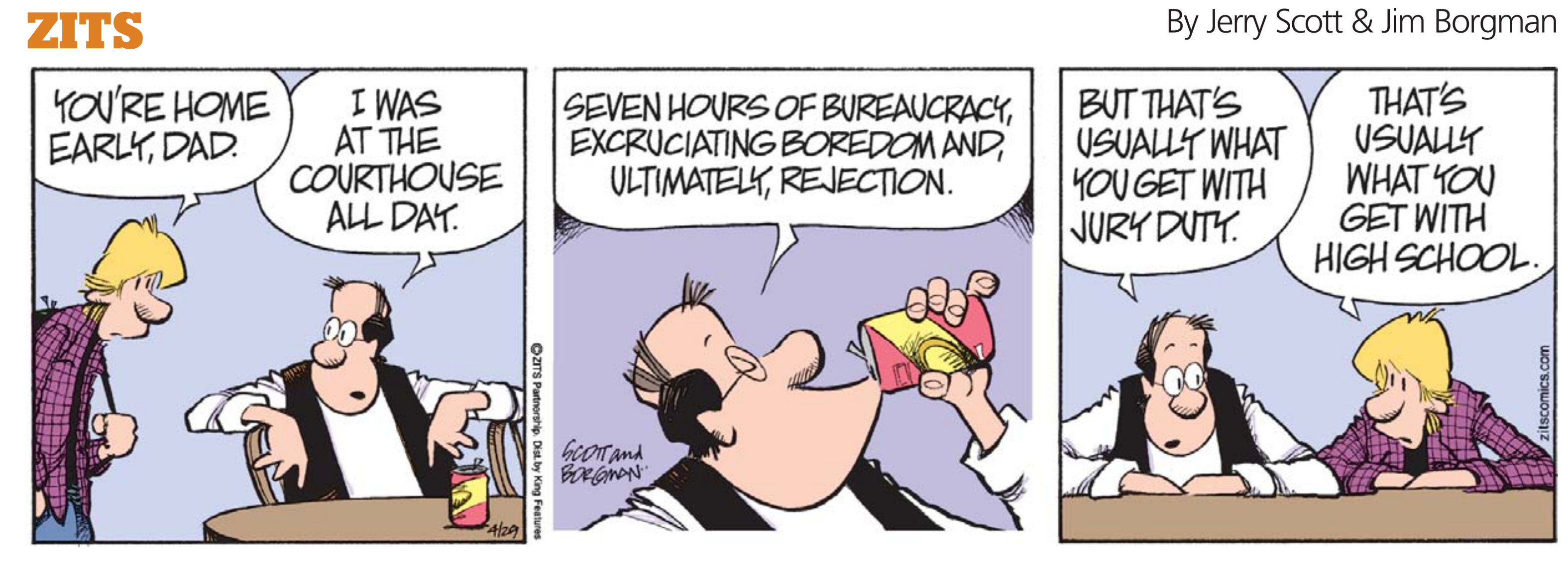

जयपुर, जोधपुर, अजमेर, अलवर कोर्ट को फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली

धमकी भरे ई-मेल के बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ता व सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान चलाया

जयपुर/जोधपुर/अजमेर/अलवर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर और जयपुर पीठ, अजमेर जिला न्यायालय परिसर, अलवर अदालती परिसर को सोमवार सुबह एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद न्यायिक और प्रशासन में हड़कंप मच गया। धमकी भरा ई-मेल मिलते ही पुलिस, सुरक्षा एजेंसियां और बम निरोधक दस्ते को सूचना दी गई। धमकी के बाद जोधपुर हाईकोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई तथा पूरे परिसर की गहन तलाशी ली गई। जानकारी के अनुसार धमकी किसी अज्ञात ई-मेल आईडी से भेजी गई है। सुरक्षा एजेंसियां ई-मेल के स्त्रोत और भेजने वाले की पहचान करने में जुटी हैं।

जयपुर में हाईकोर्ट में फिर बम ब्लास्ट की धमकी :- जयपुर मे राजस्थान हाईकोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल भेजा गया है। इससे पूर्व अब तक हाईकोर्ट को एक दर्जन बार इस तरह की धमकी भरे ई-मेल मिल चुके हैं। मेल मिलने के बाद हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से पुलिस उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। इस पर दौरान जांच एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर हाईकोर्ट की मुख्य बिल्डिंग की गहनता से जांच की। वहीं बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली।

जयपुर हाई कोर्ट परिसर में पुलिस, सुरक्षा एजेंसियां और बम निरोधक दस्ते ने जांच की।

हाईकोर्ट प्रशासन को रात 12 बजकर 19 मिनट पर भेजे इस मेल में कहा गया कि जनमानस को नुकसान पहुंचाना हमारा इरादा नहीं है, लेकिन इमारत को नुकसान होगा। इसलिए 6 जिलेटिन बम प्लांट किए गए हैं। सुबह प्रशासन की ओर से मेल देखने के बाद सुरक्षा एजेंसियों को इसकी सूचना दी गई। कोर्ट समय शुरू होने से पहले सुरक्षा एजेंसियों की ओर से तलाशी पूरी करने से न्यायिक कामकाज बाधित नहीं हुआ। आए दिन धमकी भरा मेल मिलने के बाद भी अब तक इसे भेजने वालों की जानकारी नहीं मिल पाई है। जिसके चलते वकीलों में खासी नाराजगी है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा ने बताया कि कभी यह धमकी वास्तविक घटना में बदल गई तो जान-माल का नुकसान हो सकता है। हाल ही में साइबर सुरक्षा को लेकर आयोजित कार्यशाला में भी हाईकोर्ट को दी जा रही बम ब्लास्ट का मुद्दा उठ चुका है।

अजमेर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी :-अजमेर जिला न्यायालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार सुबह पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। जिला न्यायाधीश को मिले धमकी भरे ई-मेल की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया और सुबह करीब 7:15 बजे सीओ (उत्तर) शिवम जोशी तथा सिविल लाइंस थाना प्रभारी शंभू सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद पूरे न्यायालय परिसर की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। जांच पूरी होने के बाद राहत की बात यह रही कि परिसर पूरी तरह सुरक्षित मिला और किसी प्रकार का विस्फोटक नहीं पाया गया।

अब अलवर डीजे कोर्ट को उडाने की मिली धमकी :- अलवर में भी सोमवार सुबह अदालती परिसर में धमकी का ई-मेल मिलने से हड़कंप मच गया। यह धमकी कोर्ट की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर तमिल भाषा में भेजे गए एक मेल के जरिए दी गई। मेल में दावा किया गया कि कोर्ट परिसर में 6 जिलेटिन बम लगाए गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट मोड पर आ गईं। सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे जब अदालती कामकाज के लिए ऑफिस खुला, तब कर्मचारियों की नजर इस मेल पर पड़ी। मेल की गंभीरता को देखते हुए तुरंत अलवर पुलिस अधीक्षक को मामले की सूचना दी गई। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। ऐतिहासिक महल परिसर स्थित डीजे कोर्ट सहित पूरे अदालती परिसर को खाली करवाकर तलाशी ली गई। करीब दो घंटे तक चली कड़ी जांच के बाद पुलिस को कोई भी संदिग्ध वस्तु या बम नहीं मिला।

छबड़ा के कड़ैयाबन स्थित विद्यालय में शिक्षकों की कमी

छबड़ा, (निसं)। कड़ैयाबन स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों की कमी को लेकर सोमवार को छात्रों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज विद्यार्थियों ने स्कूल के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया और जल्द से जल्द शिक्षकों की नियुक्ति करने की मांग उठाई।

- **नाराज विद्यार्थियों ने स्कूल के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया**
- **विद्यार्थियों ने जल्द से जल्द शिक्षकों की नियुक्ति करने की मांग उठाई**

छात्रों और ग्रामीणों ने मांगों को लेकर धरना दिया।

प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों ने बताया कि विद्यालय में लंबे समय से शिक्षकों की कमी बनी हुई है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उनका कहना था कि इस संबंध में कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ है इस दौरान छात्रों ने नारेबाजी कर अपनी नाराजगी जताई। विरोध प्रदर्शन में ग्रामीण और अभिभावक भी शामिल हुए। ग्रामीणों का आरोप था कि सूचना दिए जाने के बावजूद कोई जिम्मेदार अधिकारी करीब एक घंटे तक मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई। प्रदर्शन के दौरान स्कूल गेट पर ताला लगाकर करीब एक घंटे तक धरना दिया गया।

कार्यरत कार्यवाहक सीबीईओ चंद्रप्रकाश गुप्ता ने बताया कि विद्यालय में कुल 185 विद्यार्थी नामांकित हैं। स्कूल में शिक्षकों के 17 पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में केवल 6 शिक्षक ही कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि कई शिक्षक सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जिसके कारण यह स्थिति बनी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए फिलहाल वैकल्पिक व्यवस्था की गई है तथा रिक्त पदों को भरने के लिए विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों और अभिभावकों ने मांग की है कि विद्यालय में रिक्त पड़े पदों पर शीघ्र शिक्षकों की नियुक्ति की जाए ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारू रूप से चल सके और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

जोधपुर में अवैध मॉडिफिकेशन वाली 10 बसें सीज़

नियमों की अवहेलना करने पर जुर्माना लगाया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में अवैध मॉडिफिकेशन वाली लग्जरी एवं स्लीपर बसों के विरुद्ध सोमवार को कार्रवाई जारी रही। 10 बसों पर कार्रवाई की गई। नियमों के अनुसार संबंधित बसों को सीज़ किया गया तथा उनके चालान बनाए गए।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के सदस्य सचिव के निर्देशानुसार तथा जिला एवं सेशन न्यायाधीश (अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) जोधपुर महानगर दिनेश त्यागी एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश (अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) जोधपुर जिला पूरण कुमार शर्मा के निर्देशों की पालना में सुरक्षित परिवहन के नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा वैधानिक प्रावधानों एवं सरकारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बॉम्बे मोटर चौराहा, कल्पतरु बस स्टैंड एवं बारहवीं रोड चौराहा पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर महानगर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर द्वारा परिवहन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त जांच टीम के साथ औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अवैध रूप से संचालित तथा अनधिकृत संरचनात्मक बदलाव करने वाली स्लीपर एवं लक्जरी बसों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 10 बसों पर नियमानुसार कार्रवाई की गई तथा उन्हें सीज़ कर चालान बनाए गए। विशेष अभियान के दौरान कुल 10 बसों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान विभिन्न नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित बसों के विरुद्ध नियमानुसार चालान बनाए गए तथा नियमों की अवहेलना करने वाले संचालकों पर जुर्माना लगाया गया। वहीं जिन बसों में गंभीर अनियमितताएं एवं अनधिकृत संरचनात्मक बदलाव पाए गए, उन्हें मौके पर ही नियमानुसार सीज़ कर दिया गया।

पूरी कार्रवाई को निष्पक्ष एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के लिए न्यायपालिका, पुलिस एवं परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे। आमजन से अपील की गई है कि स्लीपर एवं लग्जरी बसों की जांच यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा जान-माल की हानि रोकने के उद्देश्य से की जा रही है। इसमें सभी नागरिक सहयोग करें। यदि कोई यात्री किसी ट्रेवल्स एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई करवाना चाहता है, तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, न्यायालय परिसर, जोधपुर महानगर में संपर्क कर स्थायी लोक अदालत में वाद प्रस्तुत कर सकता है।

कोटा में 59 हजार के जाली नोट बरामद, आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके के बपावर कलां क्षेत्र के बाजार में 100-200 सौ के नकली नोटों को चलाने के प्रयास के दौरान सूचना पर बपावर कलां पुलिस टीम ने 59300 रुपये के नकली नोटों सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि बपावर पुलिस को सूचना मिली कि एक एमपी नम्बर की बाइक पर एक बैग सहित युवक संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि उक्त सूचना पर पुलिस

- **नकली नोटों को बाजार में चलाने की योजना थी**

उपअधीक्षक नरेन्द्र जैन के सुपरविजन में थाने के सहायक उप निरीक्षक रामप्रकाश के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम ने विशेष कार्ययोजना बनाकर सूचना के आधार पर मौके पर पहुंचे। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बपावर कलां के बाजार में नकली नोट खपाने के प्रयास में संदिग्ध युवक को डिटेन कर उसके बैग की तलाशी ली, तलाशी के दौरान पुलिस टीम ने बैग में से 100 व 200 रूपये के नकली नोट के कुल 59 हजार 300 रूपये बरामद किये। पुलिस टीम ने मौके पर कार्यवाही करते हुए मध्यप्रदेश के थाना गुना पिपरोदा खुर्द निवासी आनंद कुशवाह (38) को गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि उसने ये नकली नोटा इंस्टाग्राम मित्र रवि से 20 हजार नकद के बदले में प्राप्त किये थे, पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

परिवार पर लाठी-डंडों से हमला, छह घायल

छबड़ा, (निसं)। शहर की मोती कॉलोनी में रविवार को एक परिवार पर कथित रूप से लाठी-डंडों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने इस संबंध में पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित सुरेश कुशवाह ने बताया कि रविवार को अचानक 4 से 5 महिला-पुरुष उनके घर पहुंचे और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट शुरू कर दी। उनके अनुसार हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला किया, जिससे परिवार के कई सदस्य घायल हो गए। कुशवाह के अनुसार, जब परिवार के अन्य सदस्य बीच-बचाव के लिए आए तो उनके साथ भी मारपीट की गई। घटना में करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने घर के बाहर खड़ी वैन और बाइक में भी तोड़फोड़ की। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गए। पीड़ित का कहना है कि पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। घटना के बाद पीड़ित परिवार छबड़ा थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज करवाते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार घायलों का मेडिकल परीक्षण करवाया है।

नीमकाथाना : कॉजेल में व्याख्याताओं के तबादले से छात्रों में आक्रोश

नीमकाथाना, (निसं)। एसएनकेपी कॉलेज में पांच व्याख्याताओं और एक लैब असिस्टेंट के तबादले के विरोध में सोमवार को छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के आ ान पर विद्यार्थियों ने कॉलेज का मुख्य द्वार बंद कर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। छात्रों ने आरोप लगाया कि पहले से ही कॉलेज में शिक्षकों की भारी कमी है, ऐसे में तबादलों से विद्यार्थियों की पढ़ाई पर गंभीर असर पड़ेगा।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना था कि कॉलेज में पीटीआई सहित करीब 20 पद पहले से रिक्त हैं। इसके बावजूद दो दिन पूर्व पांच व्याख्याताओं और एक

- **एसएनकेपी कॉलेज का गेट बंद कर छात्रों ने धरना प्रदर्शन किया**
- **कॉलेज में पीटीआई सहित करीब 20 पद पहले से रिक्त हैं**

लैब असिस्टेंट का तबादला कर दिया गया, जिससे शैक्षिणक व्यवस्था और अधिक प्रभावित होगी। एसएफआई के जिला सचिव विक्रम यादव ने कहा कि जब कॉलेज पहले से ही स्टाफ की कमी से जूझ रहा है तो ऐसे समय में शिक्षकों का तबादला करना विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या सरकार छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रखना चाहती है। प्रदर्शन की सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। कॉलेज प्राचार्य संतोष वर्मा ने छात्रों से वार्ता कर उन्हें शांत कराया और उनकी मांगों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इसके बाद छात्रों ने प्रदर्शन समाप्त करते हुए प्रशासन को तीन दिन का अल्टीमेटम दिया। छात्रों ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय में समाधान नहीं होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

पूर्व एसएफआई नेता एवं अधिवक्ता गोपाल सैनी ने कहा कि कॉलेज में पहले से ही लगभग 20 पद रिक्त हैं। ऐसे में लगातार तबादले शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज को धर्मशाला नहीं बनने दिया जाएगा। सरकार छात्रों के हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने नई शिक्षा नीति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वर्तमान व्यवस्था में परीक्षा, प्रवेश और पढ़ाई का पूरा शैक्षिणक कैलेंडर अव्यवस्थित हो गया है, जिसका खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने रिक्त पदों को शीघ्र भरने तथा स्थानांतरित किए गए शिक्षकों के तबादले पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

कॉलेज की छत से गिरा मजदूर

रामगंजमंडी, (निसं)। चेचट कस्बे के नरसिंह जी के बाग में बन रहे निर्माणाधीन सरकारी कॉलेज में सोमवार सुबह एक हादसा हो गया। प्राप्त जानकारी अनुसार कॉलेज निर्माण कार्य में लगे मजदूर कन्हैयालाल पुत्र कालू भील (40) निवासी रावतभाटा रात में निर्माणाधीन भवन की छत पर सो रहे थे। सुबह नींद में अचानक संतुलन बिगड़ने से वह छत से नीचे गिर गया, जिससे उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की सहायता से घायल कन्हैयालाल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चेचट लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। गंभीर चोट होने के कारण उन्हें तत्काल बेहतर उपचार के लिए झालावाड़ के एसआरजी अस्पताल रेफर कर दिया गया।

गंगापुर सिटी में सड़क किनारे अज्ञात युवक का शव मिला

गंगापुर सिटी, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में सोमवार को गंगाजी की कोठी के पास एक अज्ञात युवक का शव मिला। प्रारंभिक जांच में यह सड़क हादसे का मामला प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने शव को राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

राहगीरों ने सोमवार को गंगाजी की कोठी के समीप सड़क किनारे युवक को गंभीर घायल अवस्था में देखा था। उन्होंने तुरंत पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। हालांकि, एंबुलेंस के पहुंचने से पहले ही युवक की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना अधिकारी करण सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से शव को राजकीय

- **युवक के सिर पर लंबे बाल हैं और दाहिने हाथ पर अंग्रेजी में राजा गुदा हुआ है**
- **आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई है**

अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष है। उसके सिर पर लंबे बाल हैं और दाहिने हाथ पर अंग्रेजी में राजा गुदा हुआ है। इस निशान को पहचान का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है। आसपास के लोगों से पूछताछ के बावजूद मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि हादसे से संबंधित कोई सुराग मिल सके। कोतवाली थाना पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को मृतक की पहचान के संबंध में कोई जानकारी हो, तो वे तत्काल कोतवाली थाना गंगापुर सिटी को सूचित करें। पुलिस ने बताया कि शिनाख्त होने के बाद परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर शव उन्हें सुपुर्द कर दिया जाएगा।

बूंदी शहर के ऐतिहासिक दरवाजे अब पर्यटकों को आकर्षित करेंगे

बूंदी, (निसं)। बूंदी शहर के ऐतिहासिक दरवाजे आने वाले दिनों में पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। शहर की प्राचीन धरोहरों को सहेजने और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इन ऐतिहासिक दरवाजों के संरक्षण व सौंदर्यीकरण का कार्य 14 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। यह पहल भारतीय सांस्कृतिक निधि (इंटेक) चैप्टर द्वारा की गई है।

भारतीय सांस्कृतिक निधि के केंद्रीय कार्यालय के निर्देशन में 14 जुलाई की सुबह इस कार्य का शुभारंभ होगा। कार्यक्रम में जिला कलैक्टर हरफूल

- **ऐतिहासिक दरवाजों के संरक्षण कार्य का शुभारंभ आज होगा**
- **लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से स्वीकृति मिली**

सिंह यादव सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहेंगे। यह कार्य लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के बूंदी में पर्यटन और विकास को गति देने के विजन को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगा।

इंटेक चैप्टर बूंदी के संयोजक राजकुमार दाधीच ने जानकारी देते हुए बताया कि लोकसभा अध्यक्ष के विशेष प्रयासों से ही भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के माध्यम से इस कार्य को स्वीकृति मिली है। उन्होंने कहा कि इन ऐतिहासिक दरवाजों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण से न केवल शहर की

बूंदी शहर के ऐतिहासिक दरवाजों के संरक्षण व सौंदर्यीकरण का कार्य होगा।

सुंदरता में चार चांद लगेंगे, बल्कि देशी-विदेशी पर्यटन को भी नए पंख मिलेंगे। शहर की ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने के इस कार्य में आमजन से भी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई है। इंटेक के सह-संयोजक राजेंद्र कुमार भारद्वाज, सदस्य नंद प्रकाश शर्मा नंजी, अशोक तलवास, जेपी त्रिपाठी, पंकज दादी, मनमोहन अजमेरा, पीयूष पाचक और अनुराग शर्मा आदि ने शहरवासियों से इस संरक्षण कार्य में बढ़-चढ़कर सहयोग करने का आव्हान किया है।

बूंदी की सूरज छतरी व मोरडी की छतरी वापस अपने वैभव में लौटेगी

बूंदी, (निसं)। रानियों के ख्वाब का आईना रही ऐतिहासिक सूरज छतरी व मोरडी की (मयूर) छतरी वापस अपने वैभव में लौटेगी। वन विभाग ने दोनों छतरियों के लिए 25 लाख की टेंडर प्रक्रिया जारी की है।

सेव अवर हेरिटेज फाउंडेशन के अरिहंत सिंह ने बताया कि सूरज छतरी पर सदस्यों के साथ मिलकर नापकर एस्टीमेट बनाकर वन विभाग को सौंप दिया है, ताकि छतरी में सही तरीके से

- **वन विभाग ने दोनों छतरियों के लिए 25 लाख की टेंडर प्रक्रिया जारी की है**

जीर्णोद्धार के कार्य हो सके। वन विभाग ने वेबसाइड पर टेंडर जारी कर दिए है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होते ही सूरज छतरी व मयूर छतरी पर जीर्णोद्धार के कार्य शुरू होंगे। सूरज छतरी में मूर्ति का चबूतरा छतरी का गुम्बद सहित कई कार्य होंगे। मयूर छतरी पर भी पर्यटक आसानी से पहुचे इसके लिए सुगम मार्ग बनाया जाएगा। कार्य पूर्ण होने के बाद पर्यटको के लिए सूर्योदय व सूर्यास्त के पॉइंट बनेंगे जो पर्यटन जो नए आयाम देंगे। बालचन्द पाडा पश्चिम

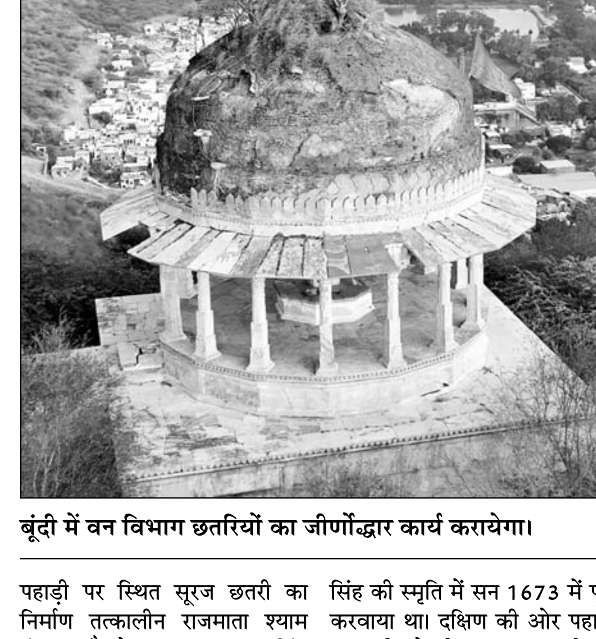

बूंदी में वन विभाग छतरियों का जीर्णोद्धार कार्य करायेगा।

पहाड़ी पर स्थित सूरज छतरी का निर्माण तत्कालीन राजमाता श्याम कंवर राठौर ने पुत्र महाराव भाव सिंह के शासनकाल में महाराव छत्रशाल सिंह की स्मृति में सन 1673 में पूर्ण करवाया था। दक्षिण की ओर पहाड़ी पर बनी मोरडी (मयूर) छतरी का निर्माण रानी मयूरी ने करवाया था।

मारपीट के छह आरोपी गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और जानलेवा हमले के मामले में छह और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस प्रकरण में अब तक नौ आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

सवाई माधोपुर पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। एएसआई धनराज मीना की टीम ने रामनिवास, लाखन, मनीष, धीर सिंह, संतोष कुमार सभी निवासी मैडी, वजीरपुर और अजीत कुमार निवासी नथुआ का पुरा, हिण्डौन सिटी, करौली को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि इससे पहले धर्मेंद्र उर्फ धर्म, आकाश और रुकमकेश को भी इसी मामले में गिरफ्तार किया गया था। सभी आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। यह मामला 31 जनवरी 2026 को मैडी निवासी बनीसिंह मीना द्वारा वजीरपुर थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट पर किया गया। बनीसिंह ने आरोप लगाया था कि शाम करीब 5 बजे बड़ी संख्या में लोग लाठी-डंडों, धारदार और अन्य हथियारों के साथ उनके घर में घुस आए। उन्होंने परिवार पर जानलेवा हमला किया, मारपीट की और लूटपाट व आगजनी का भी प्रयास किया। इस हमले में परिवार के कई सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

सात घंटे बिजली गुल होने बाद ग्रामीणों ने स्टेट हाईवे पर जाम लगाया

बिजली नहीं आने पर गुस्साये ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया।

टोंक। पीपलू थाना क्षेत्र में रविवार रात्रि को पीपलू बस स्टैंड से रानोली रोड स्थित सब्जी मंडी के समीप बिजली के खंभे पर स्पार्किंग के बाद ट्रांसफॉर्मर खराब हो जाने से पूरी रात क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित रही। जिससे गुस्साये ग्रामीणों ने सोमवार शाम तक बिजली बहाल नहीं होने के बाद बिजली आपूर्ति ठप होने, भीषण गर्मी और पेयजल संकट से जूझ रहे। ग्रामीणों ने रानोली रोड स्थित स्टेट हाईवे-121 पर जाम लगा दिया और बिजली निगम के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

> ■ बिजली के खंभे पर स्पार्किंग के बाद ट्रांसफॉर्मर खराब हो जाने से पूरी रात क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित रही।

ग्रामीणों ने बताया कि 17 घंटे से बिजली न होने के कारण पंखे, कूलर और फ्रिज बंद होने से लोग भीषण गर्मी से परेशान है तथा पेयजल का संकट भी गहरा गया है, क्योंकि बिजली न होने से पानी की मोटरें नहीं चल पा रही हैं।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक बिजली निगम के उच्च अधिकारी मौके पर आकर ट्रांसफॉर्मर बदलने या ठीक करने का लिखित आश्वासन नहीं देते और बिजली आपूर्ति सुचारू नहीं की जाती, तब तक उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

टीसी के नाम पर अभिभावकों से खुली लूट

लालसोट। क्षेत्र के कुछ निजी विद्यालयों में ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) जारी करने के नाम पर अभिभावकों से मनमानी वसूली किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि सरकार द्वारा टीसी का शुल्क मात्र 5 रुपये निर्धारित होने के बावजूद कुछ विद्यालय 500 रुपये तक वसूल रहे है। पीड़ित अभिभावक अनिल गुप्ता ने बताया कि जब वे अपने बच्चे की टीसी लेने एक निजी विद्यालय पहुंचे तो उनसे 500 रुपये जमा कराने को कहा गया। उन्होंने स्कूल संचालक से आपत्ति जताई तो स्पष्ट कह दिया गया कि टीसी लेनी है तो 500 रुपये देने ही होंगे। अभिभावकों का कहना है कि शिक्षा विभाग की निगरानी के अभाव में कुछ निजी विद्यालय नियमों की अनदेखी कर मनमानी वसूली कर रहे हैं।

उनका मांग है कि विभाग नियमित निरीक्षण कर ऐसे विद्यालयों पर कार्रवाई करे और अभिभावकों से फीडबैक लेकर व्यवस्था में सुधार लाए। इस मामले में सीबीईओ शीला मीणा ने बताया कि टीसी शुल्क केवल 5 रुपये निर्धारित है। इसके अतिरिक्त विद्यालय 100 से 200 रुपये तक विकास शुल्क ले सकते है।

महिला पदाधिकारियों की नियुक्ति

सांभरझील, (निसं)। राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की तरफ से जयपुर पश्चिम जिला कमेटी के लिए महिला पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

इनमें उपाध्यक्ष पद के लिए संतोष बाजिया, संजना कनावरिया, रश्मि कुमावत, कमला वर्मा, भगवती कुमावत, बीना शर्मा, संतोष वर्मा, सरिता बिलाल को नियुक्त किया गया है। महासचिव की जिम्मेदारी ममता गहनोलिया, सकिला बानो, संतोष कुड़ी, संतोष वर्मा, शिल्पा शर्मा, सुशीला मीणा, सुनीता देवी बैरवा, तनुजा सुनिया को दी गई है।

प्रदेश अध्यक्ष सारिका सिंह के अनुसार मंत्री लाखिवाल, बीना वर्मा, कमला चौधरी, पुष्पा शर्मा, कंचन बाकोलिया, सांभर की श्रीमती कृष्णा सकरवाल, कांता मण्डावरिया, अनिता राजोरिया, ऐसटर जोन, राधा यादव, सजना मेहरडा, सीता देवी यादव, पार्वती शर्मा, लक्ष्मीदेवी मीणा, रिंकी, गंगा देवी गांधी को सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। कृष्ण मेघवाल कोषाध्यक्ष काम देखेंगी। बता दें कि सांभर में पूर्व चेयरमैन कन्हैयालाल सकरवाल के छोटे भाई कैलाश सकरवाल की पत्नी कृष्ण सकरवाल को सचिव नियुक्त किए जाने पर स्थानीय संगठन से जुड़े नेताओं ने परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं ध बधाई दी है।

बैठक में विकास कार्यों की प्रगति पर मंथन

कोटपूतली। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्टर सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विधायक मुंडावर ललित यादव, जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने कहा कि दिशा बैठक का उद्देश्य केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना तथा विकास कार्यों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं की वास्तविक एवं अद्यतन प्रगति प्रस्तुत करें तथा सभी विकास कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराएं। पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सांसद ने जलदाय विभाग को निर्देश दिए कि आमजन को किसी भी प्रकार की पेयजल समस्या का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने जल जीवन मिशन के स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों, कंटीजेंसी एवं इमरजेंसी प्लान, पेयजल स्त्रोतों, ट्यूबवेलों तथा जिले की वर्तमान जलापूर्ति व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न मदों में स्वीकृत पेयजल परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूर्ण करने तथा सभी सरकारी भवनों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में शत-प्रतिशत पेयजल कनेक्शन एवं नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान सांसद ने निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग करने, विद्युत लाइनों एवं ट्रांसफार्मरों के रखरखाव तथा मरम्मत कार्यों में तेजी लाने और घरेलू एवं कृषि विद्युत कनेक्शनों के लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, बैंकिंग, पशुपालन विभागों की योजनाओं की भी समीक्षा की गई।

महाविद्यालय में ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

निवाई। राजकीय महाविद्यालय में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर के आदेशानुसार प्राचार्य डॉ. मीनाक्षी बघेल की अध्यक्षता में नव प्रवेशित विद्यार्थियों को आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित हुई। प्राचार्य डॉ मीनाक्षी बघेल ने विद्यार्थियों को सफलता का मूल मंत्र अनुशासन, नियमितता, आपसी संवाद, नियमित गतिविधियों में सहभागिता द्वारा कामयाबी के शिखर पर पहुंचने का संदेश दिया। कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर उषा बागडी ने बताया कि कार्यशाला में सर्वप्रथम नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। प्रोफेसर मदन महावर ने महाविद्यालय की आधारभूत संरचना से रूबरू करवाया एवं प्रोफेसर अजयकुमार मीणा ने अकादमी शाखा की जानकारी दी। डॉक्टर प्रभा गुप्ता ने बताया कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है। डॉ. सोना अठावाल ने छात्र हित से जुड़ी सभी छात्रवृत्तियों की विस्तार से जानकारी दी। एनएसएस अधिकारी रूपा चौधरी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, इसी के साथ नशा मुक्ति नोडल प्रभारी राजेशकुमार मीणा ने नशा नाश की जड़ है, यह समझाते हुए नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया और महाविद्यालय में आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं व खेल सप्ताह के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ सुमन द्वारा किया गया।

> ■ नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर किया स्वागत

नाम परिवर्तन

मैं मो. जुबेर खान (Mohd Zuber Khan) ने अपना नाम मोहम्मद जुबेर खान (Mohammad Zuber Khan) से बदलकर मो. जुबेर खान (Mohd Zuber Khan) कर लिया है, मो. जुबेर खान (Mohd Zuber Khan) पुत्र श्री अब्दुल रऊफ खान निवासी H.M. रेजीडेंसी, प्लॉट नंबर 107, उद्योग नगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये।

मैं, आशी काला (Aashi Kala) से नाम बदलकर अब आशी काला (Ashi Kala) पुत्री श्री अखिल काला (D/o Akhil Kala), रख लिया है भविष्य में मुझे मेरे नए नाम आशी काला (Ashi Kala) के रूप में जाना जाए। निवासीः फ्लैट नंबर 502, रॉयल रेगलिया, सुखीजा विहार, गणपतपुरा, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान- 302020

मैंने अपना नाम सयाम काला (Sayam Kala) से बदलकर संयम काला (Saiyam Kala) कर लिया है, जो कि अखिल काला (Akhil Kala) के सुपुत्र (S/o) हैं। भविष्य में मुझे मेरे नए नाम संयम काला (Saiyam Kala) से जाना जाए। पताः फ्लैट नंबर 502, रॉयल रेगलिया, सुखीजा विहार, गणपतपुरा, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान- 302020

I have changed my name from Naveen Kumar Jain Vaidya to Naveen Vaidya for all future purposes. Address: Plot No. 146-147, Girraj Nagar, Khejdo Ka Bas, Mansarovar, Jaipur

I have changed my name from Varsha Kumari Mishra to Varsha Mishra. I wish to be known by this name in future. Address:C-309 Mahesh Nagar Jaipur

After marriage I have changed my name from Minakshi Dolatram Warde to Kirti Khatri W/o Sunil Kumar Khatri for all future purposes. Address: 5/337, Gaj Path, SFS, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur

I have changed my name from Ratan Kumar Jain S/o Omprakash Jain to Ratan Kumar Khandaka S/o Omprakash Khandaka for all purposes R/o D-220 A, Bhaskar Marg, Banipark, Jaipur

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना सर्व साधारण का सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण मुन्ना पुत्र शमशुद्दीन व आबिदा पत्नी मुन्ना निवासीगण:- मकान नम्बर 1, ईमली वाले बाबा की दरगाह के पास हाजी कॉलोनी जयपुर का पुत्र व पुत्रवधु गुड्डू उर्फ फुरकान व उसकी पत्नी सफीना उनके कहने में नही है। एवं मेरे अभिभाष्या का कहना नही मानते है एवं लड़ाई झगड़ा करते है इसलिये मेरे अभिभाष्यगण इन दोनो से दुखी है और समाज मे इनके कारण काफी अत्यधिक बदनामी व परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस लिये मेरे अभिभाष्यगण ने अपने पुत्र गुड्डू उर्फ फुरकान व इनकी पुत्रवधु सफिना को अपनी चल व अचल सम्पत्ती से बेदखल करते हुए अपने सम्बन्ध समाप्त कर लिये है भविष्य मे कोई भी व्यक्ति एवं सस्था मेरे अभिभाष्यगण के पुत्र गुड्डू उर्फ फुरकान व पुत्रवधु सफीना से कोई भी लेन देन संव्यवहार करेगा तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा सूचित रहे

जयपुर (पी.एम खान) एडवोकेट
दिनांक मो.-9351253799

आम सुचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण 1 छोटी लाल चितौड़िया पुत्र स्व. श्री बालचंद चितौड़िया 2, श्रीमती आशा देवी पत्नी छोटी लाल चितौड़िया निवासीगण-बी 24, बासखो हाउस, गंगापोल, गोविन्द नगर पूर्व, आमेर रोड, जयपुर के रहने वाले हैं मेरे अभिभाष्यगण का छोटा पुत्र यश चितौड़िया काफी समय से मेरे अभिभाष्यगण के कहेनुसार नही चलने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियों से वेदखल कर दिया है, मेरे अभिभाष्यगण का अब अपने छोटे पुत्र यश चितौड़िया से कोई सम्बन्ध व सरोकार नही रहा है, आज के बाद जो भी यश चितौड़िया से संव्यवहार करेगा या रखेगा तो उसकी समस्त जिम्मेदारी मेरे अभिभाष्यगण व उसके परिवारजन की नही होगी। सूचित रहे।

(दीन दयाल) एडवोकेट, मो.-9785311379

आम सुचना सर्व साधारण को सुचित किया जाता है, कि म.नं 795 पश्चिम मुखी जिसमें दो मंजिला पूर्ण निर्माण है। तीसरी एवं चौथी मन्जिल पर एक-एक कमरा बना है स्थित बावा हरीशचन्द्र मार्ग, चौकड़ी तोपखाना देश, जयपुर का एक मात्र मालिक, स्वामी व काबिज स्व. श्री इकरामुद्दीन कुरैशी के वारिसान् मोहम्मद रफीक है। कोई भी किसी अन्य व्यक्ति या संस्था से म.नं 795 नही खरीदे। अन्यथा स्वयम् जिम्मेदार होंगे।

जयपुर (फराज हुसैन) एडवोकेट
दिनांक-13/7/26 मो.नं:-9929797865

कार्यालय उपायुक्त (विद्याधर नगर जोन) नगर निगम जयपुर
(अम्बाबाडी सामुदायिक केन्द्र, अम्बाबाडी सर्किल, जयपुर)
क्रमांक:-एफ.55 () वि. जोन / न.नि.ज./2026/553
दिनांक : 10/07/2026

सार्वजनिक सूचना भूखण्ड सं. 5-बी, प्रेम नगर 1-ए, झोटवाडा, जयपुर (श्री जनता गृह निर्माण सहकारी समिति) जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्रीमती दीपाली महाराना पत्नी श्री आनन्द महाराना के पक्ष में क्षेत्रफल 136.70 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। श्रीमती दीपाली महाराना पत्नी श्री आनन्द महाराना ने जरिए पंजीकृत वसीयत पत्र दिनांक 19.06.2026 को उक्त भूखण्ड श्रीमती संघमित्रा महाराना पुत्री श्री आनन्द महाराणा के पक्ष मे वसीयत कर दी गई। श्रीमती दीपाली महाराना पत्नी श्री आनन्द महाराना की दिनांक 30.05.2026 को मृत्यु हो गई। श्रीमती संघमित्रा महाराना पुत्री श्री आनन्द महाराणा ने जरिए पंजीकृत मुख्तयारनामा आम दिनांक 22.06.2026 को उक्त भूखण्ड पर अंजू पुत्री श्री काना राम को अपना मुख्त्यार आम नियुक्त कर दिया। अंजू पुत्री श्री काना राम द्वारा भूखण्ड संख्या 5-बी, प्रेम नगर 1-ए, झोटवाडा, जयपुर (श्री जनता गृह निर्माण सहकारी समिति) क्षेत्र, 136.70 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बावत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस मे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

उपायुक्त, विद्याधर नगर जोन नगर निगम जयपुर

खोया पाया

मेरे मकान 13/E/352 इंदिरा गांधी नगर जगतपुरा जयपुर का मूल अलॉटमेंट लेटर मालवीय नगर में कहीं गिर गया है मिलने पर सूचित करें मधु बाला 9610105444

मेरे प्लाट नंबर 165-B VISHVESHWARIYA NAGAR जयपुर के मूल दस्तावेज जेडीए से जारी जेडीए पट्टा, साइड प्लान एवं स्टांप पेपर खो गए है मिलने पर सूचित करें - मोहनलाल वर्मा मो -9928362623

मेरे मकान सं. 11/10 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का मूल भौतिक कब्जा पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें- 8560026475

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 665/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री किशोर कुमार शर्मा, निवासी 2 क्यू-26/2 वार्ड नम्बर 44, आर सी व्यास कालोनी, भीलवाडा राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास राजस्थान बेडमिंटन एसोसिएशन, 63/141, सांगानेर, श्योपुर, प्रतापनगर जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 4.6.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 11.8.26

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 683/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि डॉ. कैलाश चन्द गर्ग, निवासी ए 22, बहादुर मार्ग, जे एल एन मार्ग, जयपुर राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास भगवान मंगलेश्वर मानव सेवा ट्रस्ट, ए 26, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 9.7.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 17.9.26

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

कार्यालय नगर पालिका मण्डल सांभर लेक (जयपुर)

क्रमांक-न.पा.सा./2026-27/869 दिनांक-13/2/26

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शहरी सेवा शिविर-2026 अन्तर्गत आवेदकों द्वारा दस्तावेज के सबूत पेश कर 69-क/स्टेट ग्रांट / सुओमोटो/भूमि नियमन पट्टो हेतु आवेदन किया हैं :-

क्र.सं.	आवेदक का नाम	भूखण्ड का विवरण	क्षेत्रफल
1	श्री कपिल सोनी पुत्र श्री राजेश सोनी निवासी सांभर लेक	बड़ा बाजार सांभर लेक	47.36 वर्गगज
2	श्री राजेश सोनी पुत्र श्री घासी राम सोनी निवासी सांभर लेक	बड़ा बाजार सांभर लेक	46.07 वर्गगज
3	श्री रामप्रसाद शर्मा पुत्र श्री मदनलाल निवासी सांभर लेक	कालानियो की गली सांभर लेक	158.80 वर्गगज
4	श्रीमति फुला देवी पत्नि श्री नानक राम गुर्जर निवासी सांभर लेक	पुराना किला सांभर लेक	146.63 वर्गगज
5	श्री ताराचंद स्वामी पुत्र श्री सांवलदास निवासी सांभर लेक	पोस्ट ऑफिस के पास सांभर लेक	117.24 वर्गगज
6	श्रीमति मंजू देवी पत्नि स्व. श्री पूनमचन्द निवासी सांभर लेक	रेगर मोहल्ला सांभर लेक	99.30 वर्गगज
7	श्री प्रकाश चन्द प्रजापति पुत्र श्री फूलचन्द प्रजापति निवासी सांभर लेक	देवयानी रोड छोटा बाजार सांभर लेक	42.07 वर्गगज
8	श्री राकेश सामरिया पुत्र श्री रामसहाय सामरिया निवासी सांभर लेक	अग्रवाल धर्मशाला के पीछे सांभर लेक	96.22 वर्गगज

अतः उपर्युक्त आवेदको के पक्ष में पट्टा अभिलेख जारी करने बावत किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज इस सूचना के जारी होने से 7 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत कर दे। बाद मियाद प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा। सूचना में अंकित अवधि पश्चात पत्रावली के निस्तारण की कार्यवाही की जावेगी। दस्तावेज / साक्ष्य के प्रस्तुतीकरण के अभाव में नियमन / पट्टा जारी नही होने के लिये आवेदनकर्ता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका सांभर लेक

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक : नियमन / 2026 / 66 दिनांक : 13.07.2026

सार्वजनिक विज्ञप्ति

आवेदिका श्रीमती नीलम कुमारी पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह निवासी 56, मडरपुर रोड़, यश विहार कॉलोनी, घासीराम नगर, भरतपुर द्वारा योजना ब्रिगेडियर घासीराम नगर आवासीय भूखण्ड संख्या 592 क्षेत्रफल 166.66 वर्गगज के नाम हस्तान्तरण हेतु ऑनलाइन आवेदन किया है।

प्राधिकरण द्वारा उक्त भूखण्ड का पट्टा दिनांक 31.01.2024 को श्रीमती भावना शौकीन पत्नी श्री सुमेश शौकीन के पक्ष में जारी किया गया है। जो कि उपपंजीयक कार्यालय में दिनांक 08.02.2024 को पुस्तक सं० 01 जिल्द संख्या 1334 में पृष्ठ सं० 79 क्रम संख्या 202403098101324 पर पंजीबद्ध है। आवेदिका द्वारा भूखण्ड श्री रामप्रताप पुत्र स्व० श्री घासीराम ब्रिगेडियर वहैसियत मुख्त्यारआम श्रीमती भावना शौकीन पुत्री श्री रामप्रताप व पत्नी श्री सुमेश शौकीन से जरिये रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 19.06.2026 जो कि उप पंजीयक कार्यालय भरतपुर में पुस्तक सं० 01 जिल्द सं० 1465 में पृष्ठ सं० 100 क्रम संख्या 202603098105460 पर पंजीबद्ध है, से क्रय किया है। अतः आवेदिका श्रीमती नीलम कुमारी पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह के पक्ष में उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण किये जाने में किसी व्यक्ति या संस्था आदि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। गुजरने म्याद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

कार्यालय महाप्रबंधक राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड,

क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर अरावली भवन, संस्थानिक क्षेत्र झालाना डूंगरी जयपुर-302004 मोबाइल नं0 9982218485

क्रमांक एफ ( ) उत्पादन / RSFDCLROJ / 2026-27 / 23260630 दिनांकः- 07.07.2026

लकड़ी नीलामी सूचना

सर्वसाधारण विशेषकर लकडी व फर्नीचर के व्यापारियों / प्लाईवुड, पेपर मिल मालिकों को सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार स्थापित अस्थाई वन विक्रय केन्द्र पर इमारती लकडी, जलाऊ लकडी एवं वृक्षों के ठूठों की नीलामी सम्मुख अंकित तिथि एवं समय पर की जाएगी। अतः इच्छुक क्रेतागण नियत तिथि व समय पर व्यक्तिशः उपस्थित होकर या विधिवत् मुद्रित पत्र पर अपने अधिकृत प्रतिनिधि को भेजकर खुली नीलामी में भाग ले सकते है। नीलामी साइड पर पड़ी लकड़ी का निरीक्षण किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में किया जा सकता है।

क्र.सं.	नीलामी स्थल का नाम	नीलामी तिथि एवं समय
1.	अस्थाई डिपो वनपाल नाका दौलतपुरा रेंज आमेर	प्रत्येक माह की 14 तारीख को दोपहर 1.00 बजे से

- नीलामी चट्टेवार (Lot Wise) जहां है, जैसी है के आधार पर की जावेगी।
- बोलीदाता को बोली लगाने के पूर्व अपना मूल फोटो पहचान पत्र एवं पते का प्रमाण पत्र (मय एक-एक छाया प्रति) जमा कराकर नगद राशि रूपये 25,000/- अक्षरे पच्चीस हजार मात्र अमानत राशि बोली प्रारम्भ होने से पूर्व जमा करवाने के उपरांत नीलामी में बोली लगाने का अधिकार होगा।
- सफल बोलीदाता को नीलामी राशि का 25% राशि एवं (GST) तथा आयकर राशि चैक/डीडी से नियमानुसार मौके पर नीलामी के दिन ही जमा करानी होगी। अन्यथा अमानत राशि जब्त की जाकर पुनः नीलामी की जावेगी।
- बोलीदाता को नीलामी समय पूर्व विभागीय वेबसाइट पर SSO ID के FMDSS MODUL के माध्यम से पंजीयन कर नीलामी हेतु आवेदन करना अनिवार्य है।
- शेष 75 प्रतिशत बकाया राशि 7 दिवस में जमा करा कर दखल प्राप्त कर माल 30 दिवस में निकास करना होगा अन्यथा पूर्व में जमा राशि जब्त कर पुनः नीलामी की जावेगी।
- नीलामी की विस्तृत शर्ते व अन्य जानकारी कार्यालय महाप्रबंधक राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर/प्रबंधक, राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर में देखी जा सकती है।
- नीलामी की उचित बोली नहीं आने पर निरस्त एवं स्थगित करने का अधिकार बिना कारण बताये अधोहस्ताक्षरकर्त्ता को होगा। नीलामी निरस्त होने की दशा में अगली नीलामी अगले माह की उसी तारीख को की जावेगी।
- नीलामी दिनांक को राजकीय अवकाश होने पर आगामी कार्य दिवस को नीलामी की जावेगी।

महाप्रबंधक
राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर

राज.संवाद/सी/26/6775

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक / शहरी सेवा शिविर/न.नि.भ./2025-28/0062 दिनांक :- 13.07.2026

आपत्ति सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम भरतपुर शहरी क्षेत्र में निम्न आवेदकों द्वारा स्टेट ग्रान्ट एक्ट / नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 69ए / स्टेटग्रान्ट / कच्ची बस्ती का पट्टा चाहने हेतु ऑनलाइन आवेदन कर पत्रावलियों प्राप्त हुई हैं। यदि इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशित होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मय साक्ष्य प्रस्तुत करें। बाद अवधि के किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा बाद समस्त जाँच के आवेदक को स्टेट ठान्ट एक्ट / नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 69ए के तहत् / कच्ची बस्ती के तहत पट्टा जारी किये जाने की अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी।

क्र. स.	फाईल नम्बर	आवेदक का नाम	पिता/पति का नाम	वार्ड नम्बर	पता	पटटे का प्रकार
1	402990	शीला देवी	वीर सिंह	26	कोतवाली बडा बाजार भरतपुर	69ए
2	403008	राजेश कुमार	भारत सिंह	23	पथैनिया मौहल्ला भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
3	403044	पूरन सिंह	समुंदर सिंह	NA	जाटौली घना भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
4	403045	सुषमा खंडेलवाल	संतोष खंडेलवाल	27	अनाहगेट बजरिया भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
5	403066	सिखा शर्मा	अश्विन कुमार	19	नीमदा गेट भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
6	403398	देवेन्द्र अग्रवाल	महेन्द्र अग्रवाल	24	मेन बाजार रोड भरतपुर	69ए
7	403532	राम कुमार	सुरेश चन्द्र	NA	आदर्श कलोनी भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
8	403779	कलावती	मंगल सिंह	32	गुलाल कुंड भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
9	403869	दरावो कोर	अतर सिंह	22	अटलबंद धाउ पायसा भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
10	404521	आशा देवी	रमेश चंद	30	गुलाल कुंड भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
11	404872	मीरा शर्मा	मुकेश कुमार शर्मा	23	गंगा मन्दिर भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
12	405220	मोहन सिंह	मूला राम	50	नौह बछामदी भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
13	405263	सुरेश चन्द वर्मा	जीवन राम	23	पुराना लक्ष्मण मन्दिर भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
14	405337	हिमानी अग्रवाल	जुगेन्द्र अग्रवाल	30	न्यू आदर्श कलानी भरतपुर	69ए
15	405498	भगवान सिंह	सोपातिया	33	पुराना बिजली घर भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
16	405548	विरेन्द्र गोपालिया	गोपालस्वरूप	41	गंगा मन्दिर भरतपुर	69ए
17	405549	लज्जा देवी	श्रीपत	10	सेवर भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
18	405623	नीता गर्ग	प्रवीन कुमार गर्ग	33	मोरी चार बाग भरतपुर	69ए
19	405907	पूर्णिमा जैन	राजकुमार जैन	29	नमक कटरा भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
20	405942	गया लाल	धर्म सिंह	30	सूरजपोल गेट भरतपूर	स्टेटग्रान्ट
21	405974	उमेश कुमार अग्रवाल	नवीन चन्द गुप्ता	39	मोरी मौहल्ला भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
22	406102	शंकर चाहर	शंभू दयाल	21	नीमदा गेट भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
23	406303	शोभित खंडेलवाल	विशम्भर खंडेलवाल	35	गंगा मन्दिर भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
24	407031	ठाकुर दास	मदन लाल	NA	नदिया मौहल्ला भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
25	407075	टीकम राम	लल्लू राम	NA	मथुरा गेट भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
26	407147	पप्पू सिंह	ईश्वर सिंह	NA	गुलाल कुंड भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
27	407400	रजनी कुमारी	राजवीर	17	बडा मौहल्ला भरतपुर	69ए
28	407712	शिशुपाल	रघुवीर सिंह	28	गोपालगढ भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
29	407815	राशिद कुरैशी	बुधा कुरैशी	23	गंगा मन्दिर भरतपुर	69ए
30	408711	विरेन्द्र सिंह	रोशन सिंह	2	मडरपुर भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
31	408723	किशन देई	हरिपाल	10	सेवर भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
32	408778	कुशलपाल सिंह	डूंगर सिंह	28	गोपालगढ भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
33	408852	आजम खान	हाजी असलमखान गौरी	30	गोपालगढ भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
34	408921	पदम सिंह	दोजिराम	1	रहमान पुरा भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
35	409011	देवी सिंह	सामंत	15	मलाह भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
36	409088	ब्रजेश कुमार	मूल चंद शर्मा	21	नीमदा गेट भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
37	410630	विजय खुराना	जोगेन्द्र पाल खुराना	40	मोरी चार बाग	स्टेटग्रान्ट
38	409178	विद्या देवी	गुलाब चंद	20	अनाह गेट भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
39	409213	राजेश तोमर	अयोध्या सिंह तौमर	33	बुध की हाट भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
40	409268	शारदा अग्रवाल	नैमी चंद	32	मथुरा गेट भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
41	409319	राजेन्द्र सिंह	श्याम लाल	39	जामा मस्जिद भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
42	409355	सुरेश चन्द शर्मा	गिर्राज प्रसाद शर्मा	NA	गोपालगढ भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
43	409357	सम्पत	लक्ष्मी चंद	18	अनाहगेट बजरिया भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
44	409387	राम स्वरूप	भजनलाल	15	मलाह भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
45	415842	अजमत सिंह	छत्तर सिंह	28	मौहल्ला गोपालगढ, भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
46	409623	दुगेश भारतीया	महेश भरतीय	33	बी नारायण गेट भरतपुर	69ए
47	409896	कन्हैया लाल	नानिगा राम	NA	बी नारायण गेट भरतपुर	69ए
48	410130	सुनील कुमार	महेश कुमार गोयल	NA	अनाह गेट भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
49	410182	अमर हुसैन	रमजान	NA	सूरजपोल गेट भरतपूर	स्टेटग्रान्ट
50	410519	सुरेन्द्र कुमार	राधे लाल अग्रवाल	26	नमक कटरा भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
51	428078	राजेन्द्र सिंह	मोहन सिंह	41	बी-नारायण गेट भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
52	428134	जनक सिंह	मोहन सिंह	41	बी-नारायण गेट भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
53	428486	मीना	जवाहर खान	36	गोपालगढ भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
54	428490	जरिये प्रिसिपल श्री श्यामवीर सिंह	उ0प्रा0वि0 गिरधरपुर	1	उ0प्रा0वि0 गिरधरपुर	69ए
55	428599	मधू शर्मा	राजेन्द्र तिवारी	58	स्टेशन रोड भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
56	428609	लक्ष्मण प्रसाद	श्री दौजीराम	34	मथुरा गेट भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
57	429018	संतोष	श्याम सुन्दर	41	बुध की हाट भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
58	429205	वनय सिंह	नवल सिंह	17	तिलक नगर भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
59	429311	सुभाष जैन	रामजी लाल	23	बुध की हाट भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
60	429445	उमेश चंद	नीलकन्ठ सिंह	12	अनाह भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
61	282784	राजेन्द्र कुमार शर्मा	श्याम बाबू	27	सहयोग नगर भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
62	429487	जग्गोराम	छिंगा राम	38	नगर निगम के पीछे भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
63	429491	भोलाराम	दौजी राम	20	अनाह गेट भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
64	429515	पवन कुमार	श्याम लाल	7	गगुलपुरा भरतपुर	स्टेटग्रान्ट
65	429528	मुकेश कुमार	मोहन लाल	41	सीटी हॉस्पिटल के पीछे भरतपुर	स्टेटग्रान्ट

प्राधिकृत अधिकारी
नगर निगम, भरतपुर

संक्षिप्त

सृष्टि जैन निवाई तहसीलदार के पद पर नियुक्त

निवाई। राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से किए गए नवीन प्रशासनिक फेरबदल के तहत निवाई तहसील को नई तहसीलदार मिल गई हैं। सरकार के जारी स्थानांतरण आदेशों के अनुसार सृष्टि जैन को निवाई तहसील का नया तहसीलदार नियुक्त किया गया है। वहीं वर्तमान में पदस्थ तहसीलदार नरेश गुर्जर का स्थानांतरण टोंक किया गया है। पदभार ग्रहण करने के बाद सुश्री सृष्टि जैन से राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों में नई गति और पारदर्शिता आने की उम्मीद की जा रही है। तहसील कार्यालय के भूमि रिकॉर्ड, नामांतरण, सीमांकन, राजस्व प्रकरणों सहित आमजन से संबंधित कार्यों के समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण को उनकी प्राथमिकता माना जा रहा है। साथ ही जनसुनवाई को और अधिक सुलभ बनाने पर भी विशेष फोकस रहेगा।

जिला कार्यकारिणी का गठन

टोंक। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (आई,एफ,डब्ल्यू,जे,) के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राठौड़ के निर्देशन में संगठन के अजमेर संभाग प्रभारी प्रवीण बोथरा की अनुशंसा पर जिला इकाई कार्यकारिणी का गठन सोमवार को किया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष प्रेम रघुवंशी ने बताया कि संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर पत्रकारों की नियुक्ति की गई है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि मार्गदर्शक मंडल में रामपाल राकेट, निर्भयराम मीणा, अजय जैन एवं अशोक सक्सेना को तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर गोविंद सिंह सेठी को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार उपाध्यक्ष पद पर राहुल राजवंशी, दौलत पारीक, विजय लखानी, अशोक सैनी तथा निर्मल गुप्ता को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वही संगठन महामंत्री विनोद सांखला को बनाया गया है तथा सचिव पद पर प्रिया गौतम, अनीश भारतीय, मुन्ना नमदगार, घनश्याम शर्मा एवं याकूब अली को मनोनीत किया गया है। इसके अलावा कोषाध्यक्ष पद पर अवधेश पारीक एवं प्रवक्ता के रूप में पं. अशोक शर्मा को नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रेम रघुवंशी ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि नई कार्यकारिणी के पदाधिकारी पत्रकारों के हितों की रक्षा, संगठन के विस्तार तथा निष्पक्ष, निर्भीक एवं जन-सरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता को आपसी मतभेद एवं मनभेद भूलकर सशक्त बनाने में अपनी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

दो ट्रेक्टर-ट्रॉली जब्त

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में अवैध खनन व परिवहन के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत निवाई वृताधिकारी रविप्रकाश शर्मा एवं दत्तवास थानाधिकारी निरमा के नेतृत्व में टीम गठित टीम द्वारा दौराने गश्त कार्यवाही करते हुए क्षैत्र में अवैध चैजा पत्थर के परिवहन करते हुए एक ट्रेक्टर - ट्रोली को जब्त कर चालक रामधन मीणा को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही में आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर दो सप्ताह से लटके हैं ताले

निवाई। अखिल राजस्थान महिला एवं बाल विकास संयुक्त कर्मचारी संघ के आव्हान पर आईसीडीएस परियोजना की समस्त आंगनबाड़ी कार्मिकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मोर्चा खोल रखा है। निवाई क्षेत्र में आंगनबाडी कर्मियों के इस आंदोलन व अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण पिछले दो सप्ताह से सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर ताले लटके हुए हैं। केंद्रों के लगातार बंद रहने से क्षेत्र की व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं।

आंगनबाडी केंद्रों के माध्यम से संचालित होने वाली सरकार की बेहद महत्वपूर्ण व जनकल्याणकारी योजना नौनिहालों की पूर्व प्राथमिक शिक्षा, गर्भवती महिलाओं व बच्चों को मिलने वाला पोषाहार वितरण एवं नियमित टीकाकरण सहित सरकार की कई महत्वपूर्ण व जनकल्याणकारी योजनाएं पूरी तरह से ठप हो गई हैं। इस गतिरोध के चलते धरातल पर आम लोगों सहित ग्रामीण क्षेत्र के गरीब परिवारों, बच्चों व महिलाओं को भारी परेशानियों एवं असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। कार्मिक

आंगनबाड़ी कार्मिक अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर है जिससे आंगनबाड़ी केन्द्र नहीं खुल रहे है।

अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं और तालाबंदी लगातार जारी है। निवाई शाखा अध्यक्ष राजकुमारी गौतम, आशा निराला, मीनाक्षी यादव, विजय लक्ष्मी, विद्या, सीमा, रजनी, अनीता, सुनिता व रतिका सहित कई आंगनबाडी कार्मिकों ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं ने अपनी

- केंद्रों के लगातार बंद रहने से क्षेत्र की व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं।
- जब तक सरकार उनकी मांगें नहीं मानेगी तब तक प्रदेशव्यापी आंदोलन जारी रहेगा

लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर 1 जुलाई से जारी प्रदेशव्यापी कार्य बहिष्कार को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। आंदोलन के तहत निवाई क्षेत्र के सभी आंगनबाडी केंद्रों पर ताले लगे हुए है। आंगनबाडी कार्मिकों ने चेतावनी देते हुए बताया कि जब तक सरकार उनकी मांगें नहीं मानेगी तब तक प्रदेशव्यापी आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि यह आंदोलन पूरी तरह से लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से किया जा रहा है।

बरसात नहीं होने से किसान चिंतित

निवाई। करीब एक सप्ताह से भीषण गर्मी, तेज धूप और उमस का प्रकोप लगातार जारी है, जिससे जनजीवन पर प्रभाव पड़ा है। तेज धूप और उमस ने लोगों का जीना मुहाल कर रखा है, वहीं दूसरी ओर लंबे समय से बरसात नहीं होने के कारण क्षेत्र के किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं। आसमान में बादलों की आवाजाही तो होती है, लेकिन बिना बरसे ही निकल जाने से किसानों की उम्मीदें टूट रही हैं। दरअसल मानसून की शुरुआत में क्षेत्र के किसानों ने भारी उम्मीदों के साथ अपने-अपने खेतों में खरीफ की फसलों की बुआई का काम लिया था। लेकिन लंबे समय से बारिश नही बरसने और लगातार पड़ रही चिलचिलाती धूप के कारण खेतों में फसलें सूखने की कगार पर हैं। किसानों को अब भय सताने लगा है कि यदि आने वाले कुछ दिनों में बारिश नहीं हुई, तो उनकी मेहनत और खेतों में बोई गई फसलें नष्ट हो जाएंगी। इस परिस्थिति और सूखे के संकट से निपटने के लिए अब ठाामीण क्षेत्रों में किसानों ने भगवान की शरण ली है। इंद्रदेव को प्रसन्न करने और क्षेत्र में बारिश की कामना को लेकर गांवों में धार्मिक अनुष्ठान, टोने-टोटके एवं पारंपरिक उपाय किए जा रहे हैं।

सार-समाचार

नवनियुक्त जिला कांग्रेस पदाधिकारियों का सम्मान

चौमूं / कालाडेरा । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी जयपुर ग्रामीण (पश्चिम) की नवीन जिला कार्यकारिणी की घोषणा के उपरांत चौमूं स्थित कांठोस कार्यालय में नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने सभी पदाधिकारियों का साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर अभिनंदन किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। नवीन जिला कार्यकारिणी में पार्षद रमेश चंद सैनी (चौमूं), भगवान सहाय धाँसिल (गोविन्दगढ) एवं कृष्ण कुमार दत्त (मोरीजा) को जिला उपाध्यक्ष, फिरोज़ ख़ान नागोरी (चौमूं) एवं शंकर लाल यादव (बलेखण), सागरमल लांबा निवासी चौमूं , सांवरमल जाट निवासी आष्टिकलाँ को जिला महासचिव, मिलाप चंद नारनोलिया (गोविन्दगढ), राजेश कुमार यादव (डोला का बास), आशा मीणा (झीडा) एवं लालचंद गोरा (हाडौता) को जिला सचिव तथा गोपाल गुलिया (जैतपुरा) को जिला प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने कहा कि कांग्रेस संगठन निरंतर जनहित एवं जनसेवा के कार्यों को मजबूती प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी अपने दायित्वों का समर्पण, निष्ठा एवं कर्मठता के साथ निर्वहन करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगे तथा आमजन की समस्याओं के समाधान एवं जनसेवा के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों के सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए कहा कि संगठन की एकजुटता, सक्रियता और कार्यकर्ताओं की मेहनत से कांठोस और अधिक मजबूत होकर जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी। इस दौरान पश्चिम ब्लॉक अध्यक्ष गिरिराज देवंदा, पूर्वी ब्लॉक अध्यक्ष लोकेश शर्मा, नगर अध्यक्ष सायरमल सैनी, मंडल अध्यक्ष राकेश कुमावत, रामकरण यादव, राजेन्द्र नागर, पार्षद राधिका सैनी, शैलेन्द्र चौधरी, अभिषेक सैनी, मालीराम यादव, लाल मोहम्मद, मुन्ना भाई पठान, शिवा सैनी, संतोष कुमार सैनी, रामेश्वर सेरावत, शंकर लाल सेतावत, हनुमान सहाय बुनकर, कपिल झाझड़ा, भंवरलाल मीणा, मुकेश यादव सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीएलवी की समीक्षा बैठक में कार्यों की प्रगति पर चर्चा

किशनगढ़ बास। खैरथल तिजारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के किशनगढ़ बास बास कार्यालय में जिला सचिव अजीत कुडी की अध्यक्षता में सोमवार को पीएलवी पैरा लीगल वोलेटियर्स की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में जिले के सभी उपखंडों और तालुकाओं से पीएलवी शामिल हुए। यह बैठक राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर और जिला अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास के निर्देश पर आयोजित की गई। बैठक में सचिव अजीत कुडी ने कहा कि पैरा लीगल वॉलेंटियर्स न्याय व्यवस्था और आमजन, विशेषकर शोषित, वंचित एवं जरूरतमंद लोगों के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और विधिक सहायता पहुंचाना पीएलवी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविरों के आयोजन को लेकर विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए कहा कि ठाामीण और दूरदराज क्षेत्रों में महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए। साथ ही राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा) की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, पीड़ित प्रतिकर योजना, बाल विवाह रोकथाम, कन्या भ्रूण हत्या निषेध तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान सचिव ने पीएलवी द्वारा किए गए डोर-टू-डोर अभियान, विधिक सहायता केंद्रों के संचालन तथा अन्य गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने बेहतर कार्य करने वाले पीएलवी की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। सचिव ने पीएलवी को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोक अदालत के लाभों का व्यापक प्रचार करें और लोगों को समझाएं कि आपसी समझौते से मुकदमों का निस्तारण होने पर समय और धन दोनों की बचत होती है तथा आपसी सौहार्द भी बढ़ता है।

उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए अधिकारियों का सम्मान

टोंक। राजस्थान संपर्क पोर्टल पर माह जून-2026 के दौरान शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करते हुए टोंक जिले द्वारा राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 अधिकारियों एवं कार्मिकों को प्रशंसा-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान जिला कलक्टर टीना डाबी ने कहा कि जन शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी एवं संतोषजनक निस्तारण सुशासन की आधारशिला है। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों की कार्यशैली अन्य अधिकारियों एवं कार्मिकों के लिए भी प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी ने अपने समर्पण, कार्यकुशलता एवं उत्तरदायित्वपूर्ण कार्यशैली से न केवल शिकायतों का प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया, बल्कि टोंक जिले को राज्य में प्रथम स्थान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समाज के विकास के लिए शिक्षा जरूरी: संजीव निरंकारी

निवाई। नला रोड पर स्थित बैरवा छात्रावास में जिला बैरवा महासभा इकाई निवाई के तत्वावधान में अध्यक्ष संजीव निरंकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। जिसमें छात्रावास विकास सहित कई महत्वपूर्ण मुददों पर चर्चा की गई। बैठक में अध्यक्ष संजीव निरंकारी ने कहा कि समाज के विकास में भामाशाह अपनी भागेदारी निभाएं। समाज में बालिका शिक्षा का उत्थान हो। जिसके लिए समाज में जागृति लाने के लिए सभी पदाधिकारी प्रयासरत हैं। महामंत्री ज्ञानचन्द टाटावत सूरज का खेड़ा ने आ ान करते हुए कहा कि समय-समय पर अपने विचार एवं अपनी भावनाओं को अवगत कराते रहें। समाज का हर व्यक्ति समाज के विकास में भागेदारी निभाएं। इस अवसर पर छीतरलाल गंगवाल, रामदयाल बैरवा, नरेंद्रकुमार बैरवा, कालूराम बैरवा, राजाराम ठेकेदार, प्रेमचंद बैरवा, रमेशचंद बैरवा, जगदीश बैरवा, रामजीलाल बैरवा, रामप्रसाद बैरवा, हजारीलाल बैरवा, केसरलाल बैरवा, जंसीलाल बैरवा, रामेश्वरप्रसाद बैरवा, पांचूराम बैरवा, अध्यापक बनवारीलाल, कोषाध्यक्ष कैलाश नारायण, लक्ष्मण बैरवा, पप्पूलाल जेसीबी एवं पूर्व पार्षद बनवारीलाल बैरवा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

- बैठक में छात्रावास विकास सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई।
- समाज में बालिका शिक्षा का उत्थान हो। जिसके लिए समाज में जागृति लाने की जरुरत है

शिविर में मौके पर होगा समस्याओं का समाधान

लालसोट। प्रशासन की ओर से आमजन को सरकारी सेवाएं गांव स्तर पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार को ग्राम पंचायत डिगो एवं गोल में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जाएगा। शिविर में राजस्व, पंचायती राज, सामाजिक न्याय, कृषि, चिकित्सा, जलदाय, विद्युत सहित विभिन्न विभागों से जुड़े कार्य किए जाएंगे। साथ ही पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, आवेदन प्राप्त करने और आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन भी किया जाएगा। प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान कराएं तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

सरकारी अस्पताल में जेब काटने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

पावटा । जयपुर ग्रामीण पुलिस ने जेबकतरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने शाहपुरा सरकारी अस्पताल में एक बुजुर्ग की जेब से 15 हजार रुपये पार कर दिए थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को सवाई माधोपुर से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई राशि में से 9 हजार 300 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद (आईपीएस) ने बताया कि 7 जुलाई 2026 को सेढ़ का बास, शाहपुरा निवासी सतीश कुमार शर्मा अपनी माताजी को दिखाने के लिए शाहपुरा सरकारी अस्पताल आए थे। इसी दौरान अज्ञात चोर उनकी जेब से 15 हजार रुपये चोरी कर फरार हो गया। पीड़ित की रिपोर्ट पर थाना शाहपुरा में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रणवीर सिंह एवं वृत्ताधिकारी लक्ष्मीनारायण सैनी के सुपरविजन तथा थाना प्रभारी रिया चौधरी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता और मुखबिर तंत्र के जरिए जांच करते हुए प्रहलाद उर्फ काला (21 वर्ष) पुत्र स्व. राजेन्द्र, निवासी हमीरपुल के नीचे, कच्ची बस्ती, बजरिया टोक रोड, खेरदा, सवाई माधोपुर को हिरासत में लिया। पूछताछ और अनुसंधान के दौरान आरोपी के खिलाफ अपराध प्रमाणित होने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई राशि में से 9,300 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस अब आरोपी से अन्य जेबकतरी की वारदातों के संबंध में भी गहन पूछताछ कर रही है।

- चोरी की रकम बरामद

आलोक भारद्वाज ने संभाला आरपी का पद

लालसोट । मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) कार्यालय, लालसोट में सोमवार को आलोक भारद्वाज ने रिसोर्स पर्सन (आरपी) के पद पर विधिवत कार्यग्रहण किया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

आलोक भारद्वाज इससे पूर्व रामगढ़ पचवारा में राजस्थान वाइस प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, नवाचार को बढ़ावा देना तथा शिक्षकों के क्षमता विकास के माध्यम से

लालसोट में सोमवार को आलोक भारद्वाज ने रिसोर्स पर्सन (आरपी) के पद पर विधिवत कार्यग्रहण किया।

विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, बिहारी लाल वर्मा, खेड़ला खुर्द के प्रधानाचार्य दिनेश चंद्र शर्मा, शिक्षक संघ राष्ट्रीय के अध्यक्ष अविनाश शर्मा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी वीरेंद्र जैन, आरपी मुकेश मीणा, स्काउट सचिव श्रीकांत शर्मा, सुमित (पीटीआई), केके जैमिनी, हीरालाल महावर, पवन गुप्ता, दिनेश डाबरा, सुरेश सैनी, सुनील सूरतपुरा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

- नामांकन बढ़ाने और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण का लिया संकल्प

कोटपूतली-बहरोड़ कलेक्ट्रेट में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

- जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने प्रशासनिक दृष्टि से 39 कार्मिकों के तबादले व नवीन पदस्थापन के आदेश जारी किये
- पुष्पा देवी को उपखण्ड अधिकारी नीमराणा से उपखण्ड अधिकारी बहरोड़ भेजा गया है

कोटपूतली । कोटपूतली-बहरोड़ जिला कलेक्ट्रेट में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है, जिसके तहत जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने प्रशासनिक दृष्टि से 39 कार्मिकों के तबादले और नवीन पदस्थापन के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश 10 जुलाई 2026 को जारी किया गया है, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर सहायक कर्मचारियों तक को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जिनमें 04 अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी क्रमशः राजवीर सिंह यादव को तहसीलदार मांढण से उपखण्ड अधिकारी नीमराणा लगाया गया है। पुष्पा देवी को उपखण्ड अधिकारी नीमराणा से उपखण्ड अधिकारी बहरोड़ भेजा गया है। कृष्ण कुमार को उपखण्ड अधिकारी बहरोड़ से सहायक कलक्टर बहरोड़ व महेन्द्र कुमार सैन को जिला कलेक्ट्रेट से सहायक कलक्टर बानसूर में पदस्थापित किया गया है। इसी क्रम में 07 सहायक प्रशासनिक अधिकारी क्रमषः छगन लाल मीणा को तहसीलदार बानसूर से तहसीलदार कोटपूतली, महेश कुमार गुर्जर को सहायक कलक्टर बानसूर से जिला कलेक्ट्रेट, धनेष कुमार गुर्जर को उपखण्ड अधिकारी कोटपूतली से जिला कलेक्ट्रेट, सतेन्द्र उर्फ बिल्लू को तहसीलदार कोटपूतली से जिला कलेक्ट्रेट, शीषराम गुर्जर को जिला कलेक्ट्रेट से सहायक कलक्टर फा. ट्रेक बहरोड़, जसवन्त सिंह यादव को जिला कलेक्ट्रेट से तहसीलदार बहरोड़ व कैलाश चंद सैनी को तहसीलदार पावटा से जिला निर्वाचन कार्यालय कोटपूतली-बहरोड़ की जिम्मेदारी दी गई है। इसी प्रकार 08 वरिष्ठ सहायक क्रमषः गौरव अठावाल को कोषाधिकारी कार्यालय से अतिरिक्त जिला कलक्टर कोटपूतली के अधीन लगाया गया है।

केशव चौहान को उपखण्ड अधिकारी नीमराणा से तहसीलदार नीमराणा, राजेन्द्र कुमार बराला को उपखण्ड अधिकारी विराटनगर से उपखण्ड अधिकारी पावटा, अशोक कुमार शर्मा को तहसीलदार विराटनगर से कोषाधिकारी कोटपूतली-बहरोड़, रामनिवास यादव को उपखण्ड अधिकारी पावटा से उपखण्ड अधिकारी विराटनगर, नवीन कुमार सैनी को तहसीलदार नीमराणा से उपखण्ड अधिकारी नारायणपुर, आलोक कौशिक को तहसीलदार बानसूर से उपखण्ड अधिकारी बानसूर, कुलदीप मीणा तहसीलदार विराटनगर से तहसीलदार पावटा में नवीन पदस्थापन मिला है। तबादला सूची में 17 कनिष्ठ सहायक का भी फेरबदल किया गया हैं। जिनमें रामदास को जिला कलेक्ट्रेट से सहायक कलक्टर बहरोड, कमल नयन शर्मा को सहायक कलक्टर बहरोड़ से उपखण्ड अधिकारी कोटपूतली, हितेष पलसानियां को जिला कलेक्ट्रेट से उपखण्ड अधिकारी विराटनगर, ब्रह्मदत यादव को उपखण्ड अधिकारी कोटपूतली से कोषाधिकारी कोटपूतली-बहरोड़, विजय सिंह उपखण्ड अधिकारी कोटपूतली से जिला निर्वाचन कार्यालय, उगन कुमार राय को उपखण्ड अधिकारी कोटपूतली से अतिरिक्त जिला कलक्टर, अनिल कुमार शर्मा को उपखण्ड अधिकारी बानसूर से जिला कलेक्ट्रेट, संजीव सिंह को तहसीलदार नीमराणा से उपखण्ड अधिकारी कोटपूतली, ओमप्रकाष गुर्जर को उपखण्ड अधिकारी नारायणपुर से कोषाधिकारी कोटपूतली-बहरोड़, पूनम गुर्जर को सहायक कलक्टर कोटपूतली से जिला कलेक्ट्रेट, भूपेन्द्र मीणा को तहसीलदार विराटनगर से उपखण्ड अधिकारी विराटनगर, राजपाल मीणा को तहसीलदार पावटा से भू. अ. कलेक्ट्रेट कोटपूतली-बहरोड़, बृजमोहन सिंह को तहसीलदार कोटपूतली से अतिरिक्त जिला कलक्टर, सतीष कुमार यादव को तहसीलदार मांढण से तहसीलदार विराटनगर, राहुल यादव को तहसीलदार मांढण से उपखण्ड अधिकारी कोटपूतली में नियुक्त किया गया है। जिला कलक्टर दौसा से जिले में स्थानांतरण होने पर अंकित कुमार को उपखण्ड अधिकारी बहरोड़ में पदस्थापित किया गया है एवं पदस्थापन की प्रतीक्षा सूची में चल रहे साहिल यादव को उपखण्ड अधिकारी नारायणपुर में लगाया गया हैं। इसी तरह 03 सहायक कर्मचारियों के तबादले हुये हैं, जिनमें महेन्द्र कुमार शर्मा को तहसीलदार कोटपूतली से जिला कलेक्ट्रेट कोटपूतली-बहरोड़, नेपाल सिंह को तहसीलदार विराटनगर से सहायक कलक्टर कोटपूतली व ओमप्रकाश जाट को तहसीलदार विराटनगर से उपखण्ड अधिकारी विराटनगर में तैनात किया गया है। जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने आदेश में सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित कार्यालय अध्यक्ष स्थानांतरित किए गए कार्मिकों को तुरंत कार्यमुक्त और कार्यठाहण करवाकर उसकी रिपोर्ट जिला कार्यालय को तत्काल भिजवाना सुनिश्चित करें।

मनरेगा मजदूरों के हक के लिए दी आंदोलन की चेतावनी

कोटपूतली। कहते हैं कि मजदूर को पसीना सूखने से पहले उसकी मजदूरी का भुगतान किया जाता है तो न केवल मजदूर की आत्मा तृप्ति होती है बल्कि उसके परिवार को सुकून की रोटी खाने को मिलती है । लेकिन यदि एक मजदूर को 2 साल तक मजदूरी करने के बावजूद उसकी खून पसीने की गाढी कमाई को प्रशासनिक कमियों के चलते अटका दिया जाए तो उस मजदूर व उसके परिवार के हालात आखिर क्या हो सकते हैं । लेकिन गरीब को मजदूरी के पैसे के लिए नगर परिषद के अधिकारियों का घेराव करना पड़ रहा है। मामला स्थानीय नगर परिषद के अंतर्गत आने वाले ग्राम पनियाला के मनरेगा श्रमिकों का पिछले दो वर्षों से अटका हुआ भुगतान जारी करने की मांग अब तेज हो गई है। श्रमिकों के हक की आवाज उठाते हुए पार्षद उमेश आर्य के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने नगर परिषद जेईएन कृष्ण गुर्जर को ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द भुगतान प्रक्रिया पूरी करने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान पार्षद उमेश आर्य ने प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मनरेगा योजना का मुख्य उद्देश्य ठाामीण गरीबों और मजदूर वर्ग को रोजगार देकर उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। लेकिन कोटपूतली में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। श्रमिकों ने कडी मेहनत कर अपना काम पूरा कर लिया, लेकिन विडंबना देखिए कि उन्हें पिछले दो साल से अपनी गाढी कमाई के लिए भटकना पड़ रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर उपखण्ड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया।

- ज्ञापन में कार्यकर्ताओं ने बताया कि वे सरकार की विभिन्न योजनाओं को निष्ठापूर्वक जन-जन तक पहुंचा रही हैं।इसके बावजूद, उन्हें वर्तमान में कई गंभीर समस्याओं और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है

टोंक। उनियारा में अखिल राजस्थान महिला एवं बाल विकास संयुक्त कर्मचारी संघ की शाखा के बैनर तले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने अपनी लंबित मांगों के निराकरण के लिए उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कार्यकर्ताओं ने बताया कि वे सरकार की विभिन्न योजनाओं को निष्ठापूर्वक जन-जन तक पहुंचा रही हैं। इसके बावजूद, उन्हें वर्तमान में कई गंभीर समस्याओं और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनकी प्रमुख मांगों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को नियमित कर सरकारी कर्मचारी का दर्जा देना तथा मानदेय में बढ़ोतरी करना शामिल है। इसके अलावा, 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर सेवानिवृत्ति के समय 10 लाख रुपए ग्रेच्युटी भुगतान का नियम लागू करने की मांग की गई है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के इस संबंध में दिए गए आदेश को तुरंत प्रभाव से लागू करने पर जोर दिया। कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि उनसे अन्य विभागों के कार्य नहीं करवाए जाएं, यदि ऐसे कार्य करवाए जाते हैं, तो उसके लिए अलग से विशेष भत्ता प्रदान किया जाए। राशन और पोषाहार व्यवस्था में सुधार के लिए, कार्यकर्ताओं ने बच्चों के गर्म पोषाहार आदि के लिए नकद राशि के बजाय सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर सीधे सरकार द्वारा सिलेंडर और शक्कर जैसी सामग्री उपलब्ध करवाने का आग्रह किया। पदोन्नति के मामले में, सुपरवाइजर के पद पर होने वाले प्रमोशन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को पहला हक देने की मांग की गई है। साथ ही, ईसीसीई में भी कार्यकर्ताओं को पूर्ण प्राथमिकता दी जाए।

यह (लॉर्ड्स में शतक बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनना) अविश्वसनीय है क्योंकि छह महीने पहले मैं पूरी तरह से विपरीत स्थिति में थी और अगर तब किसी ने कहा होता कि मेरा नाम लॉर्ड्स के सम्मान बोर्ड में होगा तो मैं इस पर विश्वास नहीं करती।" - यास्तिका भाटिया

भारतीय बल्लेबाज, अपने प्रदर्शन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ स्टीफन फ्लेमिंग

इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे सफल फ्रेंचाइजियों में शामिल चेन्नई सुपर किंग्स और मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का 18 साल पुराना साथ आखिरकार समाप्त हो गया। फ्रेंचाइजी और फ्लेमिंग ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया है। सीएसके ने बताया कि यह निर्णय फ्लेमिंग और टीम प्रबंधन के बीच हुई "खुली और ईमानदार बातचीत" के बाद लिया गया। फ्लेमिंग ने अपने विदाई संदेश में कहा, "खेल में 18 साल बहुत लंबा समय होता है और मैं यहां से केवल आभार के साथ जा रहा हूं। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताया गया समय मेरे कोचिंग करियर का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।

क्या आप जानते हैं ?... टूर्नामेंट में उपस्थिति : ब्राजील एकमात्र ऐसी टीम है जिसने फीफा विश्व कप के अब तक के सभी संस्करणों में हिस्सा लिया है।

भारतीय महिला टीम ने लॉर्ड्स में इंग्लैंड को 270 रन से हराकर रचा इतिहास

लंदन, 13 जुलाई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लॉर्ड्स में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में सोमवार को इंग्लैंड को 270 रन से हराकर इतिहास रच दिया। यह टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से भारत की दूसरी सबसे बड़ी जीत है। चौथे और अंतिम दिन भारत को जीत के लिए केवल चार विकेट की जरूरत थी, जिन्हें उसने महज डेढ़ घंटे के भीतर हासिल कर लिया।

457 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम तीसरे दिन ही 59/5 के स्कोर पर लड़खड़ा गई थी और दिन का खेल खत्म होने पर केवल 130 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे। चौथे दिन सोमवार को उसने 130/6 से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन केवल 56 रन और जोड़कर 176 रन पर सिमट गई।

भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दिन की शुरुआत से ही आक्रामक रणनीति अपनाई और स्पिनरों के साथ करीबी फील्डर लगाकर इंग्लैंड पर लगातार दबाव बनाए रखा। एमी जोन्स ने संघर्ष करते हुए 54 रन बनाए, जबकि सोफी एक्लेस्टोन ने 50 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई खास साथ नहीं मिला।

भारतीय स्पिनरों ने मैच पर पूरी तरह शिकंजा कस दिया। स्नेह राणा ने 4 विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। आखिरी विकेट भी राणा ने ही हासिल किया, जब उनकी शानदार टर्न लेती गेंद ने एक्लेस्टोन की गिल्लियां

बिखेर दीं। इससे पहले भारत ने पहली पारी में 285 रन बनाए थे, जिसमें स्मृति मंधाना ने 83 और हरमनप्रीत कौर ने 58 रन की अहम पारियां खेलीं।

जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 170 रन पर सिमट गई, जहां तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। दूसरी पारी में भारत ने 341/7 पर पारी घोषित की। यास्तिका भाटिया ने शानदार 113 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि स्मृति मंधाना ने 70 रन बनाकर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। भारत की इस जीत के साथ महिला टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के खिलाफ उसकी कुल चौथी जीत दर्ज हुई, जो किसी भी एक टीम के खिलाफ उसकी सबसे अधिक टेस्ट जीत है। इंग्लैंड की धरती पर खेले गए 10 महिला टेस्ट मैचों में यह भारत की तीसरी जीत रही, जबकि बाकी सात मुकाबले ड्रॉ रहे।

हरमनप्रीत कौर ने लॉर्ड्स टेस्ट जीतकर रचा इतिहास, मिताली राज का रिकॉर्ड हुआ ध्वस्त

नई दिल्ली, 13 जुलाई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने सोमवार को ऐतिहासिक लॉर्ड्स टेस्ट में 270 रनों से धमाकेदार जीत दर्ज की। भारत ने 457 रनों का कठिन लक्ष्य रखा था जिसके जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी 186 पर सिमटी। यह महिला टेस्ट क्रिकेट का घर कहे जाने वाले लंदन के लॉर्डर्स मैदान पर पहले पुरुष टेस्ट के 142 साल बाद आयोजित हुआ। भारत के जीत दर्ज करते ही कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इतिहास रचा। वह भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाली महिला कप्तान बन गई हैं। उनकी अगुवाई में भारत ने चौथा टेस्ट जीता है। उन्होंने कुल पांच टेस्ट में टीम की कप्तानी की है। 37 वर्षीय हरमनप्रीत ने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज का रिकॉर्ड ध्वस्त किया है। मिताली के नेतृत्व में भारत ने आठ टेस्ट खेले और तीन में जीत नसीब हुई।

वनडे में भारत और इंग्लैंड में किसका पलड़ा भारी? तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज आज से

नई दिल्ली, 13 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच मंगलवार से तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज होने जा रहा है। पहला मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर आयोजित होगा। दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा छह महीने बाद भारतीय टीम की जर्सी में एकसाथ खेलते हुए नजर आएंगे। कोहली चोटिल होने के कारण अफगानिस्तान सीरीज में नहीं खेले थे, जिसमें शुभमन ब्रिगेड ने सूपड़ा साफ किया। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी इस फॉर्मेट में वापसी कर रहे हैं। कोहली, रोहित और बुमराह टी20 में लगातार हार से आहत भारत के मनोबल को बढ़ाने की फिराक में होंगे। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम को हाल ही में इंग्लैंड के हाथों टी20 सीरीज में 0-4 से क्लीन स्वीप झेलना पड़ा। भारत ने उससे पहले आयरलैंड में दो टी20 मैचों की सीरीज गंवाई।

भारत और इंग्लैंड में किसका पलड़ा भारी?

भारत और इंग्लैंड ने अब तक 110 वनडे मैच खेले हैं। भारतीय टीम का इस दौरान पलड़ा भारी रहा। भारत ने 61 मुकाबलों में विजयी

परचम फहराया। इंग्लैंड ने 44 वनडे जीते। तीन मैचों का कोई नतीजा नहीं निकला जबकि दो वनडे टाई रहे। भारत ने अपने घर पर इंग्लैंड के खिलाफ 38 वनडे में जीत हासिल की और 18 अवे मैचों पर कब्जा जमाया। भारत ने न्यूट्रल वेन्यू पर इंग्लैंड से 6 वनडे जीते हैं। वहीं, इंग्लैंड ने भारत से घर पर 23 मुकाबलों में बाजी मारी है। इंग्लैंड ने 17 अवे मैच और चार न्यूट्रल वेन्यू पर मैच अपने नाम किए।

लगातार तीन वनडे सीरीज में हो चुका ऐसा

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन वनडे सीरीज जीती हैं। भारत की नजर अब सीरीज जीत का चौका लगाने पर होगी। भारत और इंग्लैंड ने पिछली वनडे सीरीज फरवरी 2025 में खेली थी। भारत ने घर पर आयोजित तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। भारत ने जुलाई 2022 में इंग्लैंड में तीन मैचों की सीरीज पर 2-1 से कब्जा जमाया। दोनों सीरीज में भारत की बागडोर रोहित शर्मा ने संभाली थी। वहीं, भारत ने मार्च 2021 में इंग्लैंड में खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज भी 2-1 से जीती। तब भारत के कप्तान विराट कोहली थे। साल 2021 से पहले इंग्लैंड ने भारत से लगातार दो बार 50 ओवर फॉर्मेट की सीरीज जीती थी।

वनडे सीरीज के लिए दोनों टीमों का स्क्वॉड

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा।

इंग्लैंड: हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जोस टंग, साकिब महमूद, आदिल राशिद, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर।

सिर्फ अर्जेंटीना ही नहीं, रेफरी और वीएआर के खिलाफ भी खेलना पड़ा : याकिन

कैनसस सिटी, 13 जुलाई। फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना से 1-3 की हार के बाद स्विट्जरलैंड के मुख्य कोच मुरात याकिन ने रेफरी और वीएआर (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) के फैसलों पर नाराजगी जताई है। हालांकि उन्होंने टीम के अंतिम आठ तक पहुंचने के प्रदर्शन को सफल अभियान बताया। रविवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में याकिन के साथ स्विस फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष पीटर क्नाबेल और राष्ट्रीय टीम के निदेशक पियरलुइगी टामी भी मौजूद थे। तीनों ने टीम के प्रदर्शन की सराहना की, लेकिन क्वार्टर फाइनल में मिली हार को निराशाजनक बताया। मैच में स्विट्जरलैंड ने दूसरे हाफ में बराबरी का गोल किया था, लेकिन उसके कुछ ही देर बाद स्ट्राइकर ब्रील एम्बोलो को वीएआर समीक्षा के बाद सिमुलेशन (डाइव लगाने) के आरोप में दूसरा पीला कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। इसके बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही स्विस टीम पर अर्जेंटीना ने दबाव बनाया और मुकाबला 3-1 से जीत लिया। हार के बाद याकिन ने रेफरी के फैसलों पर सवाल उठाते हुए कहा, "हमने सिर्फ एक शानदार अर्जेंटीना टीम और मौजूदा विश्व चैंपियन के खिलाफ ही नहीं खेला, बल्कि 70 हजार अर्जेंटीना समर्थकों, रेफरी और वीएआर के खिलाफ भी खेलना पड़ा। यह किसी भी टीम के लिए बहुत ज्यादा था। स्वाभाविक है कि इस तरह बाहर होना दर्द देता है।".

वेस्टइंडीज टीम में हेटमायर की वापसी, ग्रीव्स बाहर

प्रोविडेंस, 13 जुलाई। वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे वनडे के लिए अनुभवी बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर को टीम में शामिल किया है। वह चोटिल जस्टिन ग्रीव्स की जगह लेंगे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने मंगलवार को बताया कि ग्रीव्स पीठ की चोट के कारण पहले वनडे से बाहर हो गए थे और अब आगे के उपचार और पुनर्वास के लिए बारबाडोस लौट गए हैं। हेटमायर ने अपना आखिरी वनडे जून, 2025 में खेला था। उन्हें जून, 2026 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया था, लेकिन अंतिम एकादश में मौका नहीं मिला।

गिल समेत 3 खिलाड़ियों ने जून में किया कमाल, आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नॉमिनेट

नई दिल्ली, 13 जुलाई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार को जून 2026 के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ़ द मंथ अवॉर्ड के लिए नॉमिनीज़ की घोषणा की। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, बांग्लादेश के ऑलराउंडर मोसादेक हुसैन, न्यूज़ीलैंड के तेज़ गेंदबाज़ नाथन स्मिथ और भारत के कप्तान शुभमन गिल को अलग-अलग फ़ॉर्मैट में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए पहचान मिली है। नॉमिनीज़ को महीने के दौरान मैच जिताने वाले उनके योगदान के लिए सराहा गया; उन्होंने अपनी टीमों की अहम सीरीज़ जीत में अहम भूमिका निभाई। आईसीसी ने जून 2026 के मेन्स प्लेयर ऑफ़ द मंथ अवॉर्ड के लिए बांग्लादेश के मोसादेक हुसैन, न्यूज़ीलैंड के नाथन स्मिथ और भारत के शुभमन गिल को नॉमिनेट किया है। इन खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी टीमों के लिए अहम सीरीज़ जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसमें मोसादेक ने 4 साल बाद शानदार वापसी करते हुए बांग्लादेश को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज़ जितवाई, वहीं स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेकर न्यूज़ीलैंड की तेज़ गेंदबाज़ी का नेतृत्व किया। शुभमन गिल ने भी टेस्ट और वनडे दोनों प्रारूपों में बल्ले से प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए शानदार रन बनाए। यह नामांकन उनके जून महीने के उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है।

भारतीय टीम के प्रदर्शन पर बीसीसीआई चिंतित : सूर्यकुमार यादव की वापसी तय?

नई दिल्ली, 13 जुलाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि अगर सूर्यकुमार यादव घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो वे भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी कर सकते हैं। यादव, जिनकी कप्तानी में भारत ने 2026 टी -20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था, उन्हें हाल ही में टी -20 कप्तानी से हटा दिया गया था और आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरों से पहले खराब बल्लेबाजी के कारण टीम से बाहर कर दिया गया था। उन्हें हटाए जाने के बाद, श्रेयस अय्यर को नया टी -20 कप्तान बनाया गया। हालांकि, अय्यर की कप्तानी में भारत का प्रदर्शन गिरा है; इसमें आयरलैंड से 2-0 से सीरीज़ हारना और इंग्लैंड के खिलाफ़ पांच मैचों की टी -20 सीरीज़ में 4-0 से हारना शामिल है, जबकि पहला मैच बारिश के कारण बिना किसी नतीजे के खत्म हुआ था। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि सूर्यकुमार यादव के लिए अभी भी रास्ते खुले हैं। फ़िलहाल वे टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन अगर वे घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाते हैं, तो उनकी वापसी हो सकती है।

फीफा विश्व कप में पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ उतरेंगे मेसी, सेमीफाइनल में होगी कड़ी टक्कर

कैनसस सिटी, 13 जुलाई। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं। फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में स्थानीय समयानुसार बुधवार को अर्जेंटीना और इंग्लैंड आमने-सामने होंगे। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने इस मुकाबले को "वह मैच जिसका इंतजार मेसी की किस्मत को भी था" बताया है। 39 वर्षीय मेसी ने अपने लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में ब्राज़ील, जर्मनी, फ्रांस, स्पेन, इटली और उरुग्वे जैसी विश्व चैंपियन टीमों का सामना किया है, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ खेलने का मौका उन्हें कभी नहीं मिला। दोनों टीमों की पिछली भिड़ंत नवंबर, 2005 में स्विट्जरलैंड के जिनेवा में एक दोस्ताना मुकाबले में हुई थी। उस मैच में अर्जेंटीना को 3-2 से हार का सामना करना पड़ा था। वेन रूनी और माइकल ओवेन ने इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई थी, जबकि अर्जेंटीना के लिए हर्नान क्रेस्पो और वाल्टर सैमुअल ने गोल किए थे। हालांकि, मेसी उस मुकाबले में नहीं खेल सके थे, क्योंकि उसी वर्ष हंगरी के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू मैच में रेड कार्ड मिलने के कारण वह निलंबित थे। स्विट्जरलैंड पर 3-1 की क्वार्टर फाइनल जीत के बाद मेसी ने कहा, "यह मुकाबला खास है, क्योंकि इंग्लैंड एक शानदार और मजबूत टीम है। ऐसी टीम के खिलाफ खेलना हमेशा सुखद होता है। अब हमें अच्छी तरह आराम करना होगा, क्योंकि लगातार मुकाबलों के कारण टीम पर काफी दबाव रहा है। हम पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरना चाहते हैं और उसी तरह प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं जैसे अब तक करते आए हैं।" अर्जेंटीना ने लगातार तीसरे नॉकआउट मुकाबले में संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की है। राउंड ऑफ-32 में टीम ने अतिरिक्त समय में केप वर्डे को 3-2 से हराया था, जबकि प्री-क्वार्टर फाइनल में मिस्त्र के खिलाफ 0-2 से पिछड़ने के बाद आखिरी 11 मिनट में शानदार वापसी करते हुए 3-2 से जीत हासिल की थी। स्विट्जरलैंड के खिलाफ मेसी ने एलेक्सिस मैक एलिस्टर के गोल में असिस्ट किया, लेकिन यह कतर के 2022 में हुए विश्व कप में पोलैंड के खिलाफ मुकाबले के बाद पहला मौका था, जब मेसी विश्व कप मैच में गोल नहीं कर सके। इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच यह मुकाबला फुटबॉल इतिहास की सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्विताओं में से एक माना जाता है। ऐसे में मेसी के करियर का पहला इंग्लैंड मुकाबला विश्व कप के सेमीफाइनल जैसे बड़े मंच पर होना इस मैच को और भी ऐतिहासिक बना देगा।

बालाजी क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 13 जुलाई। अंडर-16 समर कप में बालाजी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 31.4 ओवर में 165 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। निश्चल शर्मा ने 53 और उर्मित सिंह ने 44 रनों का योगदान दिया। एसएमआर क्रिकेट अकादमी की ओर से अभिषेक शर्मा ने 3, विशाल चौधरी और रियांश चौधरी ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसएमआरक्रिकेट अकादमी 33.4 ओवर में 141 रन पर ऑल आउट हो गई। विशाल चौधरी ने सर्वाधिक 60 रनों का योगदान दिया ! बालाजी क्रिकेट अकादमी की ओर से उर्मित सिंह ने 3, गोविंद त्रिपाठी, निश्चल शर्मा और सौरभ ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच उर्मित सिंह को चुना गया।

24वीं राज्य शॉटगन क्ले पिजन टैप व स्कीट और डबल शूटिंग चैम्पियनशिप का आयोजन

जयपुर, 13 जुलाई। राजस्थान राइफल एसोसिएशन के तत्वावधान में 24 वीं राज्य शॉटगन क्ले पिजन टैप व स्कीट और डबल शुटिंग चैम्पियनशिप का आयोजन जगतपुरा शूटिंग रेंज जयपुर में किया जा रहा हैं। इस चैम्पियनशिप में प्रदेश भर से आए सैकड़ों निशानेबाजों ने स्पर्धाओं में भाग लिया। आज शॉटगन क्ले पिजन टैप व स्कीट की स्पर्धाओं का समापन हुआ। कल दिनांक 14/07/2026 से क्ले पिजन डबल ट्रैप शॉटगन की प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। प्रतियोगिता मैं आयोजित पदक वितरण समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान राइफल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष गिरधर प्रताप सिंह और पूर्व गवर्नर वी.पी. सिंह बदनोर एवम आई एस एस ऐफ रेफरी वीरेन भट्ट और उनकी ऑफिसियल टीम उपस्तिथ रहे।

COLLEGE OF VETERINARY AND ANIMAL SCIENCE, BIKANER

क्रमांक :- 449 दिनांक :- 09/07/2026

ई-निविदा सूचना सं. (दर संविदा) 08/2026-27

इस महाविद्यालय में Readymade Poultry Feed की आपूर्ति हेतु दो कवर (तकनीकी व वित्तीय बिड) ऑनलाईन ई-निविदा (दर संविदा) आंमत्रित की जाती है, जिसमें मूल निर्माताओं / प्राधिकृत व्यवहारियों / सदभाविक व्यवहारियों के माध्यम से दिनांक 9.07.2026 से 11.05.2026 को सुबह 11.30 बजे तक ऑनलाईन निविदा डाउनलोड / अपलोड की जा सकती है। ई-निविदा (दर संविदा) की अनुमानित लागत रू. 45.00 लाख है। ई-निविदा (दर संविदा) प्रपत्र व ई-निविदा (दर संविदा) की शर्तें एवं अन्य विस्तृत विवरण स्टेट पोर्टल की वेबसाईट http//sppp.raj.nic.in व विभाग की वेबसाईट www.rajuvas.org एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। UBN No. : VAU2627GLRC00049

राज.संवाद/सी/26/6742 अधिष्ठाता

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः- 4244 दिनांकः- 10.07.2026

-:: निविदा सूचना ::-

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: 3936-37 दिनांक 07/07/2026 की निविदा दिनांक 08/07/2026 से दिनांक 23/07/2026 06.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 24/07/2026 को 15.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 24/07/2026 को 16.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2627SLOB09608, तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/26/6824 नगर परिषद, बून्दी

कार्यालय नगरपालिका मण्डल नैनवॉं जिला बून्दी (राज0)

क्रमांकन.पा.नै./स्टोर/2026-27/1815 दिनांक :- 03.07.2026

-: ई-निविदा-सूचना :-

नगर पालिका नैनवाँ द्वारा 05 कार्यो हेतु जिनकी अनुमानित लागत 70.00 लाख रूपये है कि निविदा जेम पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। जिसमें इच्छुक कम्पनी/संवेदक जेम पर भाग ले सकतें है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण व शर्ते जेम पोर्टल की वेबसाईट www.Gem.gov.in and sppp.raj.nic.in पर तथा कार्यालय समय में नगर पालिका कार्यालय में देखी व प्राप्त की जा सकती है। उक्त निविदा का NIB Code :- DLB2627RFP0030 हैं। कार्य का UBN No. DLB2627RFP0030 निम्न प्रकार है।
Bid Submission End Date is 18-07-2026.

प्रशासक, नगर पालिका नैनवॉं — अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका नैनवॉं
राज.संवाद/सी/26/6771

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, P.W.D., CIRCLE-JHALAWAR

Room No.158, Ground Floor (Public Works Department), Mini Secretariat, Jhalawar
E-mail :-piu jhalawar@rediffmail.com/sejwar.pwd@rajasthan.gov.in,Phone No.: 07432-233336

S. No. :- 400 Date:- 07.07.2026

NIT No. 13/2026-27
Notice Inviting Bid
NIB No. PWD2627A1552

Bids for Atal Path, Mishroli, Dist. Jhalawar are invited from interested bidders upto 6.00 PM, Dated 04.08.2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://erpoc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the Rajasthan and http://pwd.rajasthan.gov.in website. The approximate value of the procurement is Rs. 172.67 Lacs.
UBN No. - 1. PWD2627WSOB06608

(Mukesh Chand Meena)
Superintending Engineer
Public Works Department
Circle-Jhalawar

DIPR/C/12203/2026

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, कोटा
पताः- प्रथम तल जिला परिषद् भवन सीएडी कोटा, पिन कोड 324009
ई-मेल-SEWDSC.KOTA@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांकः लेखा / 2026-27/775 **NOTICE INVITING BID** दिनांक :-08/07/26

NIB No 08 YEAR 2026-27

Bids for NRM Works, estimated value INR 254.13 Lacs are invited from interested bidders up to 6.00 PM, 30.07.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state. or

NIB NO.	WSC2627A0619
UBN NO.	WSC2627WSOB01048, WSC2627WSOB01049

(उमेश चन्द्र गुप्ता)
अधीक्षण अभियन्ता
जलग्रहण विकास एवं
भू संरक्षण विभाग कोटा

DIPR/C/12231/2026

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बसेडी, जिला-धौलपुर (राज.)

क्रमांकः- न.पा.ब./निर्माण/2026/2498 दिनांकः- 09.07.2026

पुन:: ई- निविदा आमंत्रण सूचना

नगरपालिका द्वारा निम्न कार्य हेतु केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभागो में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के अन्तर्गत ऑनलाइन आमन्त्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की तिथि 09.07.2026 समय प्रातः 10.00 बजे से प्रारम्भ की जाकर निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि 20.07.2026 समय सांय 06.00 बजे तक होगी। एवं निविदा दिनांक 22.07.2026 को खोली जावेंगी। तकनीकी निविदा में सफल संवेदकों की ही वित्तीय बिड खोली जावेंगी।

निविदा फॉर्म ऑनलाईन बेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड व डाउनलोड की जायेंगी। तथा ऑनलाईन बेवसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी निविदा शर्ते देखी जा सकती है।

Sr.No.	UBN no.	Tender Id	Estimated Cost
1	DLB2627WSRC09810	2026_DLB_573899_1	17,12,880/-Rs.
2	DLB2627WSRC09812	2026_DLB_573941_1	7,42,693/-Rs
3	DLB2627WSRC09814	2026_DLB_573967_1	14,90,700/-Rs.

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/26/6728 नगरपालिका बसेडी

कार्यालय जेबीएसएल, जोधपुर

नगर निगम भवन, पोलोटक्निक कॉलेज परिसर, गौरव पथ, जोधपुर (राज.) फोन नं 0291-2651464

क्रमांक :- 375 दिनांक :- 09/07/2026

अल्पकालीन ई-बोली सूचना संख्या /2026-27

जेबीएसएल के लिए अनुबंध पर मंत्रालयिक कार्यों हेतु संविदा कार्मिक एवं बसों में राजस्व संग्रहण हेतु परिचालको की सेवाएं लेने हेतु ई बोली के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन बोलियां आंमत्रित की जाती है। बोली से संबंधित विस्तृत विवरण जेबीएसएल की बेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in स्टेट पोर्टल पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	ई-बोली सूचना एवं सूचना संख्या	कार्य का नाम	यूबीएन नम्बर
1	.../2026-27	जेबीएसएल हेतु अनुबंध पर मंत्रालयिक कार्यों हेतु 24 संविदा कार्मिक एवं बसों में राजस्व संग्रहण हेतु 235 परिचालकों की सेवाएं अनुबंध पर लेने का कार्य।	DLB2627SLOB09865

राज.संवाद/सी/26/6762 Director

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
सांगलपुरा, जयपुर रोड, बीकानेर - 334001 दूरभाष : 0151-2226200

अल्पकालिक ई - निविदा सूचना

"220 केवी जीएसएस सूरतगढ़ से निकलने वाले 33 केवी PH-1 फीडर से ACSR DOG T-OFF के साथ 0.15 किलोमीटर सिंगल सर्किट 33 केवी लाइन का निर्माण, पीपेरन में 3.15 MVA 33/11 केवी सबस्टेशन का निर्माण और ACSR रैबिट कंडक्टर के साथ 10.00 किलोमीटर 11 केवी इंटर कनेक्शन लाइन के निर्माण कार्य हेतु बजट घोषणा 2026-27 के अन्तर्गत श्रमदर 2025 के आधार पर श्रीगंगानगर वृत्त के अधीन सब-डिवीजन सूरतगढ़ जोधपुर डिस्कॉम, के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।"

TN-BZ-03/2026-27 (UBN No. JVV2627WSOB00183)

अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं www.eproc.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑन लाइन www.eproc.rajasthan.gov.in पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्यन्न कर ले।

भविष्य में इन् निविदाओं से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढ़ने की जानकारी आदि केवल वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध करायी जायेगी।

मुख्य अभियंता (बी.सं.)
राज.संवाद/सी/26/6815 जोधपुर डिस्कॉम बीकानेर

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

कार्यालय उप वन संरक्षक, अजमेर
वन भवन, जयपुर रोड़, अजमेर दूरभाष संख्या- 0145-2429796 (ऑफिस) E-Mall-dcf.ajmer.forest@rajasthan.gov.in

क्रमांकः- एफ()स्टोर/उवसं/2026-27/3157 NIB Code. FOR2627A0706 UBN No. FOR2627WSOB0083 दिनांकः- 7/7/26

ई-निविदा सूचना सं. 04/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न वर्णित कार्यों हेतु सक्षम श्रेणी के पंजीकृत आईटी एक्ट अनुसार डिजिटल हस्ताक्षरधारी एवं जो निविदा प्रपत्रों में वांछित योग्यता रखते हो, ऐसे संवेदकों से ई टेण्डरिंग प्रोक्योरमेन्ट प्रकिया से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। यह निविदा सूचना www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा निविदा प्रपत्र www.eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड एवं अपलोड किये जा सकते हैः-

क्र. सं.	कार्यस्थल का नाम	कार्य का विवरण (जी-शिड्यूल एवं एच-शिड्यूल अनुसार)	अनुमानित लागत (लाखों में)	बोली प्रतिभूति राशि रू. (अनुमानित 2 प्रतिशत)	बोली (निविदा) प्रपत्र शुल्क	प्रोसेसिंग फीस	कार्यपूर्णता अवधि
1	गंगा भैरव घाटी रेंज अजमेर	CONSTRUCTION OF PUCCA WALL FENCING (6 FEET HEIGHT) LENGTH 5000 M.	200.00	4,00,000/-	2000/-	2000/-	90 दिवस
		TOTAL	200.00				

ई बोली (निविदा) डाउनलोड की जाने की तिथि एंव समय	07.07.2026 सांय 6.00 बजे से
ई बोली (निविदा) अपलोड करने की अन्तिम तिथि एंव समय	17.07.2026 दोपहर 3.00 बजे तक
ई बोली (निविदा तकनीकी एवं वित्तीय बिड़) खोली जाने की तिथि एंव समय	17.07.2026 को सायं 4.00 बजे तक

बी.एस.आर. आईटमों की दरें Online BOQ में बीएसआर से कम अथवा अधिक के रूप में भरी जायेगी एवं नॉन बी.एस.आर. आईटमों की दरें प्रति आईटम की दर से भरनी होगी। अन्यथा सम्बन्धित फर्म की दरें निविदा में सम्मिलित नहीं की जायेगी।

(पी. बालामुरूगन)
उप वन संरक्षक
अजमेर

DIPR/C/12192/2026

क्षेत्र में अपराध की जिम्मेदारी आईजी व एसपी की होगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने संगठित अपराध, सायबर क्राइम व नशा तस्करी का पूरा नेटवर्क ध्वस्त करने के निर्देश दिए

जयपुर, 13 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर राज्य में कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में कानून व्यवस्था की बैठक में हाल की अपराधिक घटनाओं पर संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल अरैस्ट और ऑनलाइन ठगी के मामलों में त्वरित कार्यवाही पर आमजन का विश्वास बहाल करना पुलिस की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की।

अब क्षेत्र में होने वाले अपराधों की जिम्मेदारी सीधे संबंधित आईजी और एसपी की होगी। उन्होंने गृह विभाग एवं पुलिस अधिकारियों को दो टूक कहा कि प्रदेश में अपराध किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बैठक में कई जिलों के पुलिस अधीक्षकों को फटकार लगाते हुए कहा कि संगठित अपराध, साइबर क्राइम और नशा तस्करी के मामलों में सिर्फ गिरफ्तारी से काम नहीं चलेगा, बल्कि इन अपराधों का पूरा नेटवर्क ध्वस्त होना चाहिए। गोगुंदा में चरागाह भूमि पर अतिक्रमण के मामले में एक वरिष्ठ अधिकारी को उनके निर्देश पर नोटिस भी जारी किया गया। उहोंने अलवर, श्रीगंगानगर और भरतपुर में हाल में हुई आपराधिक घटनाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध हथियार संगठित अपराध की रीढ़ है और संगठित अपराध को रोकने के लिए इसे तोड़ना बहुत जरूरी है। जिन जिलों में आर्म्स एक्ट के मामलों में बढ़ोतरी हुई है, वहां अवैध हथियारों की सप्लाई चेन तोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन ठगी के मामलों में त्वरित कार्रवाई कर आमजन का विश्वास बहाल करना पुलिस की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध जघन्य अपराधों को अत्यंत गंभीर बताते हुए ऐसे मामलों में त्वरित, कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक सहित, मुख्यमंत्री कार्यालय, गृह विभाग एवं पुलिस विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थिति रहे। वहीं, रेंज महानिरीक्षक एवं समस्त जिलों के पुलिस अधीक्षक वी.सी. के जरिए बैठक से जुड़े।

सरकार ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उचित आरक्षण सुनिश्चित करना जरूरी है। ओबीसी आयोग ने 14 अगस्त, 2026 तक राजनीतिक आरक्षण रिपोर्ट पेश करने की सूचना दी है। ऐसे में सरकार विभिन्न श्रेणियों के आरक्षण का विवरण 31 अगस्त तक उपलब्ध करा सकेगी। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि राज्य निर्वाचन आयोग ने गत 6 जुलाई को पत्र के जरिए सूचित किया है कि यदि आरक्षण का विवरण 31 अगस्त तक उपलब्ध करा दिया जाएगा तो विभिन्न वैधानिक प्रावधानों और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव चार चरण में और निकाय चुनाव दो चरण में कराने होंगे और इसमें कुल 90 दिन का समय लगेगा। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि प्रदेश में करीब 14 हजार ग्राम पंचायतों और तीन सौ से अधिक नगर पालिकाओं के चुनाव होने हैं। ऐसे में संसाधनों को देखते हुए चरणबद्ध चुनाव कराना सही रहेगा। ग्राम पंचायत के चुनाव में 50 दिन और शहरी निकायों के लिए 40 दिन लगेंगे।

सीमा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जमीनी हकीकत, सुरक्षा सूचनाओं और तथ्यों का आंकलन कर हर मामले पर कार्यवाही करने के लिये उपयुक्त है। इस जानकारी के साथ यह कमेटी किसी भी ईमारत को तोड़ने या किसी भी व्यक्ति को ईमारत खाली करने तथा किसी भी अन्य तरह की कार्यवाही करने के लिये उपयुक्त है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में 22 याचिकाकर्ताओं ने याचिका दायर की थी। और जिन्होंने बिना उपयुक्त इजाजत के भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास दरगाह, मस्जिद, मदरसे आदि का निर्माण किया था, जिसके लिए इन्हें नोटिस दिए गए थे। इस मामले में राज्य सरकार की तरफ से महाधिवक्ता और केन्द्र सरकार की तरफ से एडिशनल सोलीसीटर जनरल पैरवी के लिये पेश हुये थे।

राजस्थान भर के ट्रांसपोर्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

प्रदेश के दस हजार ट्रकों के पहिए थमे, राज्य की सीमाओं पर 30-35 हजार ट्रक अटके

- ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि सरकार ने नियम तो लागू कर दिए, पर आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं कीं।
- ट्रांसपोर्ट संगठनों का आरोप है कि राजस्थान में वीएलटीडी लगाने के लिए अधिकृत कंपनियां एक डिवाइस के 25-30 हजार वसूल रही हैं, जबकि अन्य राज्यों में यह डिवाइस 3 से 6 हजार रूपए में उपलब्ध है।

जयपुर, 13 जुलाई। वीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी),परमिट और ई-डिटेक्शन चालान से जुड़ी समस्याओं को लेकर राजस्थान के ट्रांसपोर्टर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। राजस्थान ट्रक ट्रांसपोर्ट संघर्ष समिति के आव्हान पर प्रदेशभर में करीब दस हजार ट्रकों ने चक्का जाम कर दिया है।

ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि सरकार ने नियम तो लागू कर दिए, लेकिन उन्हें लागू करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं कीं, जिसका खामियाजा वाहन मालिकों और ट्रांसपोर्ट कारोबारियों को भुगतना पड रहा है। ट्रांसपोर्टरों ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाएंगी, आंदोलन जारी रहेगा।

आंदोलन को लॉजिस्टिक्स एंड ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन, जयपुर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन, विश्वकर्मा ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, जयपुर परचून ट्रांसपोर्ट यूनियन और ऑल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर एसोसिएशन सहित, प्रदेश के कई प्रमुख ट्रांसपोर्ट संगठनों का समर्थन मिला है। अलवर में ट्रांसपोर्टरों ने रैली निकालकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और बाजार की कुछ दुकानें भी बंद कराईं।

विश्वकर्मा ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश चौधरी ने बताया कि प्रदेश में अधिकृत कंपनियों के पास पर्याप्त संख्या में वीएलटीडी डिवाइस उपलब्ध नहीं हैं। इसके कारण करीब 30 से 35 हजार ट्रक राजस्थान की सीमाओं के बाहर खड़े हैं। यदि ये वाहन आवश्यक प्रक्रिया पूरी किए बिना राज्य में प्रवेश करते हैं तो ई-डिटेक्शन कैमरों के जरिए भारी-भरकम ऑनलाइन चालान होने का खतरा है। वहीं डिवाइस नहीं लगने से नेशनल परमिट और फिटनेस प्रमाण-पत्र का नवीनीकरण भी अटका हुआ है।

जयपुर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन के संयुक्त सचिव गुलशन नागपाल ने कहा कि ट्रांसपोर्टर वीएलटीडी लगाने का विरोध नहीं कर रहे, बल्कि इसे लागू करने के लिए पर्याप्त समय और व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि ट्रैकिंग डिवाइस लगने तक अस्थायी परमिट व्यवस्था जारी रखी जाए, ताकि मालवाहक वाहनों का संचालन बाधित न हो।

ट्रांसपोर्ट संगठनों का आरोप है कि राजस्थान में केवल सीमित कंपनियों को वीएलटीडी लगाने के लिए अधिकृत किया गया है। इन कंपनियों द्वारा एक डिवाइस के लिए 25 से 30 हजार रुपए तक वसूले जा रहे हैं, जबकि अन्य राज्यों में यही डिवाइस करीब 3 से 6 हजार रुपए में उपलब्ध है।

एसोसिएशन के प्रवक्ता राजीव त्रेहन ने कहा कि ई-डिटेक्शन प्रणाली के कारण बड़ी संख्या में लाखों रुपए के ऑनलाइन चालान हो रहे हैं। कई बार वाहन मालिकों को इसकी जानकारी तक नहीं होती और बाद में चालानों की लंबी सूची सामने आती है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरटीओ और पुलिस की कार्रवाई से ट्रांसपोर्टर लगातार परेशान हैं।

केन्द्र सरकार ने एआईएस-140 सुरक्षा मानकों के तहत व्यावसायिक वाहनों में वीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस अनिवार्य किया था। इसके बाद राजस्थान परिवहन विभाग ने वर्ष 2022 से इस व्यवस्था को लागू करना शुरू किया।

ट्रांसपोर्ट संघर्ष समिति का कहना है कि यदि सरकार और ट्रांसपोर्ट संगठनों के बीच जल्द सहमति नहीं बनी तो प्रदेश में सीमेंट, स्टील, किराना, कृषि उपज और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है।

सोशल मीडिया ने नितिन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनिवार्य बनाने की नीति के दौरान "सियान एग्रो" की आय में तेज़ उछाल आया और उसके शेयरों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई। विपक्षी दलों और विश्लेषकों का कहना है कि यह हितों के टकराव का संभावित मामला हो सकता है। उनका सवाल है कि इस नीति को इतनी तेजी से लागू करने के पीछे जनहित है या निजी लाभ। गडकरी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके परिवार का चीनी और एथेनॉल से जुड़ा कारोबार पहले से चल रहा है और उन्हें इससे कोई व्यक्तिगत लाभ नहीं हो रहा है।

गडकरी एथेनॉल को देशहित के लिए बहुत जरुरी मानते हैं। उनका तर्क है कि एथेनॉल के उपयोग से तेल का आयात कम होता है, प्रदूषण घटता है, गन्ने और अनाज की मांग बढ़ने से किसानों को फायदा होता है और देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होती है। ब्राजील, अमेरिका और थाईलैंड जैसे देशों के सफल कार्यक्रमों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ई-20 तकनीकी रूप से सही साबित हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि इंजनों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचने के दावे "पूरी तरह गलत हैं" और ऐसी आलोचनाओं के पीछे "पेट्रोलियम लॉबी" या उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे राजनीतिक विरोधियों का हाथ है, जो उनकी छवि खराब करना चाहते हैं।

गडकरी ने मीडिया और सोशल मीडिया पर चल रहे दावों को भी गलत जानकारी और एक सोची-समझी मुहिम बताया है, जिसका उद्देश्य इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहल को कमजोर करना है। उन्होंने ऐसे संगठनों पर मानहानि का मुकदमा करने की चेतावनी भी दी है।

यह पूरा मामला एक बड़े सवाल को सामने लाता है कि किसानों के हित और तेल आयात में कमी लाने, और दूसरी तरफ बुनियादी ढांचे की तैयारी, ग्राहकों की लागत और शासन की छवि के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। जहां एथेनॉल आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है, वहीं गडकरी परिवार के कारोबारी लाभ ने पारदर्शिता को लेकर सवाल भी खड़े किए हैं। जब तक उपभोक्ताओं की शिकायतें जारी हैं और एथेनॉल उत्पादन में पानी की बढ़ती खपत को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं, तब तक सरकार को स्वतंत्र और कड़ी जांच के साथ स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी, ताकि जनता का भरोसा बना रहे।

'न्यायधीशों ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में लाने का प्रयास कर रहा है।

अमेरिका ने ईरान के भीतर स्थित सैन्य प्रतिष्ठानों पर गहरे हमले करते हुए मिसाइल और ड्रोन सुविधाओं को निशाना बनाया है। यह ईरानी ठिकानों पर अमेरिका के नए सैन्य अभियान का दूसरा चरण माना जा रहा है।

इससे पहले, पिछले सप्ताह अमेरिका ने लगभग 140 सैन्य ठिकानों पर हमला किया था। इनमें से अधिकांश ईरान के तटीय क्षेत्र में स्थित थे, जहां से होर्मुज़ स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर हमले किए जा रहे थे। ओमान के तट के पास से गुजरने वाले जहाज भी ईरानी हमलों से नहीं बच सके।

ईरान ने सबसे पहले अमेरिका द्वारा स्वीकृत समुद्री मार्ग से गुजर रहे दो जहाजों पर हमला किया था। इनमें दो अत्याधुनिक और अत्यंत महंगे विशाल तेल टैंकर भी शामिल थे।

इस घटना के बाद राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान की कड़ी आलोचना की और उन तटीय सैन्य परिसंपत्तियों को निष्क्रिय करने का आदेश दिया, जहां से ये हमले किए गए थे। अनेक देशों ने इन हमलों की निंदा की और दोनों पक्षों के बीच बढ़ते अविश्वास के कारण वार्ता का माहौल भी बिगड़ गया।

बाद में ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि ईरान अपने वादों से पीछे हट रहा है और उसने अंतरिम 14-सूत्रीय शांति समझौते के तहत किए जाने वाले अपने दायित्वों का पालन नहीं किया।

इसके जवाब में ईरान ने भी मध्य पूर्व में स्थित अमेरिका के कई सैन्य ठिकानों पर बमबारी की। दोनों देशों के बीच लगातार हो रहे हमलों ने अंतरिम शांति समझौते को लगभग निष्प्रभावी बना दिया और दोनों पक्षों ने युद्धिविराम की शर्तों का उल्लंघन किया।

इस बीच, एक अन्य मोर्चे पर ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच भी हमलों और जवाबी हमलों का सिलसिला जारी है। सऊदी अरब ने यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर मिसाइल हमले किए हैं।

.....जब शराब के ठेकेदारों का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हस्तक्षेप नहीं है। फैसला कंप्यूटर करता है।" 2018 में योगी आदित्यनाथ द्वारा नई आबकारी नीति लागू किए जाने के बाद से शराब का लाइसेंस देने की पूरी प्रक्रिया डिजिटल और पारदर्शी हो गई। इससे रक्षपाल जैसे लोगों का काम आसान हुआ और राज्य के आबकारी राजस्व में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई। नई नीति लागू होने के पहले 10 महीनों में आबकारी राजस्व में 47.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। 2017-18 और 2018-19 के बीच साल-दर-साल 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई। तब से राज्य का आबकारी राजस्व लगातार बढ़ता रहा है। 2017-18 में 17,320 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में यह 57,722 करोड़ रुपये हो गया। दस वर्षों में यह तीन गुना से भी अधिक हो गया और उत्तर प्रदेश आबकारी से सबसे अधिक राजस्व कमाने वाला राज्य बन गया। ऐसा नहीं था कि पहले कमाई की कोई संभावना नहीं थी, लेकिन उत्तर प्रदेश अपनी पूरी राजस्व क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा था, क्योंकि इसका बड़ा हिस्सा सरकारी खजाने तक पहुंचने से पहले शराब कार्टल के पास चला जाता था। राज्य को कम राजस्व मिलता था, जबकि ग्राहक ज्यादा कीमत चुकाता था। उत्तर प्रदेश में शराब की कीमतें उसके पड़ोसी राज्यों से ज्यादा थीं, क्योंकि डिस्टिलरी और ब्रुअरी कई वर्षों तक लगभग बिना किसी रोक-टोक के अपनी "एक्स-डिस्टिलरी" कीमतें खुद तय करती थीं। सीएजी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पहले 750 मिलीलीटर की एक सामान्य रम की बोतल उत्तर प्रदेश में राजस्थान की तुलना में 102.28 रुपये महंगी थी। लेखा परीक्षक ने 2008 से 2018 के बीच डिस्टिलरी मालिकों, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को 7,168 करोड़ रुपये का अनुचित लाभ मिलने की बात कही थी। अब तस्वीर बदल चुकी है। अब उत्तर प्रदेश अपने सभी पड़ोसी राज्यों से कड़ी प्रतिस्पर्धा करता है और कई ब्रांड उनसे भी कम कीमत पर उपलब्ध कराता है। कीमतों में बदलाव का असर रक्षपाल की दुकान पर भी दिखाई देता है। उनकी दुकान रामपुर के बाहरी इलाके में नैनीताल जाने वाली सड़क पर है। वे बताते हैं कि पहाड़ों की ओर जाने वाले पर्यटक रास्ते में उनकी दुकान से शराब खरीदते हैं, क्योंकि उत्तराखंड में प्रवेश करने के बाद शराब महंगी हो जाती है।

शराब कार्टल को कमाने देने के बजाय, उत्तर प्रदेश सरकार ने वह हिस्सा अपने पास रखा। साथ ही अवैध शराब की बिक्री पर नियंत्रण करके राजस्व बढ़ाने का दूसरा रास्ता भी अपनाया।

राज्य ने पूरी आपूर्ति श्रृंखला में "ट्रैक एंड ट्रेस" प्रणाली लागू की। हर बोतल पर एक कोड लगाया गया, ताकि डिस्टिलरी से बिक्री केन्द्र तक कहीं भी गड़बड़ी न हो। इससे आबकारी अधिकारियों को तस्करी की शराब और वैध शराब में अंतर पहचानने में भी मदद मिली। पेशे से मधुमक्खी पालक मुकेश पाठक, जिन्होंने रक्षपाल को शराब का लाइसेंस लेने की सभी औपचारिकताएं पूरी करने में मदद की, बताते हैं, "हर बोतल के लेबल पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन किए बिना एक भी बोतल नहीं बेची जा सकती। इसमें देशी शराब भी शामिल है।" वे आगे कहते हैं, "इससे कम से कम दुकानों पर अवैध शराब की बिक्री खत्म हो गई है। पहले बिक्री का एक तय कोटा होता था। जिनकी बिक्री कम होती थी, उन्हें अपना कोटा पूरा करने की चिंता रहती थी, जबकि जिनकी बिक्री अच्छी होती थी, वे अपने कोटे से अधिक अवैध शराब भी बेचते थे।" वे आगे बताते हैं कि अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के अलावा यह व्यवस्था यह भी सुनिश्चित करती है कि रात 9 या 10 बजे के बाद या ड्राई डे के दिन कोई बिक्री न हो। अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई ने क्यूआर कोड व्यवस्था को और मजबूत किया है। केवल मई महीने में ही अवैध शराब से जुड़े लगभग 9,900 मामले दर्ज किए गए और 2.29 लाख लीटर से अधिक अवैध शराब जब्त की गई।

सड़क दुर्घटना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाबू पुत्र अर्जुनराम, मुकेश पुत्र मेहराराम, और हेमाराम पुत्र जीयाराम गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही कानोड़ गांव सहित आसपास के क्षेत्रों के ग्रामीण बड़ी संख्या में जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंच गए। पचपदरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

'न्यायधीशों ने अपना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बाद से हुई कई बैठकों के बाद जे डी ए ने स्वत: ही यह फैसला लिया कि वह तीन अनाधिकृत कॉलोनियों का नियमितीकरण करेगी और इस संदर्भ में एन ओ सी भी जारी करेगी। जबकि अदालत के समक्ष कई सुनवाइयों में यह तथ्य भी सामने आये थे कि अतिक्रमण के कारण जयपुर मेट्रो के टोंक रोड पर बन रहे स्टेशनों के लिए रास्ता अवरुद्ध हो जायेगा।

अदालत ने तत्कालीन जेडीए कमिश्नर, शिखर अग्रवाल को अपने आदेश में नामजद करते हुए कहा कि उन्हें पता था कि उक्त सड़क के रास्ते में जेडीए की भूमि पर ही अतिक्रमण है परन्तु अतिक्रमणकारियों और गैर कानूनी निर्माणकर्ताओं को मदद करने के लिए जेडीए ने सड़क का अलाइनमेंट बदला है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में जेडीए द्वारा 2018 के ज़ोनल प्लान को ही बदलने का फैसला किया गया और अदालत को भी जेडीए के वकीलों द्वारा सूचित किया गया। इस मामले की सुनवाई के दौरान जनहित याचिका दायरकर्ता अजय मार्ग निर्माण संघर्ष समिति की ओर से कहा गया कि संशोधित प्लान के अंदर सीधी सड़क के बदले एक 90 डिग्री का एक कोण बनाया गया है जिससे ट्रैफिक व्यवस्था में अड़चनें आएंगी और यह बदलाव केवल प्रभावशाली अतिक्रमणकारियों को सुरक्षा देने के लिए किया गया है।

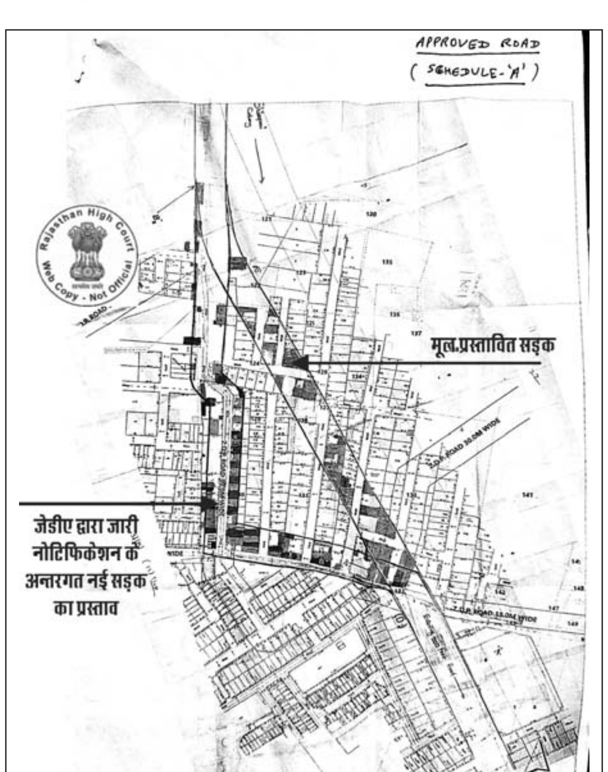

सांगानेर इंटरनेशनल एयरपोर्ट और हल्दीघाटी रोड को जोड़ने वाली सौ फीट रोड़ का मूल प्लान और नया प्लान।

उन्होंने कहा कि इस संशोधन को अदालत को पारित नहीं होने देना चाहिए परन्तु वास्तविक जमीनी स्थिति को देखते हुए जेडीए कमिश्नर द्वारा 14 अगस्त 2025 को अदालत के समक्ष कहा गया कि वह संशोधित नक्शे को गजट नोटिफिकेशन के मार्फत जारी करना चाहती है। अदालत ने इस पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि जब मामला कोर्ट में लंबित हो, तब सड़क का अलाइनमेंट नहीं बदला जा सकता और किसी भी फेरबदल करने से पहले अदालत की अनुमति लेना आवश्यक है जो इस मामले में नहीं किया गया।

कार्यकारी मुख्य न्यायधीश एस.पी. शर्मा और न्यायाधीश संजीत पुरोहित ने अपने 13 अक्टूबर 2025 को दिए गए फैसले में कहा कि वर्ष 2025 में ही हाउसिंग बोर्ड और जेडीए को आदेश दिए गए थे कि वह अतिक्रमणकारियों को हटाए परन्तु उनके रवैया से लगता है कि उनकी मंशा ही नहीं थी कि कभी ऐसा हो । इसके साथ ही अदालत ने जेडीए और हाउसिंग बोर्ड की रिअलाइनमेंट करने की गुहार को सिरे से नकार दिया। और जेडीए को कहा कि वह सड़क निर्माण का कार्य मूल मास्टर प्लान के मुताबिक करे।

इस आदेश के बावजूद इस पेचीदगियों से भरे मामले में सबसे रोचक मोड आना अभी बाकी था। दरअसल इस मामले के फैसले के बाद नाथू सिंह नामक एक व्यक्ति, जो मामले में 105 परिवादियों में से एक थे। ने अदालत के समक्ष अप्रैल 2026 में आवेदन पेश किया। इस आवेदन के अनुसार नाथू सिंह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एस पी शर्मा पेश हुए थे वर्ष 2013 में। अब जैसा कि विदित है कि कार्यकारी मुख्य न्यायधीश एस पी शर्मा की खंडपीठ ने ही 2025 में फैसला दिया था जो कि कानूनी प्रावधानों के विरुद्ध है। एक वकील जो एक मामले में पैरवी कर चुका हो वह उसी मामले में जज बनने के बाद फैसला नहीं दे सकता।

इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए कार्यकारी मुख्य न्यायधीश एस पी शर्मा और संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने अपने 2025 में दिए गए फैसले को "रिकॉल" किया और कहा कि यह मामला ऐसी खंडपीठ के समक्ष लग जाए, जिसका भाग कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस पी शर्मा न हो।

उल्लेखनीय है कि इस आदेश के बाद यह मामला पुन: सुनवाई के लिए न्यायधीश इन्द्रजीत सिंह और न्यायधीश भुवन गोयल के समक्ष सूचीबद्ध किया गया और इस अदालत ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए 8 जुलाई को आदेश दिए कि जेडीए सड़क की रिअलाइनमेंट के लिए गजट नोटिफिकेशन जारी कर सकता है।

प्रदेश की सरकार हर मोर्चे पर बैकफुट पर है- सचिन पायलट

पायलट ने बाँसवाड़ा में दावा किया कि बड़ी संख्या में प्रधान, सरपंच व जिला प्रमुख कांग्रेस के बनेंगे

- पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कुशलगढ़ में पूर्व प्रधान हुरतिंग खड़िया के श्रद्धांजलि समारोह में भी भाग लिया।

बांसवाड़ा, 13 जुलाई। एआईसीसी महासचिव व प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि प्रदेश की सरकार हर मोर्चे पर बैकफुट पर है। पंचायती राज और निकाय चुनाव नहीं कराना उसके डरे होने का सबसे बड़ा प्रमाण है। पायलट ने यह बात बांसवाड़ा दौरे के दौरान सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कही। पायलट ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, इन्फ्रास्ट्रक्चर सब कुछ बिगड़ी हालात में है और प्रदेश की जनता ने सरकार रवानगी तय कर दी है।

एक सवाल के जवाब में पायलट ने केन्द्र और राज्य सरकार पर संवैधानिक संस्थाओं के दुरूपयोग का आरोप लगाया तथा कहा कि ईडी और चुनाव आयोग जैसी संस्थाएं भी वैमनस्य की भावना से कार्यवाही कर रही हैं।

पायलट ने अयोध्या में राम मंदिर में चंदा चोरी प्रकरण पर भी सवाल उठाये और कहा कि यही लोग कहते थे कि न खाऊंगा, न खाने दूंगा, लेकिन राम मंदिर में आये चंदे पर भी माल चंपत करके चंपत हो गये। पायलट ने कहा प्रदेश में कांग्रेस एकजुट है और पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता मजबूती से आगामी दिनों में होने वाले पंचायती

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का कुशलगढ़ में कार्यकर्ताओं ने हल भेंट कर भव्य स्वागत किया।

राज व नगर निकाय चुनावों में शानदार जीत के लिये जुटा हुआ है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में बड़ी मात्रा में प्रधान, सरपंच, जिला प्रमुख कांग्रेस के बनने वाले हैं। वागड़ में बाप पार्टी पर अपनी प्रतिक्रिया में उन्होंने कहा कि हर एक राजनैतिक दल का अपना एक नजरिया होता है और राजनैतिक पार्टियां अपने तौर तरीकों व विचारधारा से बनती, आगे बढ़ती और बिगड़ती रही हैं।

इस दौरान बांसवाड़ा विधायक व पार्टी जिलाध्यक्ष अर्जुन सिंह बामनिया, विधायक नानालाल निनामा, पूर्व सांसद रघुवीर मीणा, पूर्व उप जिला प्रमुख डॉ. विकास बामनिया, संगठन महासचिव मनीष एन त्रिवेदी, अब्दुल गफ्फार, पूर्व सभापति राजेश टेलर, नवाब खां फौजदार, नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्र तेली, अतीत गरासिया, पूर्व प्रधान सुनिता माल सहित अनेक नेता मौजूद रहे।

इससे पूर्व सर्किट हाउस पहुंचने पर सैकड़ों की संख्या में उमड़े युवा कार्यकर्ताओं ने जोशीले नारे लगाते हुए सचिन पायलट का स्वागत किया। पायलट ने भी सभी कार्यकर्ताओं के सम्मान को स्वीकारा।

देर रात तक सर्किट हाउस में मेला लगा रहा। इससे पूर्व, उन्होंने कुशलगढ़ में पूर्व प्रधान हुरतिंग खड़िया के श्रद्धांजलि समारोह में भाग लिया। कुशलगढ़ में भी पायलट की एक झलक पाने के लिये कार्यकर्ताओं में अपार उत्साह नजर आया। कार्यक्रम में पूर्व केबिनेट मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया, कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया, स्थानीय नेता हंसमुख सेठ आदि मौजूद थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908